■ प्रदूषण के कारण डिजिटल सुनवाई पर करें विचार सीजेआई सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान की टिप्पणी- 12

■ आरबीआई की डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता ने कहा-मुद्रास्फीति के अनुमान में पूर्वाग्रह नहीं- 12

■ आतंकवाद किसी एक देश के लिए नहीं, पूरी मानव जाति के लिए अभिशाप - 13

■ भारत की सबसे बड़ी हार दक्षिण अफ्रीका ने 25 साल बाद फिर किया क्लीन स्वीप- 14

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| कानपुर |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष सप्तमी 12:30 उपरांत अष्टमी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 27 नवंबर 2025, वर्ष 4, अंक 97, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

जर्जर पोल ने ली राष्ट्रीय खिलाड़ी की जान

रोहतक के लखनमाजरा स्थित सरकारी स्टेडियम में राष्ट्रीय स्तर के बास्केटबॉल खिलाड़ी 16 वर्षीय हार्दिक राठी की उस समय मौत हो गई जब अभ्यास के दौरान उनकी छाती पर बॉस्केटबॉल हूप का लोहे का भारी खंभा गिर गया। सीसीटीवी की फुटेज में दिखा कि हार्दिक हूप तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं, हूप से लटकने के दौरान उनके ऊपर खंभा गिर गया। हार्दिक के पिता ने कहा, खंभे की जर्जर हालत के बारे में अधिकारियों को कई बार बताया था लेकिन उन्होंने कोई ध्यान नहीं दिया।

भारत को मिली मेजबानी, अहमदाबाद में होंगे राष्ट्रमंडल खेल- 2030

ग्लासगो में हुई राष्ट्रमंडल खेलों की आमसभा की बैठक में लगी मुहर, नाइजीरिया का दावा खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत बीस साल बाद राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा। बुधवार को ग्लास्गो में राष्ट्रमंडल खेलों की आमसभा की बैठक में अहमदाबाद को मेजबान के तौर पर औपचारिक मंजूरी मिल गई । पिछले महीने 'कॉमनवेल्थ स्पोर्ट (राष्टमंडल खेल)' के कार्यकारी बोर्ड की ओर से शताब्दी चरण के प्रस्तावित मेजबान के रूप में अहमदाबाद की सिफारिश के बाद 74 सदस्यों की जनरल असेंबली के लिए भारत की बोली पर मुहर लगाना सिर्फ एक औपचारिकता रह गई थी। इससे पहले भारत ने 2010 में दिल्ली में इन खेलों की मेजबानी की थी।

राष्ट्रमंडल खेल बोर्ड ने मूल्यांकन समिति की देखरेख में एक प्रक्रिया पूरी करने के बाद भारत को मेजबानी देने की की सिफारिश की थी । राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी के लिए भारत को नाइजीरिया के शहर अबुजा से कड़ी टक्कर मिल रही थी, लेकिन कॉमनवेल्थ स्पोर्ट ने अफ्रीका के इस शहर के 2034 के खेलों की मेजबानी के लिए नाम पर विचार करने का फैसला किया।

सौ साल भी पूरे करेंगे राष्ट्रमंडल खेल

राष्ट्रमंडल खेल 2030 में अपने सौ साल भी पूरे कर रहे हैं लिहाजा यह सत्र विशेष रहने वाला है । भारत के लिए राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी हासिल करना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि देश 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों की मेजबानी हासिल करने की दौड़ में भी है और अहमदाबाद को ही मेजबान शहर के रूप में पेश किया गया है । भारत ने इससे पहले 2010 में दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन किया था लेकिन 2030 में इन खेलों को अहमदाबाद में आयोजित किया जाएगा जहां पिछले एक दशक में खेल ढांचा नए स्तर तक पहुंचा है। इसने मेजबानी के दावेदार शहरों का तकनीकी वितरण, खिलाड़ियों के अनुभव, बुनियादी ढांचे, प्रशासन और राष्ट्रमंडल खेल मूल्यों के साथ अनुकूलता के आधार पर मूल्यांकन किया था।

... इसलिए मजबूत पड़ा अहमदाबाद का दावा

अहमदाबाद ने हाल ही में राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन, एशियाई एक्वेटिक्स चैंपियनशिप और फुटबॉल के एएफसी अंडर-17 एशियाई कप 2026 क्वालीफायर की मेजबानी की है। यहां अगले साल एशियाई भारोत्तोलन चैंपियनशिप और एशिया पैरा-तीरंदाजी कप होगा। इसके अलावा 2029 में विश्व पुलिस और अग्निशमन खेल अहमदाबाद, गांधीनगर और एकता नगर में होंगे। सरदार वल्लभभाई पटेल खेल परिसर को इन खेलों के लिए तैयार किया जा रहा है। इनमें नरेन्द्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम भी शामिल है। इसी परिसर में एक जलक्रीड़ा केंद्र और एक फुटबॉल स्टेडियम के साथ इनडोर खेलों के लिए दो मैदान बनेंगे।

यह राष्ट्रमंडल खेलों के लिए नए सुनहरे दौर की शुरुआत है। भारत में व्यापकता, युवा शक्ति, महत्वाकांक्षा, समृद्ध संस्कृति और अपार खेल जुनून है। हम राष्ट्रमंडल खेलों के अगले सौ वर्षों की शुरुआत मजबूत स्थिति में कर रहे हैं। - **डॉ. डोनाल्ड रुकारे**, कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के अध्यक्ष

कॉमनवेल्थ स्पोर्ट ने जो भरोसा दिखाया है, उससे हम बहुत सम्मानित महसूस कर रहे हैं। 2030 खेलों से हम सिर्फ कॉमनवेल्थ मूवमेंट के 100 साल पूरे होने का जश्न ही नहीं मनाएंगे, बल्कि अगली सदी की नींव भी रखेंगे। - **पीटी उषा**, भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष

ब्रीफ न्यूज

आईएफएफआई के समापन समारोह में शोले का प्रदर्शन रद्द

पणजी। दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के निधन के बाद 56वां अंतरराष्ट्रीय भारतीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) इस सप्ताहांत अपने समापन समारोह में उन्हें एक विशेष श्रद्धांजलि अर्पित करेगा। आईएफएफआई में 26 नवंबर को शोले का 4 के 'रीस्टोर्ड' (उन्नत) संस्करण का प्रदर्शन किया जाना था लेकिन आयोजकों ने तकनीकी कारणों का हवाला देते हुए इसे भी रद्द कर दिया है। एक अधिकारी ने बताया, सोमवार को धरमजी के निधन की दुखद खबर मिलने के बाद सम्मान स्वरूप फिल्म बाजार के समापन समारोह में एक मिनट का मौन रखा गया।

गुजरात: शेरनी के हमले से दो साल की बच्ची की मौत

गिर सोमनाथ। गुजरात के गिर सोमनाथ जिले के गिर गढडा तालुका में बुधवार सुबह एक शेरनी के हमले से दो साल की बच्ची की मौत हो गई। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बाद में लड़की का शव बरामद कर लिया गया, जिसे शेरनी ने आधा खा लिया था। वहीं शेरनी को भी पकड़ लिया गया। यह जिला गिर राष्ट्रीय उद्यान का घर है, जो एशियाई शेरों का एकमात्र निवास स्थान है। रेंज वन अधिकारी बी. बी. वाला ने बताया कि उन्होंने बताया कि बच्ची सुबह करीब 10 बजे अपनी मां के साथ बरामदे में खेल रही थी, तभी अचानक जंगल से एक शेरनी निकली और बच्ची को उठाकर करीब एक किलोमीटर जंगल में ले गई।

दिल्ली: स्कूल बंद करने की याचिका पर शिक्षा सचिव तलब

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता की बिगड़ती स्थिति के मद्देनजर स्कूलों को बंद करने के अनुरोध वाली याचिका पर बुधवार को दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय के सचिव को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ इस मुद्दे पर वजीरपुर जेजे कॉलोनी एसोसिएशन द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी और शिक्षा विभाग तथा केंद्र सहित अन्य प्रतिवादियों द्वारा जवाब दाखिल न करने पर नाराज थी।

संवैधानिक कर्तव्य निभाएं नागरिक क्योंकि ये मजबूत लोकतंत्र की नींव

संविधान दिवस पर मोदी ने महात्मा गांधी के विचारों को याद करते हुए दिया संदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को नागरिकों से अपने संवैधानिक कर्तव्यों को निभाने का आग्रह करते हुए कहा कि ये मजबूत लोकतंत्र की नींव हैं। संविधान दिवस पर नागरिकों को संबोधित पत्र में प्रधानमंत्री ने मताधिकार का प्रयोग करके लोकतंत्र को मजबूत करने की जिम्मेदारी पर भी जोर दिया और सुझाव दिया कि स्कूल-कॉलेज 18 वर्ष की आयु पूरी करके पहली बार मतदाता बनने वालों का सम्मान करते हुए संविधान दिवस मनाएं। प्रधानमंत्री ने महात्मा गांधी के इस विचार को याद किया कि अधिकार कर्तव्यों के निर्वहन से ही प्राप्त होते हैं।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि कर्तव्यों का निर्वहन सामाजिक और आर्थिक प्रगति का आधार है। उन्होंने संविधान का मसौदा तैयार करने में राजेंद्र प्रसाद, बीआर आंबेडकर और अन्य लोगों के योगदान को याद करने के साथ स्वतंत्रता संग्राम में वल्लभभाई पटेल, बिरसा मुंडा और महात्मा गांधी के नेतृत्व को श्रद्धांजलि दी। मोदी ने कहा, ये सभी व्यक्तित्व और उपलब्धियां हमें अपने कर्तव्यों की प्रधानता की याद दिलाती हैं, जिस पर संविधान के अनुच्छेद 51ए में मौलिक कर्तव्यों पर एक विशिष्ट अध्याय के माध्यम से भी बल दिया गया है। ये कर्तव्य हमें सामूहिक रूप से सामाजिक और आर्थिक प्रगति का मार्गदर्शन देते हैं।

हमारे देश ने हमें बहुत कुछ दिया है और इससे हमारे भीतर कृतज्ञता की एक गहरी भावना जागृत होती है, और जब हम इस भावना के साथ जीते हैं, तो अपने कर्तव्यों को पूरा करना हमारे स्वभाव का अभिन्न अंग बन जाता है। अपने कर्तव्यों का पालन करने के लिए प्रत्येक कार्य में अपनी पूरी क्षमता और समर्पण लगाना अनिवार्य हो जाता है।
- प्रधानमंत्री मोदी

उन्होंने याद दिलाया कि महात्मा गांधी हमेशा एक नागरिक के कर्तव्यों पर जोर देते थे। मोदी ने कहा, उनका मानना था कि कर्तव्य का अच्छी तरह से पालन करने से एक समान अधिकार का सृजन होता है और वास्तविक अधिकार कर्तव्य पालन का परिणाम होते हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि नीतियां और आज लिए गए निर्णय आने वाली पीढ़ियों के जीवन को आकार देंगे। प्रधानमंत्री ने नागरिकों से आग्रह किया कि 'विकसित भारत' के लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए वे अपने कर्तव्यों को सर्वोपरि रखें।

संविधान भारत के गौरव का आधार: मुर्मू

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि संविधान देश की पहचान का आधार है और साथ ही औपनिवेशिक मानसिकता को त्यागने तथा राष्ट्रवादी सोच को अपनाने के लिए मार्गदर्शक दस्तावेज भी है। उन्होंने 'संविधान सदन' (पुराना संसद भवन) के केंद्रीय कक्ष में आयोजित संविधान दिवस समारोह को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि भारत दुनिया के लिए विकास का एक नया मॉडल पेश कर रहा है और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

कर्तव्य के बिना अधिकार सुरक्षित नहीं: मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संविधान दिवस पर लोकभवन में बुधवार को संविधान की उद्देशिका का सशपथ पाठन कराया। इस दौरान योगी ने कहा कि स्वतंत्रता की वास्तविक कीमत विस्मृत की जा रही है, क्योंकि हमने स्वाधीनता की लड़ाई को आंखों से नहीं देखा। हमने क्रूर यातनाओं को नहीं सहा। परिणामस्वरूप हर व्यक्ति केवल अधिकार की बात करता है।योगी के अनुसार, अधिकार तब सुरक्षित होते हैं, जब व्यक्ति कर्तव्यों के निर्वहन की आदत डाले। कर्तव्य के बिना अधिकार नहीं हो सकता।

खीरी के सोती साइफन में गिरी कार, बहराइच के पांच लोगों की मौत

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: लखीमपुर खीरी जिले में मंगलवार देर रात भीषण हादसा हो गया। पढुआ थाना क्षेत्र में पारस पुरवा गांव के पास शारदा नहर के किनारे मोड़ पर अनियंत्रित हुई कार रेलिंग तोड़ते हुए सोती नदी के साइफन में जा गिरी। इस हादसे में कार में सवार पांचों लोगों की मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल हुए चालक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, उसकी हालत भी नाजुक बताई जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे का संज्ञान लेते हुए मृतकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है।

हादसा मंगलवार की रात करीब 12 बजे हुआ। पुलिस के मुताबिक घटना में जान गंवाने वाले लोग बहराइच जिले के थाना सुजौली क्षेत्र में स्थित गिरिजापुरी बैराज के कर्मचारी सर्वेश की भतीजी की शादी में शामिल होने लखीमपुर आए थे। शादी में शामिल होकर कार से बहराइच लौट रहे थे। ढखेरवा-गिरजापुरी बैराज मार्ग पर शारदा नहर पर बने सुतिया साइफन के पास मोड़ पर कार अचानक बेकाबू होकर साइफन की रेलिंग तोड़ते हुए करीब 30 फुट नीचे पानी में जा गिरी।

सायफन के पानी में पड़ी कार।

- ढखेरवा-गिरजापुरी हाईवे पर मंगलवार रात हुआ भीषण हादसा
- शादी में शामिल होकर लौट रहे थे पांचों, चालक की भी हालत गंभीर

सूचना पर तमाम ग्रामीण और पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से कार के गेट तोड़कर सभी को रस्से के सहारे बाहर निकाला और सीएचसी रमियाबेहड़ भेजा, जहां डॉक्टरों ने जितेंद्र (23), घनश्याम (25), लालजी मल्लाह (45), अजीमुल्ला (45), सुरेंद्र (56) को मृत घोषित कर दिया। ये सभी बहराइच के सुजौली के निवासी थे। कार चालक सूरज उर्फ बब्बू (28) की हालत गंभीर है।

बड़ी आतंकी साजिश नाकाम, मोहाली में लॉरेंस विश्नोई गैंग के चार गुर्गे गिरफ्तार

मोहाली, एजेंसी

- अंबाला हाईवे पर हुई मुठभेड़ में दो को लगी गोली, सात पिस्टल व 70 कारतूस बरामद

पंजाब एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने एसएएस नगर (मोहाली) पुलिस के साथ एक संयुक्त अभियान में डेरा बस्सी-अंबाला राजमार्ग पर स्टील स्ट्रिप्स टावर्स के पास बुधवार दोपहर गोलीबारी के बाद लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के विदेशी गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों के चार गुर्गों की गिरफ्तारी के साथ एक बड़ी आतंकवादी साजिश को नाकाम कर दिया है। मुठभेड़ में इनमें से दो को गोली भी लगी है। इनसे .32 कैलिबर की सात पिस्टल और 70 कारतूस बरामद किए गए हैं।

पंजाब के डीजीबी गौरव यादव के मुताबिक गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान राजपुरा, पटियाला के ढकनसू कलां निवासी हरविंदर सिंह उर्फ भोला उर्फ हनी और लखविंदर सिंह तथा राजपुरा, पटियाला निवासी मोहम्मद समीर और रोहित शर्मा के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि ये लोग अपने विदेशी आकाओं के निर्देश पर काम कर रहे थे और ट्राइसिटी एवं पटियाला क्षेत्र में लक्षित हमलों की योजना बना रहे थे। उन्होंने कहा कि इस मामले में आगे और पीछे के संबंधों का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है। आतंकवादियों की सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई कर घेराबंदी की थी।

दो करोड़ से ज्यादा आधार नंबरों को निष्क्रिय किया गया

नई दिल्ली। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने आधार के डेटाबेस को निरंतर सटीक बनाए रखने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत मृत व्यक्तियों के दो करोड़ से अधिक आधार नंबरों को निष्क्रिय कर दिया है।

आधिकारिक सूचना के अनुसार यूआईडीएआई ने भारत के महापंजीयक (आरजीआई), राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम आदि से मृतक व्यक्तियों का डेटा प्राप्त करने के बाद यह कार्रवाई की है। यूआईडीएआई मृतक व्यक्तियों का डेटा प्राप्त करने के लिए वित्तीय संस्थानों और अन्य संस्थाओं के साथ सहयोग करने पर भी विचार कर रहा है। नियमों के अनुसार किसी भी व्यक्ति को आधार संख्या कभी दोबारा आवंटित नहीं की जाती है।

दिल्ली में मामूली सुधार होते ही हटा ग्रैप- 3 दफ्तरों में 50% स्टाफ की बाध्यता खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी

वायु गुणवत्ता में मामूली सुधार होते ही वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने बुधवार को दिल्ली-एनसीआर में लागू किए गए चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्ययोजना (ग्रैप)-3 के तहत लागू सभी प्रतिबंध हटा दिए। इसी के साथ दिल्ली में दो दिन पहले लागू की गई सरकारी और निजी कार्यालयों में 50 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ काम करने समेत सभी पाबंदियां भी खत्म हो गई हैं।

- राष्ट्रीय राजधानी की वायु गुणवत्ता की हालत अब भी बेहद खराब

दिल्ली का 24 घंटे का औसत एक्यूआई बुधवार को 327 रहा और भारत मौसम विभाग तथा भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान के पूर्वानुमान के अनुसार हवा की गुणवत्ता अब भी 'बहुत खराब' श्रेणी में बनी रहने की आशंका है। इसके बावजूद सीएक्यूएम ने कहा कि 21 नवंबर को अधिसूचित संशोधित ग्रैप के चरण-1 और चरण-2 के तहत लागू प्रतिबंध एनसीआर में जारी रहेंगे और उनका कड़ाई से पालन कराया जाएगा ताकि प्रदूषण का स्तर दोबारा न बढ़ सके। सीएक्यूएम के आदेश में कहा गया है कि ग्रैप पर उप-समिति ने वायु गुणवत्ता की स्थिति की समीक्षा की और इसमें सुधार देखा। इसके बाद 11 नवंबर के आदेश वापस लिए गए, जिसके तहत चरण-3 के प्रतिबंध लागू किए गए थे। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि ग्रैप-3 की पाबंदियां हटा दी गई हैं और ग्रैप-2 लागू किया गया है।

दिल्ली विस्फोट : उमर को पनाह देने वाला फरीदाबाद का शख्स गिरफ्तार

बड़ी कामयाबी

- विस्फोट से पहले उमर को जरूरी साजोसामान भी कराया था मुहैया

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने लाल किले के पास विस्फोटक से भरी कार चलाने वाले डॉ. उमर उन नबी को पनाह देने के मामले में फरीदाबाद के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एजेंसी के मुताबिक शोएब नाम के इस शख्स ने विस्फोट करने से डॉ. उमर को साजोसामान भी मुहैया कराया था। साथ ही सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल का हिस्सा था।

आत्मघाती हमवलावर के तौर पर पहचाना गया डॉ. उमर उस कार को चला रहा है जिसमें गत 10 नवंबर को दिल्ली में लाल किले के बाहर विस्फोट हुआ था और इस विस्फोट में 15 लोगों की जान चली गई थी। एनआईए के आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि एजेंसी ने हरियाणा के फरीदाबाद के धौज निवासी शोएब को दिल्ली आतंकी बम विस्फोट से पहले आतंकवादी उमर उन नबी" को साजो-सामान मुहैया कराने के आरोप में गिरफ्तार किया है। शोएब एनआईए के हाथों गिरफ्तार किया गया इस मामले में सातवां आरोपी है, जो जम्मू-कश्मीर पुलिस की ओर से उजागर किए गए एक 'सफेदपोश' आतंकी मॉड्यूल का हिस्सा है।

आत्मनिर्भर भारत

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया भूरणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण निर्णय

दुर्लभ चुंबक विनिर्माण के लिए 7280 करोड़ की योजना

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने बुधवार को दुर्लभ खनिज स्थाई चुंबकों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए 7,280 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी। इस कदम से देश को चीन पर निर्भरता को कम करने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक में 'ठोस दुर्लभ खनिज स्थाई चुंबकों के विनिर्माण की प्रोत्साहन योजना' को स्वीकृति प्रदान की गई। यह खनिज इलेक्ट्रिक वाहन,

नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स, वैमानिकी और रक्षा जैसे कई क्षेत्रों के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं।

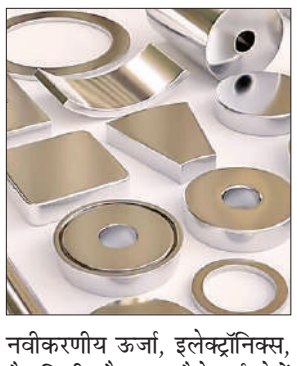

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां संवाददाताओं से कहा, यह योजना दुर्लभ खनिज स्थाई चुंबक के विनिर्माण को बढ़ावा देगी। इसका उद्देश्य 6,000 टन प्रति सालाना क्षमता सृजित करना है। यह योजना एकीकृत विनिर्माण सुविधाओं के निर्माण में सहायता करेगी। इसमें दुर्लभ खनिज ऑक्साइड को धातुओं में, धातुओं को मिश्र धातुओं में और मिश्र धातुओं को तैयार चुंबकों में परिवर्तित करना शामिल है।

पुणे मेट्रो के विस्तार के लिए 9,858 करोड़ रुपये

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सरकार ने 9,858 करोड़ रुपये की लागत से पुणे मेट्रो रेल नेटवर्क के विस्तार को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में पुणे मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरण के तहत लाइन 4 (खराडी-हडपसर-स्वारगेट-खड़कवासला) और लाइन 4ए (नल स्टॉप-वारजे-माणिक बाग) को मंजूरी दी गई। मंत्री ने बताया कि लाइन 2ए (वनाज-चांदनी चौक) और लाइन 2बी (रामवाड़ी-वाघोली/विट्ठलवाड़ी) को मंजूरी मिलने के बाद, दूसरे चरण के तहत स्वीकृत यह दूसरी बड़ी परियोजना है। सरकार ने कहा कि इस नवीनतम मंजूरी के साथ, पुणे मेट्रो का नेटवर्क 100 किलोमीटर से आगे बढ़ जाएगा। कुल 28 'एलिवेटेड' स्टेशनों के साथ 31.636 किलोमीटर लंबी, लाइन 4 और 4ए पूर्व, दक्षिण और पश्चिम पुणे में आईटी केंद्रों, वाणिज्यिक क्षेत्रों, शैक्षणिक संस्थानों और आवासीय समूहों को जोड़ेगी।

श्री योगी आदित्यनाथ
माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार
श्री राकेश सचान
कैबिनेट मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार
स्मार्ट उद्यम के लिए, हर सुविधा से लैस
फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्प्लेक्स- दादा नगर, कानपुर
Now for all white-category industries
(समस्त प्रदूषण रहित उद्योगों के लिए)
सुविधा केंद्र
प्रदर्शनी क्षेत्र
वाणिज्य केंद्र
सुरक्षित परिसर
प्रशासनिक कार्यालय
सम्मेलन कक्ष
अग्निशमन सुविधाएँ
पार्किंग
• यूनिट साइज 600 वर्गफुट से प्रारंभ
• ₹3000/वर्गफुट की दर से प्रारंभ
• बेसमेंट/स्टिल्ट पार्किंग (अतिरिक्त दरों पर उपलब्ध)
• पहले आओ, पहले पाओ की सुविधा
• प्लग एंड प्ले आधार पर उद्योग की स्थापना
• लीडिंग बैंकों से अनुमोदित (Approved)
• पर्यावरण सहित सभी आवश्यक NOC प्राप्त
• एकमुश्त भुगतान पर 5% की छूट
• प्रदेश की प्रथम फ्लैटेड फैक्ट्री (शीघ्र पजेशन)
• कुछ यूनिट शेष
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम लिमिटेड
(उत्तर प्रदेश सरकार का उपक्रम)
110, इंडस्ट्रियल एस्टेट, फजलगंज, कानपुर - 208012
HQUPSIC@upsic.in | +91-8009001688
वेबसाइट: www.msme@connect.up.gov.in | फॉलो करें: @uprampofficial | UP RAMP | uprampofficial | @UPRAMP | UP RAMP
Extra GST as per govt norms*
Scan here for Google Location
Scan here to Connect

आज का मौसम

गुरुवार को आसमान साफ रहने की संभावना है तथा धूप खिलने से दिन का तापमान राहत भरा रहेगा।

अधिकतम तापमान	न्यूनतम तापमान
25.0⁰	09.0⁰

सूर्योदय	सूर्यास्त
06:39	05:18

न्यूज ब्रीफ

ट्रैक्टर की टक्कर से वृद्ध घायल, रिपोर्ट दर्ज

सौरिख। अनियंत्रित गति से आ रहे ट्रैक्टर की टक्कर से वृद्ध घायल हो गया। घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भर्ती कराया गया जहां से सौ शैया अस्पताल छिबरामऊ रेफर किया गया। थाना क्षेत्र के गांव नगरिया कुसका निवासी राजकुमार पुत्र स्व. सुखवासी लाल 23 नवंबर की सुबह समय करीब 6:30 बजे नादेमऊ चौराहे सौरिख में गांव जाने के लिए वाहन के इंतजार में खड़े थे। तभी बिधूना की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने वृद्ध को टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे छिबरामऊ सौ शैया अस्पताल रेफर कर दिया गया। घायल के पुत्र की तहरीर पर फर्रुखाबाद जनपद के थाना कायमगंज के मुबारक नगर निवासी ट्रैक्टर चालक रोशन पुत्र जगदीश के विरुद्ध पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

आरती जायसवाल को मिला अतिरिक्त प्रभार

कन्नौज। जिला युवा कल्याण अधिकारी एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी संतोष कुमार 31 अक्टूबर को सेवानिवृत्त हो गए थे, उसके बाद से पद रिक्त चल रहा था। उनके पास फर्रुखाबाद जिले का भी प्रभार था। अब कानपुर की जिला युवा कल्याण अधिकारी एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी आरती जायसवाल को कन्नौज का अतिरिक्त चार्ज दिया गया है।

अश्लील हरकत करने वाले को दबोचा

छिबरामऊ। सिकंदरपुर चौकी क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले पीड़ित पिता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी पुत्री कक्षा 6 की छात्रा है। जब वह स्कूल आती जाती है तो गांव का ही एक अधेड़ व्यक्ति अश्लील हरकतें करता है। पुलिस ने आरोपी को मौके से दबोच लिया है।

मोबाइल छीन कर फरार हुए युवक

छिबरामऊ। सौरिख तिराहे पर खड़े बाइक सवार से दो अज्ञात व्यक्ति मोबाइल छीनकर फरार हो गए। ग्राम सकरावा निवासी अनिल कुमार गुप्ता के पुत्र प्रियांशु गुप्ता ने बताया कि मंगलवार की शाम वह छिबरामऊ बाजार करने आया था। लौटते समय रात लगभग 10 बजे वह सौरिख तिराहे पर फोन से बात कर रहा था। तभी दो अज्ञात व्यक्ति आए और मोबाइल छीन लिया। जब तक वह बाइक से उतरता तब तक उक्त व्यक्ति मौके से भाग गए।

घर में लगी आग से गृहस्थी राख

तिर्वा। सरसौलपुर्वा गांव में एक घर में आग लग गई। सरसौलपुर्वा गांव निवासी नगीना पत्नी विनोद परिवार के साथ घर के बाहर फूस बंगला बनाकर रहती है। बुधवार दोपहर वह घर में नहीं थी तभी किसी तरह से घर में लग गई। ऊंची ऊंची लपटें उठती देख लोगों में हड़कंप मच गया। दमकल की टीम ने पहुंचकर आग पर मशक्कत के बाद काबू पाया लेकिन गृहस्थी राख हो गई। तहसीलदार अवनीश कुमार ने जांच के लिए लेखपाल को मौके पर भेजने की बात कही।

बच्चों को सम्मानित करते शिक्षक। अमृत विचार

छिबरामऊ में मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर बढ़ाया हौसला

छिबरामऊ। एम. चिश्ती पब्लिक एकेडमी, छिबरामऊ में सत्रीय परीक्षा के परिणाम घोषित होने के बाद मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों को पुरस्कार केवल अच्छे अंकों के आधार पर नहीं, बल्कि नियमित उपस्थिति, ड्रेस, संस्कार एवं अनुशासन जैसे मानकों पर भी दिए गए। स्कूल प्रबंधक मोहम्मद जाहिद चिश्ती ने कहा कि शिक्षा ही मानव जीवन का उद्धार करती है। इस दौरान मरियम, अनवरी, सईद, उमरा, रुखसार, सिफा, सलमा, नेहा, अलीम, कशिश, सानिया, रूबीना, दिलशाना सहित बड़ी संख्या में अभिभावक एवं लोग उपस्थित रहे।

मानवता से दूर हुए कुछ अफसर, कर्मियों में है नाराजगी

अजय मिश्र, कन्नौज

- एक बीएलओ के परिजन की मौत, दूसरे का टूटा हाथ लेकिन अधिकारी बना रहे दबाव
- अन्य जनपदों में कई बीएलओ की हो चुकी हैं मौत, एसआईआर को लेकर टेंशन में हैं कर्मचारी

अमृत विचार। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर जिले के कुछ अफसर मानवता से दूर हो गए हैं। उनके पास न तो कर्मियों की वास्तविक बड़ी समस्याओं को लेकर सहानुभूति है और न ही रहम। खुद के नंबर बढ़ाने व वाहवाही लूटने के लिए उन पर खूब दबाव बनाया जा रहा है। कुछ जनपदों में बीएलओ की मौत तक हो चुकी है। गनीमत है कि अब तक यहां ऐसा कुछ नहीं हुआ है।

निर्वाचन आयोग की ओर से चल रहे एसआईआर को लेकर अधिकारी व कर्मचारी टेंशन में हैं। बिना बेहतर प्रशिक्षण के ज्यादातर कर्मी मैदान में उतरे हैं। इस वजह से गणना प्रपत्रों में या तो अधूरी जानकारी भरी जा रही है या गलत किए जा रहे हैं। आयोग ने 04 दिसंबर तक कार्य समाप्त करने की समय सारिणी जारी की है तो विपक्षीदल समय बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। अधिकारी व कर्मियों पर जब समय के अंदर काम करने का दबाव बना है तो डांट, फटकार के अलावा अपशब्दों का भी दौर चल रहा है।

धड़ाधड़ नोटिस भी जारी किए जा रहे हैं। कुछ कर्मी बताते हैं कि इन दिनों शादी-ब्याह का भी मुहुर्त चल रहा है। अन्य आयोजन भी हो रहे हैं। समाज से जुड़े रहने के लिए इनमें शामिल होना भी जरूरी है। इसलिए छूट भी देनी चाहिए। एक व्यक्ति ने बताया कि एक अधिकारी के व्यवहार से लोगों में अधिक नाराजगी है। प्रशिक्षण के दौर से गुजर रहीं उन अधिकारी के अंदर मानवता नाम की चीज नहीं है। अधीनस्थ की जरा सी चूक में वह कार्रवाई करने व कराने के पीछे पड़ जातीं हैं।

महिलाकर्मी कर रहीं 12 घंटे तक ड्यूटी

- बताया गया है कि जिला निर्वाचन अधिकारी ने हर ब्लॉक मुख्यालय पर खोले गए सेंटर में सुबह 08 से रात 08 बजे तक मौजूद रहने का निर्देश दिया है। प्रत्येक जगह महिलाकर्मी व उपलब्ध होने पर महिला अधिकारी भी तैनात की गईं हैं। भरोसेमंद लोगों ने बताया कि रात 08 बजे की बजाय 09 या उसके बाद ही महिलाकर्मी घर के लिए रवाना होती हैं। दूर गांव व कस्बों में रहने वाली महिला कर्मी किस तरह से घर पहुंच पाती होती होंगी यह उनसे बेहतर कोई नहीं समझ सकता। सर्दी भी शुरू हो चुकी है। यह अलग बात है कुछ विभागों ने अपने खर्चे पर उनको सुरक्षित भेजने की जिम्मेदारी ले रखी है।

केस नंबर एक

- सदर विधानसभा क्षेत्र की एक बीएलओ के परिजन का दूसरे जिले में निधन हो गया। एसआईआर के काम के लिए फोन गया तो उसने समस्या बता दी। जब महिलाकर्मी शव के पास बैठी थी, तब भी प्रपत्र लेने के लिए फोन कराया गया। उसने बताया कि वह शव के पास है वापस लौटकर कार्य कर लेगी। सहानुभूति से दूर उन अधिकारी ने इसकी भी शिकायत कर दी।

केस नंबर दो

- कन्नौज विधानसभा क्षेत्र की एक महिला बीएलओ का दाहिना हाथ फ्रैक्चर हो गया है मतलब अभी वह लिखापढ़ी नहीं कर सकती है। इसके बाद भी उसकी ड्यूटी बीएलओ में लग गई। बताया गया है कि एसआईआर का हवाला देते हुए उसे कार्य बेहतर करने के लिए कई बार निर्देश दिए हैं। समस्या के समय ऐसे व्यवहार से कर्मी परेशान हैं।

कलेक्ट्रेट में संविधान दिवस पर शपथ लेते अधिकारी व कर्मचारी। अमृत विचार

कारागार में संविधान की शपथ लेते बंदी व कर्मी। अमृत विचार

जिले भर में मनाया गया संविधान दिवस

कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी तथा पुलिस कार्यालय में अपर पुलिस अधीक्षक ने दिलाई शपथ

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। जिले भर में संविधान दिवस मनाया गया। इस मौके पर डॉ. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। इसके साथ ही कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री, पुलिस कार्यालय में पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने अधीनस्थों को मौलिक कर्तव्यों के संबंध में शपथ दिलाई गई, जिसमें उन्होंने संविधान के सम्मान, अधिकारों की रक्षा एवं समाज में संविधान के सिद्धांतों का पालन करने का संकल्प लिया।

बुधवार को जिले के सरकारी कार्यालयों तथा शिक्षण संस्थानों में संविधान दिवस मनाया गया। इस क्रम में जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को संविधान की प्रस्तावना का वाचन कर शपथ दिलायी। उन्होंने कहा कि संविधान के उद्देशिका में निहित मूल्यों की स्थापना करना सभी का प्राथमिक उद्देश्य होना चाहिये। सभी को प्रस्तावना में निहित मूल्यों के अनुसार आचरण का अनुपालन करने का सुझाव दिया। इस अवसर पर कई अधिकारी मोजूद रहे।

सेफ वाटर का संकल्प लेते छात्र, छात्राएं। अमृत विचार

कारागार में बंदियों को दी गई संविधान की जानकारी

- **जलालाबाद (कन्नौज)।** संविधान दिवस के अवसर पर जिला कारागार में जेल अधीक्षक भीमसैन मुकुन्द के नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बुधवार को जेल अधीक्षक भीमसैन मुकुन्द ने अधिकारियों, कर्मचारियों व बंदियों को भारत के संविधान की प्रस्तावना का वाचन कराया और संविधान की शपथ ग्रहण दिलाई। निरुद्ध बंदियों की हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान थीम पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। इसमें 02 महिला तथा 22 पुरुष बंदियों ने प्रतिभाग किया। विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया गया।

सेफ वाटर, हेल्दी लाइफ का छात्र-छात्राओं ने लिया संकल्प

- **जलालाबाद (कन्नौज)।** संविधान दिवस व विश्व जल दिवस पर बुधवार को पीएम श्री यूपीएस कंपोजिट विद्यालय गुगरापुर में कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सभी छात्र-छात्राओं ने देश के प्रति कर्तव्य निष्ठ, जिम्मेदार, नागरिक बनने का संकल्प लिया और संविधान की प्रस्तावना पर आधारित शपथ भी दिलाई गई। इसके उपरांत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने निबंध लेखन, पोस्टर निर्माण, जागरूकता रैली, व समूह चर्चा की गई। छात्र-छात्राओं ने सेफ वाटर-हेल्दी लाइफ का संदेश समुदाय तक पहुंचाने का भी संकल्प लिया। प्रधानाचार्य राकेंद्र सक्सेना ने छात्र-छात्राओं को संबोधित किया।

छिबरामऊ में भी मना संविधान दिवस

- **छिबरामऊ।** तहसील स्थित पुलिस क्षेत्राधिकारी कार्यालय में सीओ सुरेश कुमार ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठन कराया। इसके उपरांत संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। सीओ महोदय ने उपस्थित सभी पुलिसकर्मियों को मौलिक कर्तव्यों की शपथ दिलाई। विशुनगढ़ थाना परिसर में थाना प्रभारी भागमल के नेतृत्व में विशेष शपथ ग्रहण कार्यक्रम संपन्न हुआ।

शिक्षकों ने सीखीं क्षमता संवर्धन की बारीकियां

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- दो दिवसीय प्रशिक्षण के अंतिम दिन डीआईओएस ने प्रमाण पत्र दिए
- जिलेभर से 39 प्रधानाचार्य, प्रधानाध्यापक व नोडल शिक्षक शामिल हुए

अमृत विचार। शहर के शिवाजीनगर स्थित माया देवी इंटर कॉलेज परिसर में राजकीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापक व नोडल शिक्षकों को कॅरियर गाइडेंस तहत दो दिवसीय क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण दिया गया। अंतिम दिन डीआईओएस ने कहा कि कॅरियर मार्गदर्शन का अर्थ किसी व्यक्ति को उसकी रुचियों, कौशलों एवं क्षमताओं के अनुसार उपयुक्त कॅरियर विकल्प का चयन कर उसके लक्ष्यों तक पहुंचने में सहयोग करना है।

बुधवार को जिला विद्यालय निरीक्षक पप्पू सरोज ने प्रशिक्षण लेने वाले शिक्षकों व प्रधानाध्यापकों को प्रमाण पत्र भी दिए। जिलेभर के सभी 19 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्य/ प्रधानाध्यापक एवं नोडल शिक्षकों कुल 39 लोगों को जनपद स्तरीय प्रशिक्षण मिला। कॅरियर गाइडेंस प्रोग्राम फॉर गर्ल्स का 02 दिवसीय प्रशिक्षण लेने वालों में प्रधानाध्यापक शिवमोहन कुशवाहा, प्रभारी प्रधानाचार्य जितेंद्र यादव, पूर्णिमा वर्मा आदि शामिल रहे। डीआईओएस ने कहा कि प्रशिक्षण का उदेश्य विद्यालयों में अच्छी शिक्षा एवं बच्चों के कॅरियर के सम्बन्ध में बारीकियां बताई गईं हैं इनका सदुपयोग विद्यार्थियों पर किया जाए। जनपद स्तर पर 02 प्रशिक्षकों अशफाक अहमद खान (प्रधानाध्यापक) राजकीय हाईस्कूल मित्रसेनपुर एवं रागिनी मिश्रा (सहायक अध्यापक) राजकीय हाईस्कूल मुरैया बुजुर्ग ने ट्रेनिंग दी। इस मौके पर नीतू गुप्ता, अजय यादव व अभिषेक मिश्र मौजूद रहे।

राजकीय अभिनव विद्यालय गंगधरापुर के प्रभारी प्रधानाचार्य जितेंद्र यादव को प्रमाण पत्र देते डीआईओएस पप्पू सरोज। अमृत विचार

शिकायत भुला दंपति साथ रहने को राजी

संवाददाता तिर्वा

अमृत विचार। परिवार परामर्श केंद्र में सी ओ कुलवीर सिंह भदौरिया की अध्यक्षता में काउंसलिंग कर दंपति में समझौता करा दिया गया।

सुभाष नगर निवासी सोनू व उसकी पत्नी के बीच किसी बात को लेकर मनमुटाव हो गया था। पत्नी ने मिशन शक्ति के केंद्र पर जाकर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत को परिवार परामर्श केंद्र की रिफर किया गया। यहां बुधवार को सीओ ने दंपति को बुलाकर उनसे बातचीत की और आपसी शिकायतों को दूर कराया।

इसके बाद दंपति साथ रने को राजी हो गए। काउंसलिंग के दौरान प्रभारी इंस्पेक्टर रणजीत सिंह, आरक्षी ब्रजेश कुमार, महिला आरक्षी राधा, काउंसलर सेवा निवृत शिक्षक रघुवीर सिंह आदि मौजूद रहे।

बाबू को जिले से हटाने की मांग

कन्नौज। उत्तर प्रदेश ग्राम पंचायत राज सफाई कर्मचारी संघ ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन कलेक्ट्रेट परिसर में अतिरिक्त मजिस्ट्रेट अविनाश गौतम को दिया। इसमें कहा कि जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय में तैनात कनिष्ठ लिपिक को गैरजनपद स्थानांतरित किया जाए। लंबित समस्याओं को लेकर कई बार ज्ञापन दिया गया लेकिन उसका समाधान नहीं हो रहा है। इस मौकेपर कई लोग मौजूद रहे।

बोर्ड परीक्षा केंद्रों की 30 से पहले जारी होगी अनंतिम सूची

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- हाईस्कूल के 25,058 और इंटरमीडिएट के 22,447 परीक्षार्थी शामिल होंगे

अमृत विचार। माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज (यूपी) बोर्ड की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षाएं 18 फरवरी 2026 से शुरू होंगी। इसके लिए परीक्षा केंद्रों के निर्धारण की प्रक्रिया चल रही है। अब 30 से पहले अनंतिम सूची जारी होगी।

डीआईओएस पप्पू सरोज ने बताया कि 364 स्कूलों की ओर से विद्यालय में सुविधाओं आदि का ब्योरा पोर्टल पर फीड कर दिया है। उसके बाद जिले की तीनों तहसीलों के एसडीएम की अध्यक्षता में गठित कमेटी ने इसका सत्यापन किया। कार्यालय की ओर से बताया गया है कि 24 नवंबर को ही सत्यापन रिपोर्ट को फीड कर कार्य समाप्त कर दिया गया था। अब माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज में इस पर मंथन चल रहा है। 27 नवंबर को केंद्रों का निर्धारण करने की बात कही गई है। हालांकि सारी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दिसंबर में बोर्ड की ओर से परीक्षा केंद्रों की अंतिम सूची जारी कर दी जाएगी।

श्रीजिता ने ब्रेनोब्रेन में हासिल की 31वीं रैंक

छिबरामऊ। श्री आरएस लाल देवकी किड्जी ग्लोबल स्कूल की मेधावी छात्रा श्रीजिता सिंह ने ब्रेनोब्रेन नेशनल लेवल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए 31वीं राष्ट्रीय रैंक प्राप्त की है। राजकीय हाई स्कूल भोजपुर निगोह में कार्यरत शिक्षिका अनुपम भदौरिया की पुत्री श्रीजिता को ट्रॉफी एवं एक हजार रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। कोऑर्डिनेटर शुभम ने कहा श्रीजिता जैसी प्रतिभाएं हमें भविष्य की उम्मीद जगाती हैं।

आयोजन एक दिवसीय युवा उत्सव के तहत सांस्कृतिक कार्यक्रम व विज्ञान मेला कार्यक्रम

लोक नृत्य में जवाहर नवोदय विद्यालय विजेता

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- कविता लेखन में वैभवी शुक्ला, कहानी में सुहाना कुशवाहा व प्रदर्शनी में अंशिका की टीम प्रथम

अमृत विचार। युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग के तत्वावधान में जनपद स्तरीय एकदिवसीय युवा उत्सव के तहत सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं विज्ञान मेला का आयोजन कन्हैया लाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, कन्नौज में किया गया। लोक नृत्य (समूह) में जवाहर नवोदय विद्यालय अनौगी की बालिका कनकना, सिया, अभिनलता, रुनझुन, नंदिनी, प्राप्ति व दीक्षा प्रथम रहीं।

मुख्य अतिथि खंड विकास अधिकारी सदर दिनेश चंद्र ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कविता लेखन में प्रथम वैभवी शुक्ला, द्वितीय ओमजी शंखवार व तृतीय गौरी रहीं। कहानी लेखन में सुहाना कुशवाहा प्रथम, खुशी द्वितीय व दुर्गा तृतीय स्थान पर आईं। विज्ञान मेला प्रदर्शनी में अंशिका की टीम प्रथम व आदर्श कनौजिया की टीम द्वितीय रही। भाषण में कृतिका पहले स्थान पर रहीं। शहर के गोमती देवी गर्ल्स इंटर कॉलेज मकरंदनगर की बालिकाएं मोनिका, मौसम, नंदिनी, खुशी कनौजिया, अंजलि व सानू द्वितीय रहीं। कन्हैया लाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज की बालिकाएं लोकगीत में प्रथम आईं। द्वितीय गोमती देवी बालिका इंटर कॉलेज की बालिकाएं रहीं। चित्रकला में प्रथम प्रबल ठाकुर, द्वितीय मुस्कान व तृतीय अर्थ कटियार रहे। कार्यक्रम का नेतृत्व क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी उमर्दा अंशिता श्रीवास्तव व संचालन वैभव तिवारी ने किया। कार्यक्रम का समापन प्रधानाचार्य जितेंद्र पांडे ने प्रमाण पत्र व मेडल बांटकर किया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी आकाश सिंह व सौरभ यादव उपस्थित रहे।

लोक नृत्य (समूह) पेश करतीं जवाहर नवोदय विद्यालय अनौगी की छात्राएं।

गोआश्रय स्थल में मिलीं कमियां

कन्नौज। सीडीओ राम कृपाल चौधरी ने तालग्राम ब्लॉक क्षेत्र के खाड़ेदेवर की गो आश्रय स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान गोआश्रय स्थल में 20 गोवंश मिले।

एक गोवंश बीमार है। सचिव एवं पशु डॉक्टर को तत्काल इलाज देने के निर्देश दिए। उन्होंने चारे की समीक्षा भी की। पता लगा कि पर्याप्त मात्रा में पशुओं को हरा चारा व दाना नहीं दिया जा रहा है। गोशाला जाने वाला संपर्क मार्ग खराब मिला। सचिव को मनरेगा के तहत कच्चे संपर्क मार्ग को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। प्रधान ने बताया कि रोड से गोशाला के बीच जो जमीन है वह सेना सेक्टर की है। सफाई की स्थिति खराब मिली। गोवंशों के पीने वाली हौद में गंदगी मिलने पर सीडीओ ने सुधार के निर्देश दिए।

टूटा धनुष पड़ी वरमाला, पुष्पवर्षा के साथ आतिशबाजी व पूजे गए पैर

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। विकास खंड सौरिख इलाके के गांव सरायप्रताप स्थित प्राथमिक स्कूल में मार्गशीर्ष (अगहन) मास की पंचमी तिथि पर सीताराम विवाह महोत्सव हुआ। इस दौरान पुष्पवर्षा, पैर पूजन, धनुषभंग, वरमाला, भजन, संगीत के साथ आतिशबाजी भी हुई।

प्रधानाध्यापक आशीष मिश्र व उनकी टीम की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को कला, संस्कृति, अध्यात्म का संगम तथा प्रतिभा को पोषित करना रहा। लोगों को श्रीराम- सीता के विवाह का वर्णन रामायण में अत्यंत दिव्य और मंगलकारी बताया गया। विद्यालय के बच्चों गोविंद, मयंक, सुनैना, पीयूष, विनय, सुहाना और जेसिका ने गणेश वंदना, सरस्वती वंदना एवं हनुमान चालीसा का सस्वर वाचन कर महोत्सव का शुभारंभ हुआ। कालिका माता सुंदरकांड सेवा समिति ऊसराहार इटावा ने भजन-कीर्तन किया। लोगों ने कलाकारों व श्रीसीताराम बने बच्चों पर पुष्प अर्पित किए।

श्रीसीताराम विवाह कार्यक्रम में जयमाल के दौरान राम बनीं वर्तिका मिश्रा व सीता बनी प्रत्यूषा मिश्रा। अमृत विचार

अमृत विचार
कानपुर, गुरुवार, 27 नवंबर 2025
कन्नौज-फर्रूखाबाद

न्यूज ब्रीफ

डांट से क्षुब्ध युवक ने पीया मच्छर लोशन

फर्रुखाबाद। कायमगंज कोतवाली क्षेत्र के नगला बुहार गांव में पिता की डांट से क्षुब्ध होकर एक युवक ने मच्छर लोशन पी लिया। गंभीर हालत में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में भर्ती कराया गया है। युवक की पहचान आमोद कुमार के 30 वर्षीय पुत्र गौरव के रूप में हुई है। परिजनों को जब इस घटना की जानकारी हुई, तो वे उसे सीएचसी ले जाने की तैयारी करने लगे। इसी दौरान युवक छत से भी कूद गया, हालांकि गनीमत रही कि उसे कोई गंभीर चोट नहीं आई। इसके बाद परिजनों ने युवक को पकड़कर 108 एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया। गौरव की मां नीरज मिश्रा ने बताया कि गौरव की अभी शादी नहीं हुई है। पिता ने किसी काम को लेकर उसे डांटा था, जिससे क्षुब्ध होकर गौरव ने यह आत्मघाती कदम उठाया।

युवक का सामान व नकदी लूट कर फरार

कायमगंज। कायमगंज नगर के मोहल्ला बगिया सोहनलाल निवासी सूर्यकांत नोएडा में कपड़े की फैक्ट्री में कार्य करता है। उसकी चचेरी बहन की शादी गुरुवार को है। इस पर वह शादी में भात का कपड़ा आदि सामान लेकर मंगलवार की रात रोडवेज बस में सवार हुआ। रास्ते में जहरखुरानी गिरोह ने उसे शिकार बनाकर बेहोश कर दिया और सामन लेकर रफूचक्कर हो गए। उसके बाद चालक परिचालक मानवीय संवेदनाओं से शून्य होकर उसे पुल गालिब से निकलते ही दमदमा से थोड़ा आगे सुनसान इलाके में रोड के किनारे डाल कर चले गए। वह सुबह कड़ाके ही सर्दी में बेहोशी की हालत में पड़ा रहा। राहगीरों ने उसे बेहोशी की हालत में देखा तो उसके पास मिले मोबाइल से घर पर उसके सूचना दी। उसके परिजनों के आने पर सामुदायिक केंद्र कायमगंज में भर्ती कराया।

पदयात्रा में शामिल होने के लिए गुजरात रवाना

फर्रुखाबाद। फर्रुखाबाद से भाजपा युवा मोर्चा के पदाधिकारी गुजरात में आयोजित 150 किलोमीटर की राष्ट्रीय एकता पदयात्रा में भाग लेने के लिए बुधवार को रवाना हो गए हैं। यह पदयात्रा लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित की जा रही है। युवा मोर्चा के क्षेत्रीय मंत्री शशांक शेखर मिश्रा, जिला कोषाध्यक्ष नीरज दीक्षित और नीति एवं शोध प्रमुख अमन अवस्थी फर्रुखाबाद रेलवे स्टेशन से जोधपुर स्पेशल ट्रेन से जयपुर के लिए रवाना हुए। वे जयपुर से गुजरात तक इस पदयात्रा में शामिल होंगे। रवानगी से पहले, जिला अध्यक्ष फतेहचंद वर्मा, जिला महामंत्री डीएस राठौर और युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष मयंक बुंदेला ने पदाधिकारियों को पटका पहनाकर और माल्यार्पण कर विदाई दी। इस अवसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष नीरज अवस्थी, भाजयुमो जिला मंत्री विकास पांडेय, मंडल महामंत्री अंकित गुप्ता, कार्यालय प्रभारी प्रतीक दुबे, रोहित शर्मा, शुभम मिश्रा और सुशील दुबे सहित कई अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। यह राष्ट्रीय एकता पदयात्रा गुजरात के घाटलोडिया से शुरू हुई है, जिसे गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। पदयात्रा का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देना है। पदयात्रा का लक्ष्य सरदार पटेल के एक भारत, श्रेष्ठ भारत के दृष्टिकोण और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर और विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना है। यह आयोजन सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती को एकता के प्रतीक के रूप में मना रहा है।

डीएम ने दिलाई संविधान की शपथ

फर्रुखाबाद। संविधान दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिलारी आशुतोष कुमार द्विवेदी द्वारा संविधान की शपथ दिलाई गई। कलेक्ट्रेट सभागार फतेहगढ़ में बुधवार को जिलाधिलारी आशुतोष कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर डीएम द्वारा सभी कर्मियों और अधिकारियों को संविधान की शपथ दिलाई व लखनऊ में आयोजित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा गया। इसके साथ ही संविधान पर आधारित लघु फिल्म को भी देखा गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी विनोद कुमार गौड, नगर मजिस्ट्रेट संजय कुमार, जिला विकास अधिकारी श्याम कुमार तिवारी, बेसिक शिक्षा अधिकारी व समस्त अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

चित्रकला प्रतियोगिता में सृष्टि प्रथम

कन्नौज। ब्लॉक उमर्दा क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय किनौरा में विद्यार्थियों को संविधान दिवस के बारे में जानकारी दी गई। चित्र कला प्रतियोगिता के जरिए छात्र-छात्राओं को जागरूक किया गया। कक्षाध्यापक वैभव राजपूत ने बताया कि प्रथम स्थान पर छात्रा सृष्टि, द्वितीय मानशी व तृतीय स्थान पर काजल रहीं। इस मौके पर मोहिनी, नैन्सी, अमन, अंकित, मंजेश, अभिषेक मौजूद रहे।

बिना लगाए फीड कर दिया मीटर नंबर

कनेक्शन पर नहीं लगाया मीटर, हर माह रीडिंग समेत आ रहा बिल, लिखा दी बिजली चोरी की रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। बिजली विभाग ने उपभोक्ता के यहां मीटर नहीं लगाया। इसके बाद भी मीटर नंबर कनेक्शन के साथ फीड कर दिया। अब मीटर रीडर मनमानी रीडिंग दिखा कर बिल बना रहा। ऊपर से जेई ने निरीक्षण के समय मीटर से पहले बाईपास दिखा कर बिजली चोरी की रिपोर्ट दर्ज करा दी। नोटिस पहुंचने के बाद उसे जानकारी हुई। उस पर हजारों रुपये का जुर्माना लगा दिया गया।

बिजली विभाग के खेल निराले हैं। ऐसे ही एक मामले में सदर कोतवाली क्षेत्र के गांव इनायतपुर निवासी मोबीन पुत्र मकबूल ने वर्ष 2023 में घरेलू बिजली का कनेक्शन लिया था। मीटर लगाने की भी धनराशि जमा की थी लेकिन कनेक्शन पर मीटर नहीं लाया गया। मीटर न लगे होने के बाद भी जो बिल आता उसे जमा करता रहा। ज्यादा पढ़ालिखा न होने से वह बिल को ठीक तरह से पढ भी नहीं सकता। मजे की बात यह है कि विभाग ने बिना लगाए ही मीटर लगा दिखा दिया। नंबर भी फीड कर दिया। खास बात तो यह रही कि क्षेत्र का मीटर रीडर प्रति माह रीडिंग भी भर कर बिल निकालता रहा। नवंबर में जेई ने गांव में चेकिंग अभियान चलाया तो मौके पर मीटर न मिलने पर बिजली थाने में एफआईआर दर्ज करा दी। इसमें दिखाया कि मीटर के पहले केबिल काट कर बिजली चोरी की गई। एफआईआर के बाद जब बिजली विभाग से नोटिस पहुंचा तो पीड़ित को जानकारी हुई। वह विभागीय अधिकारियों के पास पहुंचा तो बताया गया कि उसके यहां मीटर लगाया गया था। बिल में मीटर नंबर भी अकित है। रीडिंग के अनुसार बिल बनाया जा रहा है। इस संबंध में अधिशाषी अभियंता मगन सिंह से शिकायत की तो उन्होंने भी यही कहा कि मीटर लगने के बाद हटाया गया होगा। शिकायत का निस्तारण नहीं किया गया। जांच कराने को कहा गया है।

एक्सईएन से शिकायत को आया उपभोक्ता।

कलक्ट्रेट में धरना-प्रदर्शन करते किसान यूनियन टिकैत के पदाधिकारी व किसान। अमृत विचार

विजिलेंस टीम पर चेकिंग के नाम पर अवैध वसूली के आरोप

- कन्नौज। किसानों की समस्याओं को लेकर किसान यूनियन टिकैत गुट ने कलक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को सौंपा। इसमें बिजली विभाग की बिजलेंस टीम पर चेकिंग के बाद उपभोक्ताओं से अवैध वसूली के आरोप लगाते हुए इस पर रोक लगाने की मांग की है।बुधवार को जिलाध्यक्ष ठा. महेंद्र प्रताप सिंह की अगुवाई में पदाधिकारी व कार्यकर्ता कलक्ट्रेट पहुंचे। यहां धरना प्रदर्शन कर जोरदार नारेबाजी की। इसके बाद जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन सौंपा। इसमें मांग की कि किसानों की जो जमीन भूमाफिया ने जबरन कब्जा कर ली उसे पुलिस को भेज कर मुक्त कराया जाये। स्मार्ट मीटर के नाम पर हो रही लूट को बंद किया जाये। नकली कीटनाशक दवाओं पर रोक लगाई जाये। जनपद में यूरिया की किल्लत को दूर किया जाये। निजी दुकानों पर अधिक दामों पर बिक रही खाद पर रोक लगाई जाये। साथ ही खाद के साथ दिये जा रहे अन्य प्रोडक्ट पर रोक लगाई जाये। अन्ना मवेशियों को पकडवा कर बंद कराया जाये। बिजली विभाग की विजिलेंस टीम की ओर से जिले में छापा मार कर की जा रही अवैध धन उगाही को बंद कराया जाये।

अब पोर्टेबल एक्सरे मशीन से होगी टीबी रोगियों की खोज

योगेंद्र मिश्रा कन्नौज

- टीबी मुक्त भारत को सफल बनाने में मदद करेगी मशीन

अमृत विचार। अब पोर्टेबल एक्सरे मशीन से घर-घर टीबी के मरीज जांचे जायेंगे। इसके लिये स्वास्थ्य विभाग को करीब 35 लाख रुपये की मशीन दी गई है।

जिले में संभावित टीबी मरीजों की जांच करने के लिये शासन ने सीएमओ को यह मशीन उपलब्ध कराई है जो संबंधित विभाग की टीम को सौंपी जायेगी। जहां पर भी स्वास्थ्य कर्मियों को संभावित टीबी के मरीज मिलेंगे वहां मशीन को कार या अन्य वाहन से ले जाया जायेगा। घर के अंदर इस मशीन को लगा कर टेक्नीशियन संबंधित का एक्सरे करेगा। टीबी की पुष्टि हो जाती है तो विभाग की टीम बलगम समेत अन्य जांच करने के बाद मरीज को टीबी की दवा नियमित खाने के लिये आशा और एएनएम के अलावा संबंधित कर्मचारियों को यह जिम्मेदारी सौंप देंगे। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. केपी त्रिपाठी ने बताया कि यह मशीन टीबी रोगियों के लिये वरदान होगी। जो लोग जांच कराने के लिये अस्पताल नहीं आते या मानते हैं कि उनको टीबी नहीं है उनकी घर में ही जांच की जा सकेगी।

जो मरीज स्वास्थ्य टीम की फौरी जांच में संभावित लग रहे हैं उनकी जांच की जा सकेगी। शासन से सीएमओ डॉ. स्वदेश गुप्ता को उपलब्ध करा दी गई है। इस संबंध में सीएमओ की ओर से गुरुवार को रिहर्सल किया जायेगा।

इस तरह होगी पोर्टेबल एक्सरे मशीन।

कार की टक्कर से किशोरी की मौत, दो बच्चे घायल

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। अनियंत्रित कार की टक्कर से घर के बाहर आग ताप रहे तीन बच्चे घायल हो गये। इसमें एक किशोरी की मौत हो गई।

रामा।

गुरसहायगंज कोतवाली क्षेत्र के गांव सिंहपुर में मंगलवार को बारात आई थी। इसी के चलते देर रात रामकेश की 13 वर्षीय पुत्री रामा, रामशरण की 16 वर्षीय पुत्री नेमा और देवदत्त का 15 वर्षीय पुत्र अतुल घर के बाहर सड़क किनारे आग ताप रहे थे। इसी दौरान गांव का ही युवक कार लेकर तेज रफ्तार से निकला और तीनों को टक्कर मार दी। इससे तीनों गंभीर रुप से घायल हो गये। तीनों को रात 12 बजे जिला अस्पताल लाया गया। जहां प्राथमिक उपचार दिया गया। इससे पहले डाक्टर ने जांच कर रामा को मृत घोषित कर दिया। दुर्घटना के बाद कार चालक गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गया जिसे कोतवाली प्रभारी अजय अवस्थी ने मौके पर पहुंच कर कब्जे में ले लिया। मौत की सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया।

सूचना पर कोतवाल अजय कुमार अवस्थी मौके पर पहुंचे और कार को कब्जे में ले लिया। उधर जिला अस्पताल के डाक्टर ने शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया। सुवह होने पर चौकी प्रभारी नौरंगपुर राजेश रावत जिला अस्पताल पहुंचे। उन्होंने शव का पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम कराया।

मतदाताओं की सुविधा को पालिका ने लगवाए कैंप

गुरसहायगंज। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य को समय से पूर्ण कराए जाने के लिए उच्चाधिकारियों के निर्देशन पर नगर पालिका ने बुधवार को नगर के सभी वार्डों में कैंप लगाया। इस मौके पर कई लोग मौजूदस रहे।

अधिशासी अधिकारी अनिल कुमार ने नगर के 25 वार्डों में कैंप लगवाया। जिसमें बीएलओ व पालिका के वालंटियर ने मतदाताओं का सहयोग किया। जिन मतदाताओं को अभी तक फार्म नहीं मिले थे उनके फार्म की तलाश कर उपलब्ध कराए गए। मतदाताओं का कहना है कि कई लोगों को फार्म ही उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। जबकि कई मतदाताओं के नाम 2003 की सूची में नहीं मिल रहे हैं। इससे फार्म भरने में परेशानी हो रही है।

प्रवेश रहे गणित ओलंपियाड में अव्वल

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान छिबरामऊ में जिला स्तरीय गणित ओलंपियाड एवं गणित प्रतियोगिता की प्रदर्शनी के लिए परीक्षा हुई। इसमें परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालय एवं कंपोजिट विद्यालयों के 77 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। निर्णायक मण्डल ने पांच सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागियों का चयन किया। सदर ब्लॉक क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय महचंदापुर के कक्षा 08 के छात्र प्रवेश राजपूत व हसेरन के उच्च प्राथमिक स्कूल लेलेपुर की कक्षा 06 की छात्रा लक्ष्मी ने सर्वाधिक अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से प्रथम स्थान पाया।

प्रवेश राजपूत।

छिबरामऊ स्थित डायट में परीक्षा देते परीक्षार्थी। अमृत विचार

बेसिक शिक्षा कार्यालय की ओर से बताया गया है कि सौरिख के प्राथमिक स्कूल मुखड़ा के कक्षा 08 के छात्र नैतिक बौद्ध, विकास खंड छिबरामऊ के उच्च प्राथमिक स्कूल मधईनगला की कक्षा 07 की छात्रा जाह्नवी और इसी ब्लॉक के कंपोजिट स्कूल रामखेड़ा के कक्षा 08 के छात्र अंशुल ने संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान हासिल किया। इस अवसर पर फरहत शमशाद, दिनेश चंद्र, मंजेश कुमार, योगेश यादव, सुशील कुमार, अच्युत त्रिपाठी, अमित कुमार, अभिषेक दीक्षित, प्रसेनजीत बैस व कल्पना राजपूत उपस्थित रहीं। बताया गया है कि परिषदीय स्कूलों के कक्षा 06, 07 एवं 08 के विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। बीईओ सदर मधुलिका बाजपेयी ने बताया कि विकास खंड कन्नौज इलाके के महचंदापुर यूपीएस के छात्र प्रवेश राजपूत का स्थान जिले में पहला आया है।

वॉलीबॉल में जलालाबाद की टीम बनी विजेता

जलालाबाद। नेहरु युवा केन्द्र द्वारा दो दिवसीय ब्लॉक स्तरीय खेलकूद का आयोजन बीडी तिवारी इंटर कॉलेज के खेल मैदान में किया गया। जलालाबाद वालीबाल युवा टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

द्वितीय स्थान पर मदन मोहन मालवीय इंटर कालेज की वॉलीबॉल टीम गुरसहायगंज रही। स्लो साइकलिंग में प्रथम भावना पाल, द्वितीय काजल सिंह, तृतीय दीक्षा कुशवाहा, जबकि 400 मीटर दौड़ में प्रथम गौरी, द्वितीय शीतल, तृतीय राधिका रही। पुरुष 400 मीटर दौड़ में प्रथम आशीष, द्वितीय अभिनेश, तृतीय मनु रही। लंबी कूद पुरुष में प्रथम पुनीत, द्वितीय अर्पित ,तृतीय हरिओम रहे। महिला कबड्डी टीम में विजेता वीरांगना लक्ष्मीबाई टीम, उप विजेता रानी अहिल्याबाई होल्कर टीम रही।

राजेपुर में दो कारों की हुई भिड़ंत में विधायक के परिवार को आई चोटें

कार्यालय संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। भोजपुर विधायक नागेंद्र सिंह राठौर का परिवार कैंची धाम जाते समय सडक हादसे का शिकार हो गया। यह घटना राजेपुर थाना क्षेत्र के उजरामऊ गांव के पास नेशनल हाईवे पर हुई, जहां उनकी फॉर्च्यूनर कार एक अन्य वाहन से टकराकर खड्ड में पलट गई।

विधायक के पुत्र अजय राठौर, पुत्रवधू दीक्षा, पौत्री शशि, स्वाति और पौत्र अयांक अपने चालक केपी और एक सरकारी गनर के साथ कैंची धाम जा रहे थे। नयागांव के पास अचानक सामने से एक कार मुड़ी, जिससे दोनों वाहनों में जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों कारें अनियंत्रित होकर खड्ड में जा गिरीं और पलट गईं।

हादसे के बाद विधायक का परिवार और अन्य लोग कार में फंस गए। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया और सभी को सुरक्षित बाहर निकाला। गनीमत रही कि विधायक के परिवार को कोई गंभीर चोट नहीं आई, हालांकि सभी को मामूली खरोंचें आईं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सुदेश कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से पलटी हुई कारों को सीधा कराया। विधायक के परिवार को दूसरी कार से घर भेजा गया। हादसे के बाद दूसरी कार में सवार लोग अपना वाहन छोडकर मौके से फरार हो गए।

हादसे के बाद दुर्घटनाग्रस्त कार।

- कैंची धाम जाते समय दो कारों की हुई भिड़ंत, गड्ढे में गिरीं दोनों कारें

मारपीट में युवक की मौत का आरोप

कायमगंज। कंम्पिल थाना क्षेत्र में मंगलवार शाम को जमीन की रंजिश में एक युवक के साथ मारपीट करने से उसकी मौत हो गई।

थाना कंम्पिल क्षेत्र के गांव रुदायन निवासी 32 वर्षीय अनुज को मंगलवार शाम उसकी मां कमलेश गंभीर हालत में लेकर अस्पताल पहुंची। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। उसकी मां का आरोप है देवर और जेठ के लड़कों ने उसकी पिटाई की है। हालत बिगड़ने पर मां कमलेश उसे ई-रिक्शा से कायमगंज के एक निजी चिकित्सक के पास ले गई। वहां से उसे बाहर ले जाने को कहा गया। उसके बाद महिला उसे वापस कंम्पिल लेकर आई। सुचना पर पुलिस ने उसे अस्पताल पहुंचाया जहां उसकी मौत हो गई। एसओ ने बताया कि अब तक मारपीट संबंधी कोई तहरीर नहीं मिली थी। जांच की जा रही है।

संविधान को सुरक्षित रखना सभी का कर्तव्य: सपा जिलाध्यक्ष

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय में संविधान दिवस बड़े ही गरिमामय ढंग से मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव ने की। इस अवसर पर संविधान दिवस पर आधारित एक गोष्ठी का आयोजन भी किया गया।

जिला अध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव ने कहा कि भारत का संविधान हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की आत्मा है, जो हर नागरिक को अधिकार और समानता प्रदान करता है। इसे सुरक्षित रखना हर भारतीय का प्रथम कर्तव्य है। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय जनता पार्टी संविधान की मूल भावना को कमजोर करने और लोकतांत्रिक ढांचे को बदलने की कोशिश कर रही है, जो देश के भविष्य के लिए गंभीर खतरा है। जिला महासचिव इलियास मंसूरी ने कहा कि संविधान देश की एकता, अखंडता और न्यायपूर्ण व्यवस्था की मजबूत नींव है, जिसकी रक्षा करना ही सच्चा राष्ट्रधर्म है। जिला प्रवक्ता विवेक सिंह यादव ने कहा कि संविधान ही देश चलाता है और आज भारतीय जनता पार्टी संविधान को कमजोर करने का प्रयास कर रही है। नए-नए तरीकों से अपने चुनावी फायदे के लिए बदलाव की कोशिशें लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा हैं।इस अवसर पर जिला सचिव विजय अनुरागी, डॉ. आकाश यादव ,यशवर्धन सिंह यादव (छात्र सभा जिला सचिव), अक्षय यादव (जिला सचिव छात्र सभा) आदि लोग शामिल रहे।

संविधान दिवस के अवसर पर पार्टी कार्यालय पर मौजूद सपा जिलाध्यक्ष चन्द्रपाल सिंह।

आयोजन मेजर एसडी सिंह विश्वविद्यालय में संविधान दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन, लीगल एड सर्विसेज के लिए विश्वविद्यालय को मिला विशेष सम्मान

संविधान भारत के लोकतांत्रिक जीवन का आधार स्तंभ : एडीजे

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। राष्ट्रीय संविधान दिवस के अवसर पर मेजर एसडी सिंह विश्वविद्यालय में एक वृहद जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें वक्ताओं ने भारतीय संविधान के गौरवमयी इतिहास, उसकी प्रस्तावना, मौलिक अधिकारों, कर्तव्यों तथा संवैधानिक मूल्यों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संविधान की बुनियादी भावना से जोड़ना और उन्हें संवैधानिक आदर्शों के प्रति जागरूक बनाना रहा।

इस अवसर पर अपर जनपद न्यायाधीश ने मेजर एसडी सिंह विश्वविद्यालय द्वारा लीगल एड सर्विसेज के सफल संचालन की सराहना करते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन को सम्मान स्वरूप प्रमाण पत्र प्रदान किया।

सभागार में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ अपर जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक प्राधिकरण के सचिव संजय कुमार, कुलपति डॉ. रंगनाथ मिश्र, कुलसचिव रणजीत सिंह, विधि संकाय के डीन डॉ राजपाल सिंह एवं बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष जवाहर सिंह गंगवार ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एडीजे संजय कुमार ने कहा कि संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक जीवन का आधार स्तंभ है, जो नागरिकों को अधिकार ही नहीं बल्कि कर्तव्यों का बोध भी कराता है। विधि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. राजपाल सिंह, ने कहा कि संविधान भारतीय लोकतंत्र की आत्मा है, जिसने विश्व के बड़े लोकतंत्रों में भारत को विशिष्ट स्थान दिलाया है। अपर जिला जज संजय कुमार, बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष जवाहर सिंह गंगवार, पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार राणा, वरिष्ठ अधिवक्ता रघुवीर दास, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के वरिष्ठ सहायक राम सिंह मौर्य, प्राधिकरण के सहायक अधिवक्ता प्रशान्त गुप्ता, सीता सिंह, पैनल लायर्स श्यामवीर सोमवंशी तथा प्राधिकरण के अधिवक्ता शिवनरेश सिंह को शॉल ओढ़ाकर व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। जबकि जिला विधिक प्राधिकरण द्वारा संविधान को समर्पित पुस्तक विधि प्रहरी के सफल सह संपादन के लिए न्यायाधीश संजय कुमार तथा विधि संकाय के डीन डॉ राजपाल सिंह को विधि प्रहरी 2025 सम्मान से सम्मानित किया गया। विधिक प्राधिकरण द्वारा विधि संकाय के शिक्षक डॉ अजीत कुमार सिंह, डॉ राजीव कुमार, डॉ विनय कटियार तथा मूलचन्द्र भारती को भी स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। अंत में न्यायाधीश ने विधि संकाय में संचालित लीगल एड सर्विसेज कार्यालय का भी निरीक्षण किया तथा डीन डॉ राजपाल सिंह के कार्यों व प्रयासों की सराहना की। संचालन अंशिका यादव तथा मयंक मिश्रा ने किया, जबकि कार्यक्रम में डॉ उदित अग्निहोत्री, रामचन्द्र, सिद्धार्थ सिंह, शक्ति सिंह आदि भी मौजूद रहे।

उत्कृष्ट कार्य के लिए विश्वविद्यालय को सम्मान देते हुए अपर जिला जज संजय कुमार।

आईस्क्रीम बेचने के बहाने पति को किया गायब

कन्नौज। आईस्क्रीम बेचने के लिये महाराष्ट्र के पुणे ले जाकर पति को गायब कर दिया।

ठठिया थाना क्षेत्र के गांव उसरी निवासी लक्ष्मी पत्नी जितेंद्र कुमार ने एसपी को दिये शिकायती पत्र मे आरोप लगाया है कि पति को दो माह पहले ठठिया थाना क्षेत्र के गांव सुमेरपुर निवासी कुछ लोग आईस्क्रीम बेचने के लिये महाराष्ट्र के पुणे मजदूरी पर ले गये थे। कुछ दिन तो बात कराते रहे। इसके बाद बात करानी बंद कर दी। जब उक्त लोगों से उसने संपर्क किया तो बताया गया कि पति को कानपुर जाने वाली ट्रेन में बैठा दिया है। इसके बाद से न तो फोन किया गया है न ही पति घर पहुंचे हैं। महिला अनहोनी की आशंका जता रही है।

न्यूज ब्रीफ

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

इटावा। थाना ऊसराहार क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम समथर के पास अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से एक युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार थाना जसवंतनगर क्षेत्र के अंतर्गत राजपुर निवासी नीरज 32 वर्ष पुत्र संतोष कुमार की अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से थाना ऊसराहार क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम समथर के पास मौत हो गई। पुलिस ने शव को मुख्यालय लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया। घटना से मृतक के परिवार में कोहराम मच गया। परिजन रोते बिलखते पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे।

मारपीट की घटनाओं में तीन घायल

इटावा। जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों के अंतर्गत अलग अलग स्थानों पर हुईं मारपीट की घटनाओं में तीन लोग घायल हो गए, घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। थाना भरथना क्षेत्र के अंतर्गत कुरट निवासी भूरी पत्नी नन्द किशोर को ग्राम कुसना में मारपीट कर घायल कर दिया। थाना बसरेहर क्षेत्र के अंतर्गत नगला बाबू हरनारायनपुर निवासी विनीत पुत्र ऊदल सिंह को दबंगों ने गांव में मारपीट कर घायल कर दिया। थाना बकेवर क्षेत्र के अंतर्गत मेंहदीपुर निवासी साधना दोहरे पत्नी रोहिताश को दबंगों ने गांव में मारपीट कर घायल कर दिया। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने घायलों का परीक्षण किया।

सांसद ने बांटे कंबल

महेवा। इटावा लोकसभा क्षेत्र के सांसद जितेंद्र कुमार दोहरे ने महेवा विकास खंड क्षेत्र के कई गांवों में जाकर लोगों के सुख दु :ख में भाग लिया । इसके अलावा उन्होंने गांवो में सर्दी को देखते हुए गरीबों को कंबल भी वितरित किए। सांसद दोहरे ने ब्लॉक क्षेत्र महेवा के महेवा, बस्ती महेवा, आनेपुर, उझियानी, सुनवर्षा, सराय नौधना, धोरखा आदि गांवों का भ्रमण किया तथा लोगों का हालचाल लिया। ग्राम धोरखा एवं सराय नौधना में करीब एक सैकड़ा से अधिक गरीब, बुजुर्ग व्यक्तियों को सर्दी को देखते हुए कंबल वितरित किए। इस अवसर पर सांसद दोहरे ने कहा कि दुनियां में सबसे बड़ी सेवा गरीबों की सेवा करना है उनका यह पुनीत का कार्य पूरी लोकसभा क्षेत्र में निरंतर जारी रहेगा ।

जागरूकता शिविर 30 को

कालपी। निर्वाचन आयोग द्वारा एसआईआर को लेकर फैले भ्रम को दूर करने के लिये 30 नवम्बर खानकाह के पास जागरूक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिसमें लोगों को एसआईआर की जानकारियां देकर भ्रांतियां भी दूर की जाएंगी। नगर के प्रमुख समाजसेवी आसिफ कुरैशी ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे एसआईआर अभियान को लेकर आम जनमानस में भ्रांतियां फैली हुई है। उसे दूर करने के लिए शकील एसके आर्ट, मुहम्मद शहवाज सोना, रहीस, आजाद आदि के द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह लोग इसके पहले भी नगर के कई मुहल्लों में कैम्प लगाकर एसआईआर की जानकारी देकर मदद कर रहे हैं। उसी क्रम में 30 नवम्बर रविवार की सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक खानकाह अण्डरपास के पास जागरूकता शिविर का आयोजन किया जाएगा।

मोनू शिवसेना शिंदे गुट के जिला प्रभारी बने

कालपी। अब मोनू पंडित शिवसेना शिंदे गुट के जिला प्रभारी होंगे। गत दिनों झांसी में हुई बैठक के दौरान मण्डल प्रभारी सत्यम सक्सेना ने उन्हें जिम्मेदारी सौंपी है। शिवसेना (शिंदे) उत्तरप्रदेश संगठन द्वारा झांसी मण्डल में संगठन की मजबूती, विस्तार के लिए गत दिनों झांसी में पार्टी की बैठक आयोजित की।

रैली निकालकर किसानों ने किया प्रदर्शन

राष्ट्रपति के नाम लिखा ज्ञापन एसडीएम को सौंपा, एमएसपी की गारंटी व 4 -लेबर कोड वापस लेने की मांग

कार्यालय संवाददाता, इटावा

रैली निकालकर प्रदर्शन करते किसान मोर्चा व ट्रेड यूनियन के पदाधिकारी व किसान। अमृत विचार

एसडीएम को ज्ञापन देते किसान। अमृत विचार

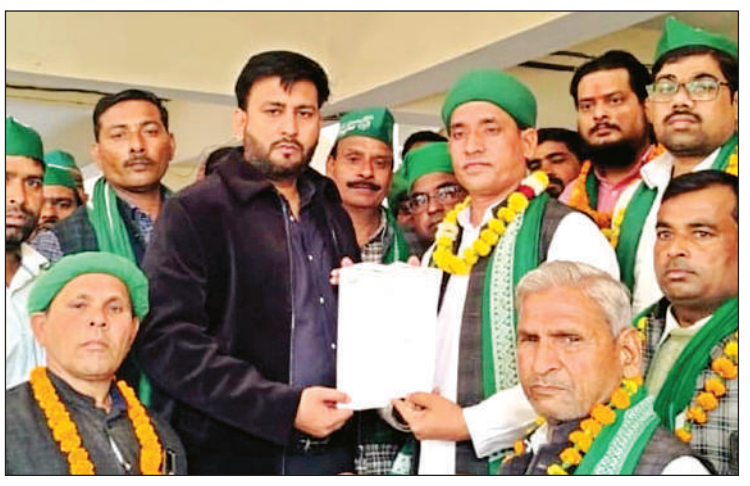

अमृत विचार। संयुक्त किसान मोर्चा एवं केन्द्रीय ट्रेड यूनियनों के देशव्यापी आह्वान पर इटावा में प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन प्रेषित किया गया।

ज्ञापन में किसान आंदोलन के समय मोदी सरकार द्वारा किए गये लिखित समझौते को लागू रखने, एमएसपी की गारंटी, बिजली निजीकरण बिल वापसी, कर्जा मुक्ति, 4 लेवर कोड वापसी, स्मार्ट मीटर वापसी, सरकारी क्रय केन्द्रों पर धान खरीद कराने, बासमती श्रेणी का धान 5000 रुपये क्विंटल भाव कराने, खाद की किल्लत दूर करने, किसान पेंशन 10,000 रुपये माह करने, अन्यायपूर्ण भूमि अधिग्रहण बंद करने, बेमौसम वर्षा से बर्बाद फसलों का मुआवजा, महंगाई, बेरोजगारी व भ्रष्टाचार पर रोक लगाने, ताखा तहसील में 100 शैया तैयार अस्पताल और आईटीआई को चालू कराने, मंडी की स्थापना, बुंदेलखंड एक्सप्रेसे-वे पर रोडवेज बसों का संचालन व कुदरैल पर कट बनाने आदि मांगों को उठाया गया।

किसान सभा के प्रांतीय महामंत्री मुकुट सिंह ने संविधान दिवस के मौके पर ऐतिहासिक किसान आंदोलन की 5वीं बरसी पर बोलते हुए सरकार के समझौते से पलटने की कड़ी निंदा की गई। उन्होंने कहा कि मोदी-योगी सरकार की नीतियां कारपोरेट परस्त, साम्प्रदायिक हैं, यह जनता के जीवन और जीविका पर हमलावर है। लेबर कोड लागू कर मजदूरों को कारपोरेट्स मालिकों का बंधुआ बनाने का फरमान जारी किया है। जिसकी वापसी के लिए किसान-मजदूर मिलकर लडाई तेज करेंगे। सीटू के प्रांतीय नेता अमर सिंह शाक्य ने 4 लेबर कोड वापसी की मांग उठायी, आशा यूनियन की प्रदेश महामंत्री संगीता कश्यप ने स्कीम वर्कर्स के लिए 26,000 रुपये वेतन और कर्मचारी दर्जे की मांग उठायी। किसान सभा के पूर्व जिलाध्यक्ष नाथूराम यादव, जिलामंत्री संतोष शाक्य, डॉ. शौकीन सिंह, अनिल दीक्षित, संतोष राजपूत, किसान यूनियन टिकैत के रामनरायण, मुन्नेश सिंह, रामनेरश, यूपीएमएसआरए के अध्यक्ष अभिषेक दुबे, सुनील अग्निहोत्री, अंकित शर्मा, किसान सभा के शिववचन, रामबरन, शिवराम, वैद्य विश्राम सिंह, डीवाईएफआई के जिलामंत्री मोनू यादव आदि ने संबोधित किया। अध्यक्षता रामबृजेश यादव, शकुंतला, अभिषेक दुबे ने तथा संचालन संतोष शाक्य ने किया। इससे पूर्व डॉ. आम्बेडकर चौराहे पर एकत्रित होकर झण्डा बैनरों से सुसज्जित गगनभेदी नारों के साथ सैकड़ों महिलाओं व पुरुषों का जुलूस कचहरी पंहुचा। जिलाधिकारी के प्रतिनिधि उपजिलाधिकारी ने मंच पर आकर ज्ञापन ग्रहण किया।

किसानों की समस्याओं को लेकर किया प्रदर्शन

जसवंतनगर। भारतीय किसान यूनियन धरती पुत्र किसान के बैनर तले बुधवार को संविधान दिवस एवं किसान आंदोलन की 5वीं वर्षगांठ के उपलक्ष में किसानों की समस्याओं के निस्तारण हेतु 11 सूत्री मांगों को लेकर नहर कोठी से जसवंतनगर तहसील तक पैदल मार्च करते हुए किसानों ने राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। इस अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सनी माधव, राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव दिनेश कुमार, प्रदेश महासचिव डॉ. प्रतीक यादव, मंडल प्रवक्ता अमर पाल सोला, जिला संरक्षक अशोक क्रांतिकारी, जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र राजपूत, छात्र सभा जिला अध्यक्ष हिमांशु यादव, गोरे, जिला उपाध्यक्ष सर्वेश, जिला सचिव गिरिजा शंकर पाल, जिला सचिव विजय यादव, जिला मंत्री जिला सचिव युवा मोर्चा अरुण रामौतार यादव, ब्लॉक सचिव कृष्ण यादव, ब्लॉक सचिव युवा मोर्चा भुवनेश, कपिल प्रजापति, राम प्रकाश आनंद नगर अध्यक्ष, अरविंद, अर्चित, सोबरन सिंह गुड्डे ,अनुज ,राजीव आदित्य आदि उपस्थित रहे।

पुलिस ने खोए हुए मोबाइल बरामद कर लौटाए

इटावा। थाना बढ़पुरा पुलिस ने खोए हुए दो मोबाइल फोन बरामद कर उनके मालिकों को सौंप दिए। पुलिस के लगातार प्रयासों से मोबाइल अलग अलग स्थानों से बरामद किए गए। मोबाइल वापस मिलने पर उन्होंने पुलिस की सराहना की।

जानकारी के अनुसार दो नवंबर को हरवीर सिंह निवासी उदी मोड़ का मोबाइल उदी चौराहा पर खो गया था। इसी तरह राम सिंह राठौर निवासी कटरा पुर्दलखां का मोबाइल यमुना पुल तिराहा पर गिर गया था। दोनों घटनाओं की शिकायतें थाना बढ़पुरा में दर्ज कराई गई थीं। शिकायतें मिलने के बाद कांस्टेबल अजय कुमार ने मामले को गंभीरता से लिया। उन्होंने तत्काल मोबाइल फोन को पोर्टल पर पंजीकृत किया। प्रतिदिन ट्रेसबिलिटी रिपोर्ट की जांच और इलेक्ट्रॉनिक व मैनुअल साक्ष्यों की मदद से पुलिस ने दोनों मोबाइलों को सफलतापूर्वक ट्रैक कर बरामद कर लिया। थाना बढ़पुरा में प्रभारी निरीक्षक की टीम ने बरामद किए गए मोबाइलों को सकुशल उनके आवेदकों को सुपुर्द कर दिया।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

चौराहे पर नुक्कड़ नाटक कर लोगों को दिया जागरूकता का संदेश

संवाददाता, बकेवर

जागरूकता अभियान में भाग लेते पुलिसकर्मी व आमजन। अमृत विचार

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश पुलिस की आपात सेवा यूपी-112 ने 26 नवंबर 2025 को बकेवर में जन-जागरूकता की बात, जन-जन के साथ अभियान चलाया। यह अभियान जनता की सुरक्षा, त्वरित सहायता और संकट में तत्काल मदद सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

अभियान की शुरुआत थाना बकेवर के मुख्य चौराहे से हुई। यहां नुक्कड़ नाटक और संवाद के माध्यम से लोगों को आपात स्थिति में तुरंत 112 पर कॉल करने की जानकारी दी गई। स्थानीय नागरिकों ने इस कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। टीम ने राहगीरों और निवासियों से बातचीत कर उन्हें बताया कि किसी भी आपात स्थिति में 112 पर कॉल करना पहला और सबसे सुरक्षित कदम है। मुख्य चौराहे पर टीम ने कॉलेज के छात्र-छात्राओं, यात्रियों और राहगीरों को सुरक्षा सेवाओं की प्रक्रियाओं से परिचित कराया। एक एलईडी वैन ने नाइट एस्कॉर्ट, ट्रैकिंग सिस्टम और यूपी-112 की स्मार्ट सेवाओं का प्रदर्शन किया। जनता ने इसमें गहरी रुचि दिखाई और कई लोगों ने मौके पर ही संबंधित एप डाउनलोड किए। टीम ने आमजन को सड़क हादसों, छेड़छाड़ और झगड़े जैसी आपात स्थितियों में तुरंत 112 पर कॉल करने की सलाह दी।

राम राज ही विश्व शांति का आधार : आचार्य

कार्यालय संवाददाता, इटावा

राम कथा का श्रवण करते भक्तगण। अमृत विचार

अमृत विचार। प्रदर्शनी पंडाल में हो रही रघुकुल शिरोमणि दशरथ नंदन श्री राम कथा के नवें एवं विश्राम दिवस पर बोलते हुए आचार्य शांतनु महाराज ने कहा कि राम राज ही विश्व शांति का आधार है, जहां किसी का किसी से बैर नहीं रहता। सब समान होते हैं और अपने स्वधर्म पर चलते हुए सभी आपस में प्रेम करते हैं। इसीलिए भारत में सदैव से राम राज की संकल्पना की जाती है, इसे किसी धर्म विशेष से सीमित करना उचित नहीं है।

बुधवार को अरण्य कांड के प्रसंगों की चर्चा करते हुए आचार्यश्री ने जयंत के मान भंग की कथा सुनाई और जब उसके प्राण संकट में पड़े तो नारदजी के समझाने पर वह भगवान राम के पास गया और क्षमा मांगी। दयालु राम ने उसे क्षमा कर दिया। इसके बाद प्रभु राम सीता और लक्ष्मण के साथ अत्रि मुनि एवं अनुसुइया जी के आश्रम में आये है, जहां माता अनुसुइया जी ने सीता जी को स्त्री धर्म की बहुत सी बातें सिखलाई, जो आज भी प्रासंगिक हैं। यदि आज की नारियां, उन पर चलें तो तलाक़ और परिवार टूटने जैसी विकृतियां सामने न आएं। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ भी कुटुंब प्रबोधन जैसे कार्यकम चलाकर इसी आदर्श शिक्षा के प्रचार प्रसार में लगा हुआ है। माता शबरी के प्रसंग को सुनाते हुए कहा वह सम्पूर्ण मानस में धैर्य व प्रतीक्षा की साक्षात प्रतिमूर्ति है। शबरी को दिए गए नवधा भक्ति के उपदेश, हनुमान जी के माध्यम से सुग्रीव मित्रता, सीता की खोज, नल नील एवं समस्त वानरों के परिश्रम सेतु का निर्माण,विभीषण जी की शरणागति एवं इसके बाद लंका के भयानक रणांगण की कथा भी सुनाई जिससे सभी श्रोता रोमांचित हो गए। उसके बाद राम राज्याभिषेक तथा राम राज की आदर्श व्यवस्था एवं उसकी महिमा का परिचय दिया। कथा के मुख्य यजमान मोहित दुबे एवं रूबी दुबे (ब्लॉक प्रमुख) ने सह यजमान कवि कमलेश शर्मा, संध्या शर्मा, एवं धर्मेंद्र सिंह चौहान, ललिता चौहान के साथ व्यास पीठ की आरती की।

इस अवसर पर संघ के क्षेत्र प्रचारक अनिल जी, सह क्षेत्र कार्यवाह अनिल श्रीवास्तव, पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. राम शंकर कठेरिया, सदर विधायक सरिता भदौरिया, भाजपा जिलाध्यक्ष अन्नू गुप्ता, विभाग प्रचारक यशवीर, अमित तिवारी मानू, कार्यक्रम संयोजक डा. रमाकांत शर्मा के अलावा सेवा भारती के जिलाध्यक्ष एवं कथा के सह संयोजक विमल भदौरिया विशेष रूप से उपस्थित रहे।

शुरू हुआ ओवरब्रिज से आवागमन, मिली राहत

संवाददाता, कालपी (जालौन)

अमृत विचार। मंगलवार देररात कदौरा की ओर जाने वाले वाहन स्वामियों की परेशानी समाप्त हो गई। दो सप्ताह की मरम्मत के बाद रेलवे ओवरब्रिज से आवागमन शुरू हो गया है।

दशकों की परेशानी के बाद कदौरा क्षेत्र आने जाने वालों का आवागमन सुलभ हुआ था इसके बाद रेलवे क्रॉसिंग पर ओवरब्रिज निर्माण की प्रक्रिया शुरू होने के बाद उन्हें और अधिक प्रसन्नता हुई थी कि उन्हें रेलवे क्रॉसिंग पर नहीं रुकना पड़ेगा इसके लिए वर्ष 2018 में ओवरब्रिज निर्माण की कवायद शुरू हुई थी लेकिन मंथर गति के चलते अभी तक महज एक लेन ही तैयार हो सकी थी और उसी से आवागमन बहाल हो गया था लेकिन ओवरलोडिंग के चलते महज एक वर्ष में ही ओवरब्रिज खराब हो गया था जिसके चलते गत 10 नवम्बर को सेतु निर्माण निगम की मांग पर प्रशासन 15 दिनों के लिए आवागमन रोक दिया था और विकल्प के लिए इटौरा आटा मार्ग निर्धारित किया गया था लेकिन अधिक दूरी होने के चलते क्षेत्र के लोगों को भारी परेशानी हो रही थी क्योंकि उन्हें महज 3 किलोमीटर की जगह 30 किमी का सफर तय करना पड़ रहा था। हालांकि चार पहिया और दोपहिया वाहन चालक बनखंडी देवी रोड की सेवाएं ले रहे थे जिसमें उन्हें धूल की समस्या हो रही थी।

कार ने डीसीएम में मारी टक्कर 5 लोग घायल, हाईवे पर जाम

संवाददाता, जसवंतनगर

अमृत विचार। राष्ट्रीय राजमार्ग पर बुधवार सुबह टोरेंट गैस पंप ग्राम जोनई के सामने भुवनेश्वर से पानीपत जा रही डीसीएम में पीछे से तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। कार का चालक नींद की झपकी के कारण वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और हादसा हो गया। हादसे के बाद जाम लग गया।

टक्कर से कार में सवार चालक दिलीप निगम पुत्र रामशंकर निवासी मोहल्ला गढ़ी अमर कॉलोनी दिल्ली, शालिनी पुत्री रामशंकर, सोनम पत्नी दिलीप, विनय पुत्र सुरेश तथा शालू पत्नी विनय शामिल हैं। सूचना पर थानाध्यक्ष कमल भाटी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। कांस्टेबल अवनीश कुमार, तरुण कुमार ने एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जसवंतनगर भेजा।वहीं डीसीएम चालक शशिकांत पुत्र स्व. रामशंकर निवासी आशाबाग, थाना रसूलपुर जिला फिरोजाबाद सुरक्षित बताया जा रहा है।

बाइकों की भिडंत में युवक घायल

बकेवर। औरैया जनपद के गांव बकवान से बाइक पर सवार होकर ससुराल जा रहे व्यक्ति को अम्बेडकर पार्क बकेवर के समीप बाइक चालक ने टक्कर मार कर गंभीर रूप से घायल किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को इलाज के लिए 50 शैय्या अस्पताल बकेवर भिजवाया। औरैया जनपद के अछल्दा थाना क्षेत्र के गांव बकबान निवासी सत्य पाल अपने साढ़ू बृजमोहन के पुत्र पीयूष निवासी ग्राम चंद्रपुरा थाना अछल्दा को बाइक पर पीछे बैठाकर चकरनगर थाना क्षेत्र के ग्राम रम्पुरा जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक बकेवर थाना क्षेत्र के बकेवर कस्बे के अम्बेडकर पार्क के सामने पहुंची कि तभी बकेवर की ओर से तेज गति से आ रहे बाइक चलाक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी जिससे बाइक चालक सत्य पाल गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना पर पहुंची 112 नंम्बर पुलिस ने घायल बाइक सवार को अपनी 112 नंम्बर की गाड़ी में बैठाकर इलाज के लिए 50 शैय्या अस्पताल बकेवर ले गये।टक्कर मारने वाला बाइक चालक बाइक सहित भाग जाने में सफल रहा।

यज्ञ का झंडा लगाया गया सामूहिक विवाह भी होगा

संवाददाता, बकेवर

महायज्ञ के लिए झंडा लगाते मौनी महाराज साथ में अन्य लोग।

अमृत विचार। महेवा विकास खंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत विधिपुर के बसैयाहार सरकार गांव में महायज्ञ, भागवत कथा और सामूहिक विवाह का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन पूर्व प्रधान रामगोविंद तिवारी के अनुरोध पर वासुदेव महाराज खेड़ापति सरकार बराठा, झांसी द्वारा घोषित किया गया है। महायज्ञ का आयोजन जनवरी में होगा । कार्यक्रम के तहत कन्याओं का निःशुल्क विवाह कराया जाएगा। बसैयाहार सरकार के महंत मौनी महाराज और बड़े लाल तिवारी ने पूर्व प्रधान के साथ मिलकर ग्रामीणों और क्षेत्रवासियों से तन, मन, धन से सहयोग करने की अपील की है। महायज्ञ की शुरुआत विधि-विधान से झंडा लगाकर की गई। कार्यक्रम में अखिलेश शुक्ला, भूरे तिवारी, वीरेंद्र त्रिपाठी, गणेश काका, टउआ तिवारी, मुकेश, रवि, मुन्ना, पद्माकर श्रीशंकर, संजय तिवारी, राघवेंद्र और दिलीप सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम

आम्बेडकर पार्क में बाबा साहेब की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

भारतीय संविधान भारत के लोकतंत्र की आत्मा

कार्यालय संवाददाता, इटावा

बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते राजेश त्रिपाठी साथ में अन्य लोग।

अमृत विचार। संविधान दिवस पर कचहरी में जिला बार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष राजेश कुमार त्रिपाठी, महामंत्री नितिन तिवारी, कोषाध्यक्ष प्रभाकर त्रिपाठी सहित पदाधिकारियों एवं सैकड़ों अधिवक्ताओं ने कचहरी में स्थित अंबेडकर पार्क में पहुंचकर बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

संविधान के बने हुए मूल्य पर चर्चा करते हुए डीबीए अध्यक्ष राजेश कुमार त्रिपाठी ने कहा कि संविधान सिर्फ एक कानूनी दस्तावेज नहीं है, ये समाज में समता और न्याय की स्थापना करने का एक साधन है।

भारतीय संविधान भारत के लोकतंत्र की आत्मा है, और संविधान दिवस पर संविधान के निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर को स्मरण करने का दिन है, जिन्होंने गहन अध्ययन और मेहनत कर इस महान संविधान का तोहफा हम सब भारतियों को दिया। हम संकल्प लें कि हम अपने संविधान के मूल्यों की हमेशा रक्षा करेंगे। क्योंकि संविधान हमारे लिए एक पुस्तक मात्र नहीं बल्कि हमारी शान है। भारतीय नागरिकों को न्याय, सत्य, स्वतंत्रता, समानता एवं बंधुत्व प्रदान करने वाले हमारे सर्वोच्च विधान भारतीय संविधान के अंगीकृत होने के दिन संविधान दिवस की शुभकामाएं दीं। इसके बाद सभी अधिवक्ताओं ने एक साथ संविधान के मूल्यों की शपथ ली।

पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों ने ली संविधान की शपथ

संविधान दिवस के अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, बृजेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में जनपद के समस्त थाना प्रभारियों द्वारा थानों पर समस्त अधिकारियों एवं पुलिस कर्मियों को भारत के संविधान के प्रति निष्ठा, समर्पण एवं कर्तव्य-पालन की शपथ दिलाई गई। संविधान दिवस के इस अवसर पर उपस्थित समस्त पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों ने देश की एकता, अखंडता और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा हेतु पूर्ण निष्ठा से कार्य करने का संकल्प लिया।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

फुटपाथ पर कब्जा कर किराये पर उठाया, शिकायत

कालपी-जालौन। वैसे तो नगर की कई सरकारी जमीनों पर मकान और दुकानें बनी हैं तथा नगर के फुटपाथ भी अतिक्रमणकारियों के कब्जे में हैं लेकिन अब दबंग अतिक्रमणकारी विद्यालय के पास के फुटपाथ को भी निशाना बनाने लगे हैं। विद्यालय की प्रधानाचार्य नलिनी सिंह के मुताबिक काफी दिनों से हाथ ठेला लगाकर लोग विद्यालय परिसर के बाहर रोजी रोजगार करते चले आ रहे हैं जो कि अस्थाई था लेकिन विद्यालय परिसर के पास विगत कई वर्षों से अस्थाई रूप से तख्त डालकर वर्फ का कारोबार करने वाले पूर्व सभासद ने अब उक्त स्थान पर बांसबल्ली लगाकर दुकान बना ली। दुकान को मूंगफली विक्रेता को 3000 रुपये मासिक के किराए पर भी उठा दिया है।

कार्यालय नगर पंचायत गोहाण्ड-हमीरपुर

पत्रांकः- 475/ न0पं0 गो0 / सामान्य / (2025-26) दिनांकः 25/11/2025

सूचना प्रकाशन

(नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 147 के अन्तर्गत)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित आवेदक/आवेदकों द्वारा इस नगर पंचायत गोहाण्ड के गृहकर अभिलेखों में नवीन कर निर्धारण/नामान्तरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये हैं। नाम दाखिल किये जाने वाले व्यक्ति का नाम तथा नाम खारिज किये जाने वाले व्यक्ति का नाम पता सहित निम्नानुसार अंकित है उपरोक्त के सम्बन्ध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति सूचना प्रकाशन तिथि से 30 दिवस के अन्दर अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है बादम्याद अन्यथा की स्थिति में एक पक्षीय कर निर्धारण / नामान्तरण कार्यवाही कर दी जायेगी। जिसका उत्तरदायित्व नगर पंचायत गोहाण्ड का नहीं होगा।

क्र. सं.	आवेदक का नाम जो दाखिल होना है	विक्रेता / भवन स्वामी का नाम जो खारिज होना है	मुहल्ला	वार्ड सं0	भवन सं0	कर निर्धारण / नामान्तरण का आधार
1	श्रीमती राईन रुकसाना बानू पत्नी पीर मुहम्मद नि0 अश्वद विला, फतेहवाड़ी, जुहापुरा, अहमदाबाद	श्री रामप्रकाश पुत्र रतीराम नि0 तिलक नगर गोहाण्ड तह0 सरीला जिला हमीरपुर	तिलक नगर गोहाण्ड	09	मकान	विक्रय पत्र
2.	श्रीमती देवकुमारी राजपूत पत्नी फूलसिंह नि0 नया रामनगर, उरई तथा प्रवीण कुमार एवं रणधीर कुमार पुत्रगण श्री भानसिंह नि0 गांधी नगर गोहाण्ड	श्री उपेन्द्र कुमार पुत्र वंशगोपाल निवासी जयप्रकाश नगर गोहाण्ड	कमला नगर गोहाण्ड	06	प्लाट	विकय पत्र

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत गोहाण्ड-हमीरपुर

अमृत विचार

कानपुर, गुरुवार,27 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

करंट लगने से युवक की थम गई सांस

औरैया। कंचौसी की पुरानी सब्जी मंडी में करंट लगने से 24 वर्षीय अंशुल यादव की मृत्यु हो गई। अंशुल स्व. मुकेश यादव के छोटे पुत्र थे। परिजनों के अनुसार, अंशुल यादव तीन भाई-बहनों में सबसे छोटे थे। उनके बड़े भाई भारतीय वायुसेना में कार्यरत हैं। यह परिवार पर दूसरी बड़ी विपत्ति है। कुछ ही दिनों पहले अंशुल के पिता मुकेश यादव का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया था।

चेकिंग में वाहनों के किए गए चालान

पनवाड़ी (महोबा)। यातायात माह में नियमों का उल्लघंन करने वालों के खिलाफ चेकिंग अभियान चलाकर पुलिस ने एक दर्जन से अधिक वाहनों के चालान किए। पनवाड़ी थाने के एसआई रामकिशन यादव, एससी पवन गौड़, एससी राजेंद्र सिंह, सिपाही रामकुमार तिवारी आदि ने महोबा रोड पर वाहनों की सघन चेकिंग की। दो पहिया, तिपहिया और चार पहिया वाहनों को रोककर उनके प्रपत्र चेक किए और खामियां मिलने पर एमवी एक्ट के तहत चालान किए। पुलिस ने बगैर हेलमेट बाइक चालकों को चेतावनी देते हुए चालान भी किए।

रेलवे ट्रैक पर मिला महिला का शव

फफूंद (औरैया)। थाना क्षेत्र के पाता रेलवे स्टेशन के पास रेलवै ट्रैक पर बुधवार की सुबह एक महिला का शव मिला, जिसकी शिनाख्त नहीं हो सकी है। महिला की उम्र लगभग 40 से 45 वर्ष बताई जा रही है। शव के पास से एक छोटा पर्स मिला, जिसमें कुछ नकदी और एक पुराना 500 रुपये का नोट था, जो अब प्रचलन में नहीं है। महिला के गले में एक चाबी और खाद की बोरी से बना एक थैला भी मिला है। उसकी नाक में पीले धातु का आभूषण पहने थी। पुलिस मान रही है कि महिला या तो ट्रेन यात्री थी या ट्रेन में सामान बेचने वाली हो सकती है। पुलिस ने महिला की पहचान के लिए जानकारी प्रसारित की है।

सुपर जायंट्स और बीसीसीए ने जीते मैच

दिबियापुर (औरैया)। सिटी हॉक्स क्रिकेट लीग में मंगलवार को रितिका सुपर जायंट्स और बीसीसीए ने शानदार जीत दर्ज की। पहले मुकाबले में बीसीसीए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 228 रनों का स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी यंग फाइटर्स की टीम मात्र 89 रनों पर ऑल आउट हो गई। रितिक गुप्ता को 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया। दूसरे मुकाबले में रितिका सुपर जायंट्स ने पहले बल्लेबाजी कर 217 रनों का स्कोर बनाया। जवाब में पावर हीटर की टीम सिर्फ 65 रनों पर सिमट गई। अनुज पाल पट्ट को 'मैन ऑफ द मैच' का पुरस्कार दिया गया।

महिला पेंशनर्स ने मौन जुलूस पर किया मंथन

महोबा। वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स सेवा संस्थान महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष पुष्पा सक्सेना की अध्यक्षता में पंडित दीनदयाल पेंशनर भवन में बैठक हुई, जिसमें 29 नवम्बर को कचहरी से तहसील तक मौन जुलूस में अधिक से अधिक पेंशनर महिलाओं को शामिल करने की रणनीति बनाई गई। संगठन मंत्री शहनाज परवीन ने बताया कि जुलूस निकालकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। इस मौके पर इन्द्रम्मा, गीता पाण्डेय, महरुनिशा, मन्नू साहू, कमलेश शर्मा, सत्यभामा आदि पदाधिकारी मौजूद रहीं।

पान किसानों का दर्द दूर करेगी संयुक्त समिति

किसान गोष्ठी में पान किसानों ने जिलाधिकारी को खेती में आने वाली समस्याओं का मांगा समाधान

मिला आश्वासन

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। राजकीय बहुउद्देशीय औद्यानिक इकाई में बुधवार को किसान मेला एवं गोष्ठी का बुधवार को जिलाधिकारी गजल भारद्वाज ने उद्घाटन किया। गोष्ठी में पान किसानों की ओर से समस्याएं उठाए जाने पर जिलाधिकारी ने सीडीओ की अध्यक्षता में संयुक्त समिति गठित कर रिपोर्ट तैयार करने और पान किसानों की समस्याओं का शासन स्तर पर निस्तारण कराने की आश्वासन दिया। सीडीओ ने किसानों को बागवानी की ओर कदम बढ़ाने को प्रेरित किया। औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र बरुआसागर के कीट विज्ञानी डॉ. निर्वेश सिंह ने बागवानी व फसलों में लगने वाले कीट की पहचान कर नियंत्रण की जानकारी दी।

गोष्ठी में पान किसानों ने बताया कि जिले में दैवीय आपदाओं से सुरक्षा की दृष्टि से पान की खेती संगठित रूप से की जाती है। ऐसे में किसानों को दूसरे लोगों की भूमि पर पान की खेती करनी पड़ रही है। उद्यान विभाग पान विकास योजना की पात्रता श्रेणी में कृषक की स्वयं की भूमि या रजिस्टर्ड लीज प्रमाण पत्र पर ही अनुदान देता है। इसके साथ ही पान बरेजा तक बिजली व्यवस्था और रास्ता न होने के कारण पान फसल का क्षेत्रफल लगातार घटता जा रहा है।

किसानों की समस्याएं सुनने के बाद जिलाधिकारी गजल भारद्वाज ने कहा कि जिले में पान की फसल को संरक्षित करने और पान की खेती में आ रही समस्याओं को दूर करने के लिए मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में उप जिलाधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी और जिला कृषि अधिकारी की संयुक्त समिति का गठन किया गया है, जो पान की खेती में आ रही समस्याओं को सूचीबद्ध कर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी, जिसके आधार पर पान किसानों की समस्याओं को शासन तक पहुंचाकर निस्तारण कराया जाएगा।

जिला उद्यान अधिकारी सुरेश कुमार ने कृषकों को आश्वासन दिया कि पान की खेती में आने वाली समस्याओं का चिह्नांकन कर किसानों की मदद के लिए हर सम्भव प्रयास किए जाएंगे। उद्यान विभाग की प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना से रूबरू कराते हुए बताया कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना और उन्नयन पर अधिकतम इकाई लागत 35 लाख रुपये की सीमा तक उद्यान विभाग बैंक लिंक्ड सब्सिडी के रूप में 35 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजनान्तर्गत ड्रिप, स्प्रिंकलर संयंत्रों की स्थापना व क्रय अधिकतम 80 से 90 प्रतिशत तक अनुदान देय है। किसान गोष्ठी का संचालन डॉ. हरीप्रकाश नामदेव ने किया। इस मौके पर भूमि संरक्षण अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी, सहायक उद्यान निरीक्षक सहित किसान मौजूद रहे।

किसान मेला एवं गोष्ठी का उद्घाटन करतीं डीएम गजल भारद्वाज। अमृत विचार

जिलाधिकारी ने मेला में लगाए गए स्टालों का निरीक्षण किया। अमृत विचार

बागवानी में तीन साल तक मिलेगा अनुदान

- उपनिदेशक भूमि संरक्षण ने जैविक कृषि और मोटे अनाज की विशेषता बताते हुए कृषि विभाग की योजनाओं की जानकारी दी। बताया गया कि नवीन उद्यान रोपण करने वाले कृषकों को बुन्देलखण्ड एवं विन्ध्य क्षेत्र औद्यानिक विकास योजना के अन्तर्गत एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में फलदार पौधों का रोपण करने पर प्रतिमाह 3000 रुपये की दर से तीन वर्ष तक अनुदान दिया जा रहा है। शाकभाजी, मसाला की खेती करने वाले किसानों को एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना में उन्नत किस्म के बीजों का वितरण किया जा रहा है।

मेले में विभाग और कंपनियों ने लगाए स्टाल

- मेले में उद्यान विभाग, कृषि विभाग, मत्स्य विभाग, पशुपालन विभाग, अरुणोदय सेवा संस्थान, आशियाना बॉयो एनर्जी फार्मर प्रोड्यूसर लिमिटेट, जैन इरीगेशन, रिव्यूलस इरीगेशन, नीर ग्रीन प्राइवेट लिमिटेट, सम्वर्द्धन एग्रोटेक, विनायक इण्डस्ट्रीज, तिरूपति स्ट्रक्चरल्स सहित सूक्ष्म सिंचाई निर्माता कम्पनियों ने स्टाल लगाए, जिनका जिलाधिकारी ने अवलोकन किया। इस अवसर पर पान की खेती में उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को जिलाधिकारी ने अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया।

मुंबई आतंकी हमले मारे गए लोगों को दी गई श्रद्धांजलि

संवाददाता, दिबियापुर (औरैया)

- विद्यालय के छात्रों और शिक्षकों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए
- मुंबई आतंकी हमले की बरसी पर आयोजित हुई श्रद्धांजलि सभा

अमृत विचार। पीबीआरपी अकादमी में 26 नवंबर को मुंबई आतंकी हमले के शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। विद्यालय के छात्रों और शिक्षकों ने देश की सुरक्षा में अपने प्राण न्यौछावर करने वाले वीर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

श्रद्धांजलि सभा का आयोजन 26 नवंबर को मुंबई आतंकी हमले की बरसी पर किया गया था। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. सौरव कश्यप ने शहीदों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद विद्यार्थियों ने मोमबत्तियां जलाकर दो मिनट का मौन रखा। उन्होंने देशभक्ति गीत, कविता और छोटे भाषणों के माध्यम से शहीदों के साहस, बलिदान और देशप्रेम को याद किया। विद्यालय के अध्यक्ष डॉ. ललित पाण्डेय और प्रबंधक इंजी. दिनेश पाण्डेय ने अपने संदेश में कहा कि 26/11 भारत की बहादुरी, एकता और अडिग संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने छात्रों को देशहित को सर्वोपरि रखने और जागरूक नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को देशभक्ति, वीरता और राष्ट्र-सेवा के मूल्यों से अवगत कराना था। अंत में, सभी उपस्थित छात्रों और शिक्षकों ने देश की शांति, एकता और सुरक्षा के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर उप-प्रधानाचार्य प्रशांत पुरवार, एक्टिविटी टीचर दिव्या दिवाकर, अक्षय दीक्षित, आनंद शुक्ला सहित अन्य स्टाफ के सदस्य मौजूद रहे।

शत-प्रतिशत कार्य पर बीएलओ सम्मानित

महोबा। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) 2026 के अन्तर्गत विधानसभा 230 महोबा में कुल मतदेय स्थल 332 में 328896 मतदाताओं का गणना प्रपत्र भरकर डिजिटाइज किए जाने का कार्य चल रहा है। भाग संख्या 13 प्राथमिक विद्यालय दुडैयां की बीएलओ आंगनबाड़ी कार्यकत्री रामकुमारी ने अपने भाग संख्या में कुल मतदाता 467 का शतप्रतिशत गणना प्रपत्र भरकर डिजिटाइजेशन का कार्य समय से पूर्ण कर प्रथम स्थान हासिल किया है। उप जिलाधिकारी ने राजकुमारी को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। उन्होंने 4 दिसम्बर तक गणना प्रपत्र भरकर जमा करने की अपील की है।

संविधान की शपथ लेते हुए छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

छात्र-छात्राओं को बताए गए मौलिक अधिकार

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- साईं कालेज में संविधान दिवस पर विचार गोष्ठी का हुआ आयोजन

अमृत विचार। साई डिग्री कालेज में बुधवार को संविधान दिवस के उपलब्ध में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में छात्र छात्राओं को संविधान की प्रस्तावना व उसके निर्माण में योगदान देने वाले महापुरुषों के त्याग, निष्ठा परिश्रम को नमन करते हुए उनके जीवन पर वक्ताओं ने प्रकाश डाला। गोष्ठी में प्राचार्य ने संविधान के मौलिक अधिकार एवं नीति तत्वों पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित लोगों संविधान के प्रति शपथ ग्रहण कराई।

गोष्ठी की शुरुआत मां सरस्वती व बाबा साहेब अम्बेडकर के चित्र पर कालेज के प्राचार्य डॉ. एलसी अनुरागी, साईं विधि महाविद्यालय के प्रचार्य शिवनारायण व प्रशासनिक अधिकारी बीके साहू ने संयुक्त रुप माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित कर कराई। गोष्ठी को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. अनुरागी ने कहा कि संविधान के मौलिक अधिकारों और नीति तत्वों पर प्रकाश डालने का अर्थ है कि संविधान में महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रावधानों पर चर्चा और स्पष्टीकरण किया गया है, जिसमें मौलिक अधिकारों की गारंटी और राज्य के नीति निर्देशक तत्वों के दिशा निर्देशों को समझाया गया है। मौलिक अधिकार नागरिकों के लिए हैं, जबकि नीति निर्देशक तत्व राज्य के लिए मार्ग दर्शन हैं और दोनों मिलकर एक कल्याणकारी और न्यायपूर्ण समाज की स्थापना करते हैं। विधि महाविद्यालय के प्राचार्य ने कहा कि देश के निर्माण में संविधान की उपयोगिता व देश को चलाने में संविधान की भूमिका का बहुत महत्व है। प्रशासनिक अधिकारी ने कहा कि एक संविधान देश के सर्वोच्च कानून के रूप में कार्य करता है जो समाज को नियंत्रित करने वाले सिद्धांतों और नियमों को निर्धारित करता है। यह सत्ता के दुरुपयोग को रोकता है, न्याय और समानता को बढ़ावा देता है और नागरिकों को निर्णय लेने में भाग लेने की अनुमति देता है। उन्होंने संविधान के अनुसार देश के विकास में योगदान को देने की बात कही।

क्रांति गौड़ ने बच्चों को सिखाए क्रिकेट के गुर

संवाददाता, बेलाताल (महोबा)

अमृत विचार। चिराग अकदमी के उद्घाटन पर आईं भारतीय महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ी क्रांति गौड़ को देखने के लिए खिलाड़ियों और क्रिकेट प्रेमियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। छोटे से गांव में पहुंची क्रांति गौड़ की भनक लगते ही ग्रामीण क्षेत्रों के साथ जिला मुख्यालय से तमाम लोग उन्हें देखने के लिए पहुंचे। उन्होंने बेलाताल में क्रिकेट का प्रशिक्षण ले रहे बच्चों को क्रिकेट के गुर सिखाए और बालिंग के टिप्स भी दिए।

जैतपुर में एसके महाविद्यालय के नजदीक कुलपहाड़ निवासी सुनील अग्रवाल के मैदान में चिराग अकदमी संचालित की गई, जिसका उद्घाटन बुंदेलखंड युवा क्रिकेट महिला खिलाड़ी विश्वकप विजेता क्रांति गौड़ ने फीता काटकर किया। उद्घाटन के समय खेल मैदान में क्रिकेट प्रशिक्षण ले रहे बच्चे और क्रिकेट प्रेमी पहुंच गए। उद्घाटन अवसर पर इंडियन क्रिकेट महिला खिलाड़ी ने कहा कि खेल को बढ़ावा देने के लिए अभिभावकों का सपोर्ट अवश्यक है। बिना अभिभावक सपोर्ट के लड़का हो या लड़की आगे नहीं बढ़ सकता। उन्होंने क्रिकेट प्रेमियो से कहा कि अभिभावक का भरोसा न तोड़े और आगे बढ़े।

उन्होंने कहा कि हमने जो सपने संजोए थे उसे देखने के लिए कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और आगे बढ़ने का प्रयास किया, जिसमें सफलता भी मिली। उन्होंने कहा कि अभिभावक लड़कों के साथ लड़कियों को खेल के लिए प्रोत्साहित करें, जिससे लड़की भी अपना नाम रोशन कर सके।

उन्होंने प्रशिक्षण ले रहे बच्चों का उनके पास जाकर परिचय प्राप्त किया तथा क्रिकेट खेलने के गुर सिखाये। अंत में चिराग अकदमी के कोच चिराग गुप्ता ने आए हुए अतिथियों के प्रति अभार जताया और मुख्य अतिथि विश्वकप खिलाड़ी को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष जयप्रकाश अनुरागी, कुलपहाड़ चेयरमैन वैभव अरजरिया, सुनील अग्रवाल, मोहित रावत, पंकज, मनोज चौबे, विनोद राजपूत सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

बच्चों को गेंदबाजी के गुर सिखातीं महिला क्रिकेटर क्रांति गौड़। अमृत विचार

- भारतीय महिला टीम की खिलाड़ी क्रांति गौड़ ने चिराग अकदमी का किया उद्घाटन

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की गई जान

अछल्दा (औरैया)। दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग पर बुधवार शाम 4 बजे बैशोली गांव के आगे खंभा नंबर 1118/5-7 पर अप रेलवे लाइन के किनारे खड़े एक युवक की हावड़ा से जोधपुर जा रही जोधपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। ट्रेन के लोको पायलट ने घटना की जानकारी अछल्दा स्टेशन मास्टर को दी, जिसके बाद रेलवे सुरक्षा बल के सतेंद्र कुमार और सिविल पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई। थाना पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। युवक ने हरी चेकदार शर्ट और डार्क नीली जैकेट पहन रखी थी। थाना प्रभारी निरीक्षक पंकज मिश्रा ने बताया शिनाख्त के प्रयास जारी हैं।

सुंदरकांड का पाठ करते संगठन के पदाधिकारी। अमृत विचार

हिन्दू युवा मोर्चा ने किया सुंदर कांड का पाठ

फफूंद (औरैया)। अयोध्या में श्री राम मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वज लगाए जाने के उपलक्ष्य में श्री महावीर धाम ककोर रोड फफूंद में सुंदरकांड का पाठ हुआ, जिसमें हिन्दू युवा मोर्चा के पदाधिकारी व क्षेत्रीय लोग पहुंचे। सुंदरकांड का पाठ 3 बजे से शाम तक चलता रहा। इस मौके पर बालकृष्ण मिश्रा, गौरव श्रीवास्तव, अनुराग धनगर, प्रशांत मिश्रा, अन्ना तिवारी, राम जी मिश्रा, नितिन तिवारी, विनोद तिवारी, अवनीश अवस्थी, शिवम चौबे, रवि पोरवाल, राजा श्रीवास्तव, दयानारायण मिश्रा, विष्णु दत्त शुक्ला, हिरदेश सक्सेना, मिथलेश पांडेय, राकेश पाल, पुष्पेंद्र गुप्ता आदि मौजूद रहे।

संविधान दिवस पर दिलाई शपथ

महोबा। पुलिस लाइन में एएसपी वंदना सिंह ने सामूहिक रूप से संविधान की प्रस्तावना का पाठ पढ़ाते हुए राष्ट्र की एकता और अखंडता बनाए रखने की शपथ दिलाई। सभी को मूल्यों, आदर्शों एवं मौलिक कर्तव्यों को आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया।

एएसपी ने कहा कि भारत गणराज्य का संविधान 26 नवम्बर 1949 को बनकर तैयार हुआ था। संविधान सभा ने इसे 2 वर्ष 11 माह 18 दिन में पूरा कर राष्ट्र को समर्पित किया। संविधान का कार्यान्वयन 26 जनवरी 1950 से प्रभावी हुआ।

रटकर कभी कामयाबी नहीं मिलेगी

संवाददाता बिधूना (औरैया)

अमृत विचार। कस्बे के प्रतिष्ठित होली चाइल्ड पब्लिक स्कूल के शिक्षक सुमित चौहान ने एक भेंट वार्ता के दौरान कुछ इस तरह से अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने छात्र छात्राओं को संदेश देते हुए कहा कि आज के समय में जॉब हो या फिर करियर प्रतियोगी परीक्षा के लिए तो आपको तैयार रहना ही है ।तैयारी के दौरान हमें तीन बातें खासतौर से ध्यान देना चाहिए , पहली नकारात्मक विचारों नकारात्मक लोगों से बिल्कुल दूर रहे क्योंकि ऐसे लोग आपकी सारी सकारात्मकता को नष्ट कर देंगे, दूसरी कॉन्सेप्ट पर ज्यादा ध्यान देना। रटकर कभी कामयाबी नहीं मिलेगी, तीसरी यह मत देखिए की सीट एक है, लाखों उम्मीदवार भाग ले रहे हैं, यदि यह देखेंगे तो निराशा में जा सकते हो।

शिक्षक सुमित चौहान। अमृत विचार

संविधान दिवस आदर्श इंटर कॉलेज में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

संविधान की शपथ दिला कर अधिकार व कर्तव्य बताए

संवाददाता, अछल्दा (औरैया)

अमृत विचार। कस्बे के हरीगंज बाजार स्थित श्री आदर्श इंटर कॉलेज में बुधवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण औरैया के अध्यक्ष जिला जज मयंक चौहान एवं सचिव महेश कुमार के निर्देशन में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संविधान दिवस के अवसर पर आमजन को अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कॉलेज के प्रधानाचार्य सुशील कुमार तिवारी ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर शिविर की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने सभी के हित में संविधान का निर्माण कर समाज में समानता, न्याय और स्वतंत्रता की नींव रखी। तिवारी ने बताया कि संविधान सभी को बराबरी का अधिकार देता है तथा समाज में ऊंच-नीच व छुआछूत जैसे भेदभाव को समाप्त करता है। उन्होंने सभी से संविधान के दायरे में रहकर अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने और कर्तव्यों का पालन करने की अपील की। इस दौरान रामलाल राही, पीएलवी ग्रुप लीडर राघवेंद्र प्रताप सिंह (राघव), पीएलवी योगेश कुमार स्वामी सहित अन्य वक्ताओं ने नागरिक अधिकारों के साथ कर्तव्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के उपाय बताए। वहीं कस्बा प्रभारी हेमलता उपनिरीक्षक ने मोबाइल-टीवी के दुष्प्रभावों एवं साइबर क्राइम से बचाव पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। शिविर में मौजूद शिक्षकों, छात्र-छात्राओं एवं आमजन को संविधान की शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में जानकारी देते हुए आपसी विवादों को सुलह-समझौते के आधार पर निपटाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय लोक अदालत का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। कार्यक्रम में दिनेश राव, जितेंद्र कुमार, रामसरोवर, अवनीश कुमार तिवारी, धीरेंद्र यादव, दीपू यादव, रघुनंदन सिंह, धीरेंद्र सिंह, मोहित कुमार, डॉ. वासुदेव कृष्ण, डॉ. वसुंधरा शुक्ला, फार्मासिस्ट नफीस अहमद, सीएससी अछल्दा, अल्पना पांडे, केशव राम मौर्य, ललित वर्मा, अरविंद कुमार, अश्वनी कुमार, गौरव यादव आदि उपस्थित रहे।

संविधान दिवस शपथ लेते आदर्श इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

किसानों ने अर्धनग्न होकर किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। जय जवान जय किसान एसोसिएशन के बैनर तले सदर तहसील में धरना-प्रदर्शन के 100वें दिन बुधवार को किसानों ने अर्धनग्न होकर प्रदर्शन किया। किसानों ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में घोटाले की जांच कराए जाने के लिए खून से खत लिखकर शासन को भेजा और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। किसानों का आरोप है कि भ्रष्टाचारियों को बचाया जा रहा है। बीमा राशि दलालों के खातों में भेजी गई है, जिससे वे बर्बाद हो गए हैं।

प्रशासनिक तंत्र और बीमा कंपनी की ओर से कोई सुनवाई न होने पर किसानों ने सदर तहसील में अर्धनग्न होकर प्रदर्शन कर विरोध जताया। किसान नेता गुलाब राजपूत के नेतृत्व में बड़ी संख्या में किसानों ने इस प्रदर्शन में हिस्सा लिया। किसानों का आरोप है कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, जो किसानों के हित में लाई गई थी, महोबा में भ्रष्टाचारियों के लिए कमाई का जरिया बन गई है। इफको टोक्यो के जिला प्रबंधक निखिल के खिलाफ मुकदमा दर्ज होने के बावजूद 90 दिनों से अधिक समय बीत जाने पर भी उनकी गिरफ्तारी न होना किसानों के गुस्से का एक बड़ा कारण है।

किसानों ने बताया कि सिजवाहा और ज़ौरैइया गांव के किसानों की जमीन का बीमा भुगतान मध्य प्रदेश के सागर स्थित दलालों के खातों में भेज दिया गया। वहीं, लोहारी गांव में जांच के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इन घटनाओं से किसानों की आर्थिक स्थिति अत्यंत दयनीय हो गई है। किसानों ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि भ्रष्टाचार से महोबा त्रस्त है और इस घोटाले का अंत होना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि भ्रष्टाचारियों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा और बड़े स्तर पर संघर्ष किया जाएगा।

सदर तहसील में अर्धनग्न होकर प्रदर्शन करते किसान। अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

छुट्टे पैसों को लेकर मारपीट, मुकदमा

मौदहा। बाइक में हवा डलवाने के बाद छुट्टे पैसों को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई। मामले में पिता सहित दो पुत्रों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। कस्बे के मोहल्ला मराठीपुरा निवासी प्रांशु पुत्र धर्मेंद्र ने कोतवाली में दिए शिकायती पत्र में बताया कि बीते मंगलवार को वह बस स्टैंड के आगे अपनी बाइक में हवा डलवाने गया था और हवा डलवाने के बाद सौ रुपये का नोट दिया। जिस पर दूकानदार शरीफ द्वारा फुटकर पैसों को लेकर विवाद किया जाने लगा और उसके पुत्र समीर और शाहरुख भी आ गए। उन्होंने गाली गलौज करते हुए तीनों ने उसे लाठी डंडों और लात घूसों से जमकर पीट दिया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने तीनों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

80 हजार कैश, जेवर लेकर महिला गायब

राठ। कोतवाली क्षेत्र के बिलरख गांव में एक महिला बुधवार की तड़के जेवर और 80 हजार रुपये समेट ढाई वर्षीय पुत्र के साथ प्रेमी संग चली गई। सुबह सोकर उठे परिजनों ने जब उसे नदारद देखा तो उनके होश उड़ गए। उन्होंने कोतवाली में तहरीर देकर बरामदगी की गुहार लगाई है। बिलरख गांव के निवासी धर्मेंद्र ने बताया कि महोबा जनपद के एक गांव का युवक पत्नी को बहला फुसलाकर कर अपने साथ ले गया है। बताया कि उसकी पत्नी घर में रखे समस्त जेवरातों व महिला समूह से निकाला गया 80 हजार रुपये के अलावा ढाई वर्षीय पुत्र को भी अपने साथ ले गई है। मामले में कोतवाली के प्रभारी इंस्पेक्टर ने बताया कि तहरीर मिली है, जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

मौन धारण कर जताया शोक

मौदहा (हमीरपुर)। राजस्व विभाग में लंबं समय से जुड़े अनुसेवक रामशरण के आकस्मिक निधन से सारे अमीन संघ में शोक की लहर दौड़ गई। जिसके बाद तहसील में अमीनों ने एक शोक सभा आयोजित कर दो मिनट का मौन धारण कर मृत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इस दौरान संगठन के जिलाध्यक्ष मोहम्मद रिजवान, महामंत्री राधेश्याम सोनी, तहसील अध्यक्ष राजकुमार, कोषाध्यक्ष रामप्रसाद, मोहित बाजपेई, अमित सिंह, संग्रह अमीन नीरज कुमार, संतोष कुमार सहित लगभग दो दर्जन से अधिक अमीन मौजूद रहे।

आगे आकर समाज में अपनी अहम भूमिका निभाएं महिलाएं

संवाददाता, बिवांर (हमीरपुर)

अमृत विचार। मुस्करा के सुरही में संचालित सरस्वती शिशु मंदिर में सप्तशती संगम का आयोजन हुआ, जिसमें राठ विधायक मनीषा अनुरागी पहुंचीं। छात्रों ने नाटक का मंचन कर दर्शकों का मंत्रमुग्ध कर दिया। छात्रों ने अपनी कला से दर्शकों को खूब गुदगुदाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला पूर्व प्रधान अंजना सिंह भदौरिया ने की।

विधायक मनीषा अनुरागी ने महिलाओं के सशक्तिकरण पर जोर दिया। महिलाओं को समाज में आगे ले जाने के लिए सरकार द्वारा चलाए जा रहे निम्न कार्यक्रमों के बारे में बात कर जागरूक किया। उन्होंने बताया कि महिला सशक्तिकरण का सबसे बड़ा उदाहरण महिला राष्ट्रपति राज्यपाल हैं, जो देश को आगे ले जाने के लिए तत्पर हैं। सरकार महिलाओं को उत्थान के लिए तत्पर है। इस मौके पर मुस्करा

सप्तशती कार्यक्रम को संबोधित करतीं विधायक मनीषा अनुरागी। अमृत विचार

ब्लॉक प्रमुख वीर नारायण राजपूत, जिला पंचायत प्रतिनिधि करन दहू, जिलामंत्री नरवेंद्र सिंह, श्री हीरानंद इंटर कॉलेज धौहल बुजुर्ग के प्रबंधक अनुराग मिश्रा, पीएनबी इंटर कॉलेज चिल्ली के प्रबंधक अजय पाल, राजपूत विद्यालय के प्रबंधक केशव सिंह गौतम, पूर्व मंडल अध्यक्ष भाजपा प्रमोद अग्रवाल, अनिल गुप्ता मौजूद रहे हैं। प्रबंधक ने विधायक को साल ओढ़ाकर कार्यक्रम का समापन कराया है। कार्यक्रम में एक सैकड़ा से अधिक महिलाएं मौजूद रहीं।

मौदहा में दिव्यांग क्रीड़ा प्रतियोगिता

मौदहा। कस्बे के ब्लॉक संसाधन केंद्र में तहसील स्तरीय दिव्यांग क्रीड़ा प्रतियोगिता हुई, जिसमें मौदहा और मुस्करा ब्लॉक के प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत बीईओ ने सरस्वती मां के चित्र पर माल्यार्पण कर किया।

प्रतियोगिता में तहसील के दोनों ब्लाकों के दिव्यांग बच्चों ने भाग लिया। दौड़ प्रतियोगिता में इमरान, अनुभव प्रथम, पीयूष और दीपक दितीय, रवि और अर्चना तृतीय रहे। कुर्सी दौड़ में सिलौली के अंश ने प्रथम स्थान पाया। बालिका वर्ग दौड़ प्रतियोगिता में मुटनी की दिव्यांशी प्रथम और अरतरा की राधा द्वितीय स्थान पर रहीं। इस दौरान स्पेशल एजुकेटर मयंक कुमार, अजीत सचान, मनोज तिवारी, हरिराम सहित अभिवावक मौजूद रहे। प्रतियोगिता में प्रथम, दितीय और तृतीय पाने वाले प्रतिभागियों के अलावा भाग लेने वाले प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

राठ में ट्रांसपोर्ट नगर बसाने की उठी आवाज

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

- व्यापारी बंधुओं की बैठक में डीएम के सामने उठाई गईं समस्याएं
- ड्राइविंग लाइसेंस के लिए कैंप व वाहनों की चेकिंग कराने की मांग

अमृत विचार। जिला व्यापार बंधु की बैठक बुधवार को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में उप्र उद्योग व्यापार मंडल और भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्षों ने राठ कस्बे की समस्याओं को उठाते हुए निस्तारण करने की मांग की। व्यापारियों ने राठ में ट्रांसपोर्ट नगर बसाने की आवाज उठाई ताकि बेतरतीब पार्किंग और जाम की समस्या से निजात मिल सके।

बैठक में उप्र उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष केजी अग्रवाल ने सहायक संभागीय परिवहन विभाग की ओर से कस्बे में ड्राइविंग लाइसेंस बनाने के लिए कैंप लगाने की मांग उठाई, ताकि आम लोग बिचौलियों के आर्थिक शोषण से बच सकें। उन्होंने कहा कि कस्बे में ट्रांसपोर्ट नगर बनाया जाए, ताकि ट्रक और प्राइवेट बस एक ही स्थान पर खड़ी हो सकें। उन्होंने कहा कि राठ डिपो में जलभराव एवं गंदगी की

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा बैठक करते डीएम। अमृत विचार

समस्या बनी हुई है, जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड रहा है। राठ डिपो के बाहर रोडवेज की बसें और प्राइवेट वाहन खड़े रहते हैं, जिससे जाम की समस्या बनी रहती है।

इसी तरह से भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष ब्रजेश गुप्ता ने जिलाधिकारी से राठ नहर बाईपास सेना रोड पर पाइप लाइन लीकेज होने के कारण सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे होने की समस्या बताई। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक पुलिस की ओर से शाम के समय दोपहिया और चार पहिया वाहनों की चेकिंग कराई जाए। राठ-पनवाड़ी रोड पर वाहन गलत दिशा में चलते हैं। इसकी मुख्य वजह सड़क की बदहाली है। इससे हादसों का अंदेशा रहता है। इस पर रोक लगाने की मांग की। बैठक के दौरान दर्जनों व्यापारी बंधु मौजूद रहे।

4 दिन में सूर्यघर के ऋण स्वीकृत करें

- **हमीरपुर।** डीएम घनश्याम मीना ने कलेक्ट्रेट सभागार में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा की। बैठक में वेंडर कल्प इन्टरप्राजेज के अभिषेक दीक्षित ने बैंकों द्वारा लोन मंजूर न करने की शिकायत की तो डीएम ने बैंक मैनेजरों को चार दिन में ऋण स्वीकृत करने के निर्देश दिए। यूपीनेडा के पीडी को निर्देश दिए कि जो बैंक समय से ऋण स्वीकृत न करें, तो मुझे अवगत कराएं। सीडीओ ने विद्युत विभाग के एसडीओ को निर्देश दिए कि तीन दिन में नाम परिवर्तन एवं भार परिवर्तन करें। अधिशासी अभियंता परीक्षण को निर्देश दिए कि अधिकतम तीन दिन में मीटर स्थापना एवं सोलर कंसीडर करें। बैठक में परियोजना प्रभारी आरबी ओझा, एलडीएम, विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता पंजीकृत वेंडर ने प्रतिभाग किया।

फंदे पर लटका मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

जरिया थाना क्षेत्र के चंडौल गांव में तौलिया के सहारे लटका मिला युवक

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

अमृत विचार। जरिया थाना क्षेत्र के चंडौत गांव में बुधवार की दोपहर एक युवक का शव संदिग्ध हालात में घर के एक कमरे में तौलिया के सहारे फंदे पर लटका मिला। युवक का शव देख परिवार में चीख-पुकार मच गई। हालात देख परिजनों को आत्महत्या पर यकीन नहीं है। उनका कहना है कि हत्या कर शव लटकाया गया है। पुलिस मामले की जांच-पड़ताल में जुट गई है।

चंडौत गांव के हल्के प्रसाद निषाद ने बताया कि उनका छोटा बेटा हरि सिंह (25) अविवाहित था और गुजरात में रहकर मेहनत-मजदूरी करता था। करीब 15 दिन पहले ही वह गांव आया था। उनका पूरा परिवार खेतों में झोपड़ी डालकर

हरि सिंह।

रहता है, जबकि खेती-किसानी वाले घर पर कोई नहीं रहता है। मंगलवार की शाम हरि सिंह खेत से गांव वाले घर चला गया था। बुधवार को करीब 11 बजे जब वे घर पहुंचे तो बेटा फंदे पर लटका मिला।

उनका कहना है कि मौके के हालात देखकर आत्महत्या पर कतई यकीन नहीं है। देखने से लगता है कि हत्या करने के बाद उसे फंदे पर लटकाया गया। तौलिया से कोई कैसे फांसी लगा सकता है। बड़े भाई भगवानदीन ने भी यही आशंका जताई। परिजनों के मुताबिक हरि सिंह के रिश्ते की बात चल रही थी और इसी साल उसके विवाह की तैयारी चल रही थी।

सूचना पर थाना प्रभारी दिनेश पांडेय पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे और प्रारंभिक जांच-पड़ताल की। उनका कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन परिजनों की आशंका के आधार पर पूरे मामले की गहराई से जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

युवती ने दुपट्टे से फांसी लगाकर की आत्महत्या

कुरारा। थाना क्षेत्र के पारा गांव के रामभरोसे की पुत्री आरती (20) ने मंगलवार की देर शाम करीब 8 बजे परिजनों से नाराज होकर कमरे के अंदर दुपट्टे का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। काफी देर तक कमरे से बाहर नहीं आने पर परिवार वालों ने देखा तो फंदे पर लटक रही थी। पिता ने थाने में सूचना दी। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। कोतवाली प्रभारी रामआसरे सरोज ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद सच्चाई सामने आएगी।

आरती।

संविधान दिवस पर जागरूकता गोष्ठी

कुरारा। संविधान दिवस पर समर्थ इंडिया की ओर से शंकरपुर में जागरूकता गोष्ठी हुई। इस दौरान महिलाओं, युवतियां और स्कूल छात्राओं को संविधान की उद्देशिका, संविधान में महिलाओं, लड़कियों के प्रदत्त अधिकार और कर्तव्यों पर चर्चा करते हुए डिजिटल हिंसा की रोकथाम के प्रति जागरूक किया।

इस दौरान तरंग लीडर ओमशांति, दिशा शुक्ला, मोहिनी, खुशबू, नम्रता, रागिनी द्वारा संविधान गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। आशा कार्यकर्ता शकुंतला और आंगनबाड़ी कार्यकत्री शकुंतला द्वारा डिजिटल हिंसा पर आयोजित कैलेंडर का विमोचन किया। स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में बच्चों ने प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के तहत संविधान के बारे में सवाल जवाब किए। इस दौरान बताया गया कि संविधान बनाने वालों 15 महिलाएं भी शामिल है। महिला और लड़कियों को संविधान में अनेक अधिकार दिए गए। इस दौरान प्रमुख रूप से कौशल्या, पिंकी, क्रांति, रेखा, प्रभा प्रमुख रूप उपस्थित रही।

बस ने बाइक में टक्कर मारी, युवक की मौत

संवाददाता, सरीला (हमीरपुर)

- चालक भागा, पुलिस ने बस को पकड़ा, परिवार में कोहराम

अमृत विचार। जरिया थाना क्षेत्र के सरीला जरिया मार्ग पर करियारी गांव के पास 21 वर्षीय बाइक सवार को प्राइवेट बस ने टक्कर मार दी। जिसमें बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची डायल 112 पुलिस ने सीएचसी में भर्ती कराया। हालत गंभीर होने पर उरई रेफर किया गया था। उरई ले जाते समय रास्ते मे मौत हो गई। मृतक इकलौता बेटा था।

अरविन्द।

क्षेत्र के करियारी गांव निवासी परमेश्वरी दयाल का बेटा अरविन्द (21) बाइक से जमखुरी गांव से घर जा रहा था। तभी करियारी गांव के पास प्राइवेट बस ने टक्कर मार दी। जिसमें बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची डायल 112 पीआरवी 1222 ने घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया है। प्राथमिक उपचार के बाद घायल की हालत गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज उरई रेफर किया गया था। पिता परमेश्वरीदयाल ने बताया कि उरई जाते समय रास्ते में रास्ते में अरविन्द की मौत हो गई। मृतक इकलौता बेटा था और अविवाहित था। दो बेटियां हैं दोनो बेटियों की शादी हो चुकी है। इस घटना से माता पिता व परिजनों में कोहराम मचा है। उरई में पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। थानाध्यक्ष दिनेश पांडेय ने बताया कि बस की टक्कर से युवक घायल हुआ था, जिसे उरई रेफर किया गया है। मौत होने की जानकारी नहीं है। बस को पकड़ लिया है। बस चालक भाग गया है।

एसआईआर पर कांग्रेस ने उठाए सवाल, बोले-जल्दबाजी क्यों

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

अमृत विचार। कांग्रेस पार्टी के हमीरपुर जिला अध्यक्ष गोविंद अहिरवार ने कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय नेतृत्व के आवाहन पर अपने आवास में प्रेस वार्ता कर वोटर लिस्ट को लेकर हो रहे एस आई आर (SIR) को लेकर सवाल उठाए हैं।

उन्होंने कहा कि आखिर सरकार को एसआईआर (SIR) करने की इतनी जल्दी क्यों है। उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव 2027 में है। लेकिन सरकार जल्दबाजी में एसआईआर (SIR) करा रही है। उन्होंने बताया कि अभी वर्तमान समय में मजदूर और कामकाजी वर्ग के परिवार ईट भट्टों में मजदूरी करने और बाहर प्रदेश के बड़े शहर दिल्ली, मुंबई इत्यादि में मजदूरी और

बुधवार को प्रेसवार्ता करते कांग्रेस जिलाध्यक्ष गोविंद अहिरवार। अमृत विचार

काम धंधा करने के लिए गए हुए हैं। तथा उनके घरों में या तो ताला लटका हुआ है या तो बुजुर्ग मां-बाप ही घरों में हैं। ऐसे में जनसंख्या का एक बड़ा वर्ग एसआईआर (SIR) से वंचित हो सकता है। उन्होंने कहा कि वह लोग सरकार से मांग करते हैं कि एसआईआर (SIR) की समय सीमा को बढ़ाकर जून-जुलाई तक कर दिया जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि यदि सरकार उनकी मांग को नहीं मानती है तो भविष्य में वह लोग जनहित के लिए और लोकतंत्र को बचाने के लिए आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। इस मौके पर कांग्रेस नेता दुष्यंत राजपूत, राजेश व शकील अहमद के अलावा अन्य तमाम कांग्रेसी मौजूद रहे।

कुपवाड़ में शहीद गोविंद यादव का गांव में अंतिम संस्कार

संवाददाता, कुरारा (हमीरपुर)

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के कुसमरा गांव निवासी फौजी जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा में शहीद होने पर उसका पार्थिव शरीर घर पहुंचने पर हजारों लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। बुधवार को राजकीय सम्मान के साथ गांव में उसका अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। जिसमें उसके छोटे भाई ने मुखाग्नि दी।

क्षेत्र के कुसमरा गांव निवासी गोविंद यादव (नायक) जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा में ड्यूटी के दौरान शहीद हो गए थे। मंगलवार को एंबुलेंस से उनका पार्थिव शरीर घर आया था। सेना के जवानों ने रात में सलामी देकर वापस चले गए थे। बुधवार को सुबह परिजनों ने शहीद का अंतिम संस्कार अपने खेत में किया। शहीद जवान के छोटे भाई भूपेंद्र यादव ने उसको मुखाग्नि दी। शोक के माहौल में

बुधवार को कुसमरा गांव में शहीद अरविंद यादव को श्रद्धांजलि देते अधिकारी और अन्य लोग। अमृत विचार

उनका अंतिम संस्कार किया गया। जिस एंबुलेंस से शव जम्मू कश्मीर से गांव आया था। वह रात में रुक कर सुबह अंतिम संस्कार होने के बाद ताबूत लेकर वापस लौट गई। भाजपा जिला अध्यक्ष सुनील पाठक सहित सदर विधायक डॉ.मनोज कुमार प्रजापति, अपर जिलाधिकारी विजय शंकर तिवारी, अपर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार गुप्ता सहित अन्य गणमान्य नागरिक, सामाजिक संगठन एवं ग्रामीण जन बड़ी संख्या में शामिल हुए। ग्रामीणों की मांग पर शहीद स्मृति द्वार व शहीद पार्क, व शहादत ग्राम घोषित कराए जाने के लिए जिलाध्यक्ष ने प्रयास करने का आश्वासन दिया। वहीं सपा सांसद अजेंद्र सिंह ने गांव जाकर परिजनों से शोक संवेदना व्यक्त की। अंतिम संस्कार के समय बड़ी संख्या में ग्रामीण व रिश्तेदार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

ड्यूटी में शहीद हुए जवान को यादव महासभा ने दी श्रद्धांजलि: जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा में ड्यूटी के दौरान गोली लगने से मरे सेना के नायक गोविंद सिंह को यादव महासभा ने उसके पैतृक घर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित करके जवान के परिजनों को ढांढस बंधाया। महासभा के जिला मीडिया प्रभारी नंदकिशोर यादव ने बताया कि कुरारा विकासखंड क्षेत्र के कुसमरा गांव निवासी गोविंद सिंह सेना में नायक पद पर जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा में तैनात था। गत 23 नवंबर को ड्यूटी के दौरान गोली लगने से उसकी मौत हो गई थी। 25 नवंबर को सेना के वाहन से देर शाम शव को गांव लाया गया सूर्यास्त हो जाने के कारण मंगलवार को जवान का अंतिम संस्कार नहीं किया गया।

बुधवार को जवान का गांव में ही अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार के दौरान अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा के जिला अध्यक्ष सुघर सिंह यादव, राजकिशोर यादव, महासचिव रमाशंकर यादव, बदलू फौजी, अनार सिंह आदि शामिल रहे। इन लोगों ने शहीद जवान को श्रद्धांजलि देकर परिजनों को ढांढस बधाते हुए सांत्वना प्रदान की।

धर्म-अध्यात्म

कथा व्यास ने पहले दिन कलश स्थापना का आध्यात्मिक महत्व बताया

कलश यात्रा के साथ श्रीमद् भागवत कथा की शुरुआत

संवाददाता, सुमेरपुर (हमीरपुर)

अमृत विचार। श्री गायत्री महायज्ञ के तीसरे दिन बुधवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा की शुरुआत श्री गायत्री विद्या मंदिर इंटर कॉलेज से हुई। जहां वैदिक मंत्रोच्चार के साथ महिलाएं सिर में कलश रख कर शोभायात्रा में आगे बढ़ी। सिर पर कलश धारण किए महिलाओं, युवा वर्ग और श्रद्धालुओं की लंबी कतारें माहौल भक्तिमय हो गया। रास्ते भर जगह-जगह यात्रा का पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया गया। वहीं बैंड बाजे और आकर्षक झांकियों ने यात्रा की भव्यता को और बढ़ा दिया।

कथा स्थल पर पहुंचने के बाद कथा व्यास पंडित दुर्गा प्रसाद द्विवेदी

सुमेरपुर कस्बे में श्री गायत्री महायज्ञ के तीसरे दिन बुधवार को कलश यात्रा निकाली गई। अमृत विचार

ने विधि-विधान से कलश स्थापना कर पूजन संपन्न कराया। उन्होंने पुराणों में वर्णित कलश स्थापना के महत्व को विस्तार से बताते हुए कहा कि कलश दिव्य ऊर्जा, शांति और समृद्धि का प्रतीक है। जल, पंचतत्वों और देव शक्तियों का प्रतिनिधित्व करने वाले कलश की स्थापना से वातावरण शुद्ध होता है तथा घर-परिवार में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है। उन्होंने कहा कि भारतीय सनातन परंपरा में कलश केवल एक पात्र नहीं बल्कि श्रद्धा, विश्वास और आध्यात्मिक चेतना का केंद्र माना गया है।इस मौके पर कथा परीक्षित कैलाश सोनी,रानी देवी,नगर पंचायत अध्यक्ष धीरेंद्र शिवहरे,राजकुमार सोनी सहित बड़ी संख्या लोग मौजूद रहे।

उधर यज्ञवेदी में तीसरे दिन भी गायत्री महामंत्र का जाप जारी रहा। 24 लाख मंत्र जाप के उपरांत के पूर्णाहुति के यज्ञ का समापन होगा। यज्ञवेदी में आचार्य माधव नारायण शास्त्री एवं यज्ञ के ब्रह्मा पंडित बलदेव प्रसाद शास्त्री, सह आचार्य उमादत शुक्ला के निर्देशन में कर्मकांडी ब्राह्मण मंत्र जाप में लगे हुए हैं। साथ ही मेला मैदान में महिलाएं घर गृहस्थी सामान खरीदने के साथ झूला आदि का आनंद ले रहे हैं। महायज्ञ के आयोजकों ने बताया कि पूरे सप्ताह चलने वाले इस आयोजन में प्रतिदिन भजन, कथा और यज्ञ की विशेष श्रृंखलाएं आयोजित होंगी। श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ से क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है।

अध्यक्ष ने परखा एसआईआर कार्य

कुरारा (हमीरपुर)। क्षेत्र के बचरौली गांव के विद्यालय में बीएलओ द्वारा भराये जा रहे एसआईआर फार्म का नगर पंचायत अध्यक्ष ने निरीक्षण किया। जहां 190 फार्म भरे मिले।

बचरौली में बीएलओ सुख नंदन सिंह की ओर से एसआईआर फार्म का कार्य किया जा रहा है। बुधवार को नगर पंचायत अध्यक्ष कुरारा आशारानी कबीर ने निरीक्षण किया। जिसमें उन्होंने बीएलओ सुखनंदन सिंह से फॉर्म भरने में आ रही समस्याओं के बारे में पूछा तो उन्होंने बताया कि गांव की महिलाएं वोटर लिस्ट नहीं उपलब्ध करा पा रही है। जिससे फॉर्म भरने में देरी हो रही है। जिससे परेशानी का सामना करना पड़ता है। वही मौके पर 190 फॉर्म भरे पाए गए। इस मौके पर गणेश तिवारी, मुलायम सिंह, भोलेंद्र सिंह, अनूप शर्मा आदि मौजूद रहे।

गोहांड में नगर पंचायत में शपथ लेते कर्मी। अमृत विचार

भारतीय संविधान ने हर वर्ग को दिए समान मौलिक अधिकार

हमीरपुर। संविधान दिवस पर बसपा कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर बसपा नेता रामफूल प्रजापति ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि संविधान ने हर वर्ग को मूलभूत अधिकार प्रदान किए है। जिससे हमें स्वतंत्रता, विचारों की अभिव्यक्ति व अधिकार मिलते है। इस मौके पर बड़ी संख्या में बसपा कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

उधर, गोहांड नगर पंचायत कार्यालय में संविधान दिवस पर कर्मचारियों ने शपथ ली। संविधान दिवस शपथ समारोह में नीलेश कुमार, लिपिक विशाल, प्रेम नारायण, यशेन्द्र, प्रेमचंद सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

अमृत विचार

कानपुर, गुरुवार, 27 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

एसपी ने दिलाई प्रस्तावना की शपथ

चित्रकूट। संविधान दिवस के अवसर पर पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने अधिकारियों, कर्मचारियों को संविधान के प्रस्तावना की शपथ दिलाई। एसपी ने संविधान के विषय में बताया। बाद में पुलिस कार्यालय का भ्रमण किया। वाचक राजीव कुमार सिंह, निरीक्षक एलआईयू नागेंद्र भूषण पांडेय, आईजीआरएस प्रभारी निरीक्षक नागेंद्र नागर आदि मौजूद रहे। अपर पुलिस अधीक्षक सत्यपाल सिंह ने पुलिस लाइन में, क्षेत्राधिकारी राजापुर राजकमल, मऊ फहद अली ने अपने अपने कार्यालयों में संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलाई।

बीडीओ ने दिलाई संविधान की शपथ

मानिकपुर (चित्रकूट)। खंड विकास कार्यालय में संविधान दिवस के अवसर पर खंड विकास अधिकारी पवन सिंह ने अधिकारियों व कर्मचारियों को शपथ दिलाई। इस दौरान एडीओ पंचायत मोहन सिंह, ग्राम विकास अधिकारी कमलाकर सिंह, तकनीकी सहायक रमेश तिवारी, पवन सिंह, विष्णु विश्वकर्मा आदि मौजूद रहे।

सेमरिया जगन्नाथ में हुई महाआरती

चित्रकूट। अयोध्या में ऐतिहासिक धर्मध्वजा स्थापना की खुशी में सेमरिया जगन्नाथवासी गांव में बजरंगदल कानपुर प्रांत की अगुवाई में श्री हनुमान महाआरती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों ने बढ़चढ़कर भाग लिया। इस मौके पर बजरंगदल ग्राम समिति का गठन किया गया और कृष्ण कुमार गर्ग को इसका संयोजक बनाया गया। इस मौके पर बजरंग दल जिला संयोजक अंकित पटेल, विश्व हिंदू परिषद मठ मंदिर प्रमुख अजय मिश्रा, ओमराज तिवारी, रामेश्वर गर्ग, रामविलास गर्ग, रामकिशोर, राजा, राजाराम रैकवार, पवन, विपिन पांडेय, देवांश पांडेय, रज्जू गर्ग मौजूद रहे।

विधायक ने किया कार्यों का शिलान्यास

मानिकपुर (चित्रकूट)। विधायक अविनाश चंद्र द्विवेदी ने बुधवार को सिंचाई प्रखंड प्रथम, कर्वी अंतर्गत बरदहा बांध, ओहन पूर्वी शाखा एवं ओहन पश्चिमी शाखा के पुनर्स्थापना कार्यों का शिलान्यास किया। इस दौरान बताया गया कि बरदहा बांध के पुनर्स्थापना परियोजना के अंतर्गत बांध की क्षतिग्रस्त पीचिंग की मरम्मत, जलनिकासी के लिए ड्रेन का निर्माण लिया गया है। ओहन पूर्वी शाखा एवं मोहन पश्चिमी शाखा की मरम्मत का कार्य प्रस्तावित है।

एसपी ने दिए बीट प्रणाली को सुदृढ़ बनाने के निर्देश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने बुधवार के बीट प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में बैठक की। अधिकारियों की बीट बुक को चेक किया गया एवं प्रणाली को सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए। कानून व्यवस्था एवं अपराध पर नियंत्रण के लिए बताया।

कंचौसी रेलवे क्रॉसिंग पर जाम का झाम

कंचौसी (औरैया)। रेलवे क्रासिंग पर मंगलवार बीती रात्रि तीन से बुधवार सुबह 7 बजे तक जाम लगा रहा। क्रासिंग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें देख दोपहिया व अन्य हल्के वाहन रास्ता बदलकर दिबियापुर, परजनी और कानपुर देहात के झीझक से गंतव्य की ओर निकल गए।

सीडीओ के औचक मुआयने से हड़कंप, कई का वेतन रोका

विकास भवन के कार्यालयों में अचानक पहुंचीं सीडीओ अमृतपाल

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

विकास भवन में उपस्थिति रजिस्टर देखतीं मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर।

अमृत विचार। मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर ने बुधवार को विकास भवन में चल रहे कार्यालयों का औचक मुआयना किया। सीडीओ के अचानक कार्यालय पहुंचने से अधिकारियों और कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। कई क्लर्कों और संविदाकर्मियों के गैरहाजिर मिलने पर सीडीओ ने संबधित विभागीय अधिकारी को इनका वेतन और मानदेय रोकने के निर्देश दिए।

सीडीओ बुधवार लगभग सवा दस बजे विकास भवन पहुंचीं। अचानक उनको देख वहां हड़कंप मच गया। अधिकारियों और कर्मचारियों ने तेजी से अपने पटलों की ओर रुख किया। सीडीओ ने जिला ग्राम्य विकास अभिकरण कार्यालय कक्ष में निष्प्रयोज्य पड़ी सामग्री की नीलामी करने व खराब फोटोकापी मशीन को तत्काल ठीक कराने के निर्देश दिए। विकास भवन में संचालित इंडियन बैंक शाखा के पास स्थापित खराब आरओ संयंत्र को हटाने को कहा। उपायुक्त स्वतः रोजगार कार्यालय में विकास मिश्रा 19 नवंबर से बिना किसी सूचना के अनुपस्थित पाए गए। इस पर उन्होंने कार्यालयाध्यक्ष को अनुपस्थिति दिवसों का मानदेय बाधित करने के निर्देश दिए। उद्यमी मित्र सुधा सिंह, जिला समाज कल्याण कार्यालय के शिव पूजन अनुपस्थित पाए गए। बताया गया कि जिला समाज कल्याण अधिकारी राज्य निगरानी समिति सदस्य राधा वाल्मीकि के भ्रमण कार्यक्रम के संबंध में गेस्ट हाउस गए थे। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी एवं जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी भी कार्यालय कक्ष में अनुपस्थित मिले। जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय निरीक्षण के दौरान सीडीओ को हरवीश कुमार, यशवंत यादव, राहुल शुक्ला, कमलेश गुप्ता अनुपस्थित मिले। सीडीओ ने सभी का एक दिन का मानदेय रोकने के निर्देश दिए।

विभागीय कार्रवाई कर अवगत कराएं

- सहायक चकबंदी अधिकारी क्षेत्र कर्वी की उपस्थिति पंजिका में रंजिता सिंह 13 अक्टूबर से अनुपस्थित पाई गईं। मुख्य विकास अधिकारी ने एसओसी को निर्देश दिए कि संबंधित कार्मिक पर कार्रवाई कर अवगत कराएं। जिला विकास कार्यालय में उपस्थिति पंजिका में जीप चालक राघवेंद्र सिंह चार महीने से गैरहाजिर मिले। इस पर उन्होंने जिला विकास अधिकारी से इनके खिलाफ चार्जशीट बनाकर विभागीय कार्रवाई करने को कहा।

पूरब पताई में एक दिसंबर से होगा विराट इनामी दंगल

मऊ (चित्रकूट)। एक व दो दिसंबर को पूरब पताई में इनामी दंगल का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी पूर्व प्रधान वरिष्ठ भाजपा नेता ठाकुर हरकेश बहादुर सिंह ने दी। सिंह ने बताया कि गांव में ऐतिहासिक रामलीला का भी मंचन लगातार जारी है। दूरदराज के लोग प्रभु श्रीराम की लीला को देखने के लिए पहुंच रहे हैं। उन्होंने बताया कि पूरब पताई में लोक संस्कृति को सहेजते हुए प्राचीन परंपरा अनुसार 30 नवंबर से पांच दिसंबर तक मेले का भी आयोजन किया जाएगा। भाजपा नेता ने बताया कि ग्रामीणांचल की समृद्ध लोक संस्कृति की परंपरा में सहभागिता निभाने के लिए दूरदराज से लोग आते हैं। वर्षों पुराने इस आयोजन को गांव के लोग बड़े धूमधाम से मनाते हैं। आयोजक मंडल में मुख्य रूप से बार एसोसिएशन मऊ के पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट कुंवर बृजेश सिंह, मलखान सिंह, पुष्प नारायण द्विवेदी, राजू तिवारी, रामप्रकाश सिंह, रमाशंकर सिंह, एडवोकेट अमन सिंह सहित अन्य लोग हैं। इनकी देखरेख में यह भव्य आयोजन किया जा रहा है।

किसान-मजदूर विरोधी कॉरपोरेट परस्त है सरकार

ज्ञापन सौंपते किसानसभा के लोग। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

अमृत विचार। किसान आंदोलन की पांचवीं वर्षगांठ पर उप्र किसान सभा की जिला इकाई ने सरकार पर वादाखिलाफी तथा कारपोरेट के हाथों खेती किसानी सौंपने की तैयारी करने का आरोप लगाया। किसानों ने इस मौके पर जुलूस निकालकर विरोध प्रदर्शन किया।

किसान सभा की राज्य कार्यकारिणी सदस्य अधिवक्ता रुद्र प्रसाद मिश्र ने कहा कि आजादी से पूर्व से चले आ रहे श्रमिक हितैषी श्रम कानूनों को खत्म कर सरकार ने चार मजदूर विरोधी संहिताएं लागू कर दीं। मोदी सरकार ने किसानों से लिखित में किए वादों को आजतक पूरा नहीं किया और कारपोरेट पूंजीपतियों को लाभ दे रही है। जिलाध्यक्ष विजय कुमार ने एमएसपी का कानून बनाने की आवश्यकता बताई। इसके अलावा ब्लॉकों में सरकारी मंडियां स्थापित किए जाने, किसानों और कृषि मजदूरों के लिए व्यापक ऋण माफी योजना घोषित किए जाने, बिजली बिल 2025 तुरंत वापस लेने, बिजली का निजीकरण रोकने सहित कई मांगे उठाई। इस मौके पर शिवप्रसाद, वीर बहादुर सिंह, पूनम, रामप्रताप, रामनरेश, अमृतलाल, शांतिराम, मंघूमन, गिरधर, रमाशंकर आदि मौजूद रहे।

पीएम पोषण योजना के तहत स्कूलों में बनेंगे किचन गार्डेन

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

- स्थान न होने वाले विद्यालयों में बेल वाली सब्जियां लगाई जाएंगी

अमृत विचार। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने बताया कि पीएम पोषण योजना के तहत संचालित विद्यालयों में स्कूल न्यूट्रिशिएन गार्डेन विकसित किए जाने हैं। इसके तहत परिषदीय / राजकीय विद्यालयों में पाली /ग्रो बैग मटके, बोरे, जूट के थैले, क्यारी एवं गमलों में छोटे आकार के किचन गार्डेन विकसित किए जाएंगे।

जनपद में पर्याप्त स्थान न होने वाले विद्यालयों में दीवारों के सहारे बेल वाली मौसमी सब्जियों लौकी, तोरई आदि तथा बरामदे आदि स्थानों पर गमलों में मौसमी सब्जियों टमाटर, हरी मिर्च, धनिया, भिंडी, बैगन आदि के पौधे लगाए जा सकते हैं। बताया कि गत वर्षों में 410 परिषदीय / राजकीय विद्यालयों में 5000 रुपये प्रति विद्यालय की दर से धनराशि भेजी गई है। वर्तमान में 859 विद्यालयों में 2000 रुपये प्रति विद्यालय की दर से किचन गार्डेन विकसितीकरण के अंतर्गत धनराशि दी जा रही है। सभी प्रधानाध्यापक किचन गार्डन विकसित कराकर फोटोग्राफ्स रखरखाव भी करेंगे।

देश की लोकतांत्रिक आत्मा का परिचायक है संविधान : डीएम

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

संविधान की शपथ ग्रहण कराते जिलाधिकारी पुलकित गर्ग। अमृत विचार

- संविधान दिवस पर जगह जगह हुए कार्यक्रम

अमृत विचार। संविधान दिवस पर कलेक्ट्रेट सभागार में गोष्ठी हुई। इस दौरान जिलाधिकारी पुलकित गर्ग के साथ अन्य अधिकारियों, कर्मचारियों ने संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया। जिलाधिकारी ने कहा कि संविधान दिवस नागरिकों को यह स्मरण कराता है कि संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं बल्कि भारत की लोकतांत्रिक आत्मा का परिचायक है।

कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी उमेश चंद्र निगम, अपर उप जिलाधिकारी अजय कुमार यादव आदि मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने कहा कि संविधान दिवस की शुरुआत 2015 में की गई थी कि नागरिकों में संवैधानिक मूल्यों न्याय, स्वतंत्रता, समानता एवं बंधुत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके। 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने भारत के संविधान को अंगीकृत किया था। यह दिन हम सभी को अपने कर्तव्यों, अधिकारों और राष्ट्र के प्रति दायित्वों को पुनः समझने और निभाने का संकल्प दिलाता है। शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी कार्यालयों और सामाजिक संगठनों में भी कानूनी साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम, विचार गोष्ठियां आदि का आयोजन किया गया। राजापुर संवाददाता के अनुसार, में तहसील सभागार में संविधान दिवस के अवसर पर संगोष्ठी की गई। इस दौरान संविधान के प्रति निष्ठा, समर्पण की शपथ भी दिलाई गई। उप जिलाधिकारी फूलचंद्र यादव, तहसीलदार भारतप्रताप सिंह ने डा. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस दौरान एडवोकेट अनुज शुक्ला, भानु प्रताप शुक्ला, जन्मेजय शुक्ला, संजीव पांडेय, संजय मिश्रा, सुशील सिंह परिहार, शंकर दयाल जायसवाल, मंगल पांडेय, राजेश कुमार तिवारी, रमन मोदनवाल आदि मौजूद रहे।

गौशाला में खुले में रहने को विवश हैं गोवंश

रामनगर: आकांक्षी ब्लॉक रामनगर में जिम्मेदारों द्वारा बार-बार निर्देश दिए जाने के बाद भी लापरवाह सचिव एवं ग्राम प्रधान द्वारा जमकर लापरवाही की जा रही है।

क्षेत्र की कुछ गौशाला छोड़कर बाकी सभी गौशाला में संरक्षित बेजुबान जानवर और गोवंश खुले में सर्दी की रात काटने में खुले में रहने को विवश हैं यह हालत तब है जब जिलाधिकारी से लेकर बीडीओ तक बार-बार गौशाला की व्यवस्था सुव्यवस्थित रखने के निर्देश जारी करते हुए दिख रहे हैं। बीते दिनों बीडीओ रामनगर के द्वारा बैठक में सभी ग्राम पंचायत के सचिव एवं प्रधानों को गौशाला में संरक्षित गोवंशों को ठंड से बचाव हेतु आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए थे लेकिन अधिकांश गौशाला में जानवरों को ठंड से बचाव के लिए कोई कदम नहीं उठाये गए।

6 संपर्क मार्गों की मरम्मत को मंजूरी, जल्द शुरू होगा काम

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

- डीएम ने कहा, क्षतिग्रस्त अन्य संपर्क सड़कों की भी मरम्मत को शीघ्र मिलेगी स्वीकृति

अमृत विचार। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने बताया कि मंडी परिषद द्वारा कृषि उत्पाद को मंडी स्थल तक सुगमता से लाने के उद्देश्य से 36 संपर्क मार्गों का निर्माण कराया गया है। इनकी कुल लंबाई 59.014 किमी है। सड़कों की गड्ढा मुक्तिकरण योजना के तहत शासन ने छह संपर्क मार्गों के मरम्मत की स्वीकृति दी है।

जिलाधिकारी ने बताया कि कई और संपर्क मार्ग क्षतिग्रस्त हो गए हैं। इनकी मरम्मत शासन की स्वीकृति के बाद कराई जाएगी। बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 की कार्ययोजना के प्रथम चरण में छह संपर्क मार्गों की स्वीकृति मिली है, जिनकी कुल लंबाई 12.50 किमी है। स्वीकृत लागत राशि 259.91 लाख रुपये है। इनमें असोह से मछियार संपर्क मार्ग (2.50 किमी), सिमरा से धौनेहा संपर्क मार्ग (2.40 किमी), सिमरा से धौनेहा संपर्क मार्ग का 1.60 किमी का अवशेष भाग, कर्वी-मऊ मार्ग से ददरी संपर्क मार्ग (2.50 किमी), परसिद्धपुर सगवारा मार्ग से नंदी तालाब के पास से लोहदा आबादी तक संपर्क मार्ग (1.50 किमी) एवं गनीवां फार्म के आगे श्रमदान से लोहरुमापुरवा तक संपर्क मार्ग (2 किमी) शामिल हैं। बताया कि इन संपर्क मार्गों का मंडी परिषद (निर्माण) बांदा द्वारा शीघ्र ही मरम्मत कार्य शुरू किया जाएगा।

पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह को पुस्तक भेंट करते पत्रकार। अमृत विचार

अधिकारियों, अधिवक्ताओं को भेंट की संविधान की पुस्तक

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

अमृत विचार। संविधान दिवस के अवसर पर चित्रकूट प्रेस क्लब के अध्यक्ष सत्यप्रकाश द्विवेदी और पत्रकार संजय साहू ने भारत का संविधान पुस्तक सरकारी विभागों के अधिकारियों व अधिवक्ताओं को भेंट की।

दोनों पत्रकारों ने पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह, एडीएम उमेश चंद्र निगम, नगर पालिका अधिशाषी अधिकारी लालजी, गनीवां चौकी प्रभारी अनिल गुप्ता, यातायात प्रभारी शैलेंद्र सिंह, कोतवाली प्रभारी श्याम प्रताप पटेल, आबकारी अधिकारी अखिलेंद्र बहादुर सिंह, अधिवक्ता रुद्र प्रसाद मिश्रा, रामकृष्ण सोनी, शिवचंद्र सिंह, अखिलेश सोनकर आदि को संविधान संबंधी पुस्तक दी।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैने अपना नाम MOHAMMAD EHTISHAM से बदलकर EHAT RAM रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। C/0-FARAHA, ADD-GRAM TIRGAWAN, POST-RAHIMABAD, DIST-LUCKNOW-227117 (U.P.)

सूचना

मैं अर्जुन कश्यप पुत्र समली, निवासी आसायस, उन्नाव, उ0प्र0 , मेरे आधार कार्ड व पैनकार्ड पर मेरा नाम अर्जुन कश्यप अंकित है जबकि पासपोर्ट पर मेरा नाम अर्जुन अंकित हो गया है। अतः पासपोर्ट में मेरा नाम अर्जुन के स्थान पर अर्जुन कश्यप अंकित किया जाय।

बेदखली सूचना

मेरे बड़े पुत्र आशिफ खान का चाल– चलन ठीक नही है और वह मेरे कहने सुनने में नही है। आशिफ खान के गलत कार्यो एवं व्यवहार के कारण मैंने उसे अपनी समस्त चल– अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। आशिफ खान के किसी कार्य से मेरा सम्बन्ध नहीं है। **अबूशाद खान पुत्र मो.इदरीश खान निवासी ग्राम सुरौली, थाना गोसाईगंज जिला सुलतानपुर**

सूचना

मैं **बबीता सिंह पत्नी ईश्वर सिंह, निवासिनी– ग्राम देवलसा,पोस्ट –जिवधारा थाना बखिरा जनपद संत कबीर नगर,** मेरा हाईस्कूल अंकपत्र अनुकमांक–2721749 वर्ष 2014 वास्तव में खो गया है।

सूचना

यह कि मैरे पुत्र शिवम व पुत्र वधू मोहनी पत्नी शिवम का चाल चलन सही न होने कारण उनसे संबध विच्छेद करके अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया। अब उनके कार्यो की वह दोनो जिम्मेदार होंगे। मेरा कोई ताल्लूक वास्ता नही रहेगा। **शिवसिंह ऊर्फ शिवकुमार पुत्र मेवाराम निवासी सिखवापुर मौजा जैनपुर थाना ठठिया, जनपद कन्नौज**

सूचना

सर्व विदित हो कि मैं **रिहाना, फैजान अंसारी, मो. सूफियान पत्नी व पुत्र स्व. मो.अली 193/19 गौस गंज अमीनाबाद लखनऊ** ने अपने पुत्र/भाई मो.रिजवान से पूर्ण संबंध विच्छेद कर लिया है उनके द्वारा करे गये किसी कार्य से हम सबका कोई सरोकार नहीं होगा।

सूचना

मैने अपना नाम MOHAMMAD ASHIF से बदलकर MD ASHIF रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-HAKIMUDDIN ADD-RAHIMABAD KAUDUHAR] PO-BAMHRAULI, DIST-ALLAHABAD PRAYAGRAJ-211012 (U.P.)

सूचना

मैने अपना नाम MOHAMMAD ILYAS से बदलकर MOHD ILYAS BEG रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-LATE MOHD ISHAQ ADD-HOUSE No-6 MARWA APPERTEMENT, SARAI AAGHA MEER NADAN MEHAL ROAD DIST-LUCKNOW-226003 (U.P.)

सूचना

सूचित हो कि पहले मेरा नाम MOHAMMAD JAFAR था से बदलकर MO JAFAR रख लिया है। अब मुझे MO JAFAR के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-MO JAMAL ADD-99 JODHEPUR POST-ATHEHA DIST- PRATAPGARH-230125 (U.P.)

सूचना

मैने अपना नाम MOHAMMAD YOUSUF से बदलकर MOHD YUSUF रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0- MOHD AFAQ ADD-214 MUZAFFAR KHEDA SAROSA BHAROSA DIST-LUCKNOW-226008 (U.P.)

सार्वजनिक सूचना

मैं घोषणाकर्ता वसी अहमद आयु लगभग 65 वर्ष पुत्र स्वर्गीय नबी अहमद निवासी ग्राम साहिलामऊ, रहमान खेड़ा, मलिहाबाद पोस्ट–काकोरी तहसील व थाना मलिहाबाद जिला लखनऊ का निवासी हूं। मैं शपथ पूर्वक घोषणा करता हूं कि मैंने अपने पुत्र मुईद अहमद व उसकी पत्नी जेबा खान के बुरे बर्ताव वह आचार– व्यवहार से तंग आकर अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति एवं गृहस्थी के समान से पूर्ण रूप से बेदखल कर संबंध विच्छेद कर लिया है। भविष्य में अपने पुत्र मुईद अहमद व उसकी पत्नी जेबा खान द्वारा किए गए किसी भी अच्छे या बुरे क्रिया कलापों व लेन–देन से मेरा वह मेरे परिवार का कोई सरोकार नहीं है। यह निर्णय मेरा है, जो मैंने बिना किसी जोर दबाव के भली–भांति सोच समझ कर लिया है। **घोषणाकर्ता – वसी अहमद, ग्राम साहिलामऊ रहमान खेड़ा, मलिहाबाद लखनऊ उ.प्र.**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सरोज दुबे पुत्री श्री बाबूलाल दुबे निवासी गोरा बाजार पीएसी गेट के सामने का स्थानान्तरण प्रमाण–पत्र (एसआर नं.–7262) त्रुटिपूर्ण प्रविष्टि के कारण निरस्त कर दिया गया तथा नये संशोधित स्थानान्तरण प्रमाण–पत्र को विद्यालय से प्राप्त कर ले। यदि त्रुटिपूर्ण स्थानान्तरण प्रमाण–पत्र आपके द्वारा या किसी अन्य के द्वारा प्रयोग में लाया जाता है तो इसकी स्वयं उसकी जिम्मेदारी होगी।

प्रधानाचार्य
संत कंवर राम इंटर कालेज
रायबरेली

स्वास्थ्य | लगातार बढ़ता एक्यूआई का स्तर हो सकता है घातक, पराली जलाने से ज्यादा समस्या

जिले की आबोहवा को भी लग रहा प्रदूषण का ग्रहण, 130 तक पहुंचा एक्यूआई

संवाददाता, मऊ (चित्रकूट)

सीमावर्ती इलाके में खेतों में जल रही पराली। अमृत विचार

अमृत विचार। बड़े शहरों की ही आबोहवा प्रदूषित नहीं, सांसों में जहर घोलती हवा अब गांव-कस्बों में भी तेजी से फैल रही है। अपना जिला भी इससे अछूता नहीं। प्रदूषण और पर्यावरण की स्थिति को बताने वाले आईक्यू एयर डाट काम और ऐसे कई एप और अन्य स्रोतों से मिली जानकारियां इस भयावह सच को उजागर कर रही हैं कि अगर अब भी नहीं चेते तो देर हो जाएगी।

पिछले कई दिनों से तेजी से बदलते मौसम के बीच गिरते पारे ने ठिठुरन महसूस कराई है तो वहीं बढ़ता वायु प्रदूषण चिंता का कारण बनता जा रहा है। बीते दिन दोपहर बाद मौसम ने तेजी से करवट बदली। इससे अधिकतम तापमान 2.6 डिग्री की गिरावट के साथ 26.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान गिरकर 14 डिग्री पहुंचा। बढ़ते धुंध और प्रदूषण के कारण स्मॉग (धुएं और कोहरे का मिश्रण, धुआंसा) की चादर सुबह शाम सड़कों पर बिछी नजर आती है। वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) भी 120 के आसपास घूम रहा है, जबकि यह अब तक 100 से नीचे ही था। मौसम विभाग ने उत्तर-पश्चिम की ओर से चलने वाली हवाओं की वजह से कोहरा पड़ने की संभावना जताई है।

नहीं रुक रहा पराली जलाना : चित्रकूट जनपद में वायु प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण पड़ोसी जनपद कौशांबी में बड़े पैमाने पर पराली जलाना भी है। प्रशासन की तमाम कोशिशों के बाद भी चोरी छिपे पराली जलाने की प्रवृत्ति रुक नहीं रही। देर शाम सड़कों के किनारे से निकलो तो खेतों में आग साफ नजर आती है। बढ़ते प्रदूषण की एक यह भी वजह है। लालता रोड से राजापुर संपर्क मार्ग के किनारे जगह जगह अनेक किसानों ने खेतों में बाजरे के भूसा और धान की पराली को अपने खेतों में ही जला दिया है। इससे वायु गुणवत्ता सूचकांक गिर रहा है।

एक हफ्ते से दिख रहा स्मॉग का प्रभाव : जनपद चित्रकूट में स्मॉग का प्रभाव एक सप्ताह से जारी है पर इसमें तेजी पिछले तीन से चार दिनों में देखने को मिली है। सुबह के समय एक्यूआई 130 तक पहुंच जाता है, हालांकि शाम को यह 110 से 130 के बीच दर्ज किया जाता है। तापमान दो दिन में तेजी से लुढ़का है।

डॉक्टर बोले, इंफैक्शन के मामले बढ़ गए

डॉ. प्रखर निगम।

मऊ सीएचसी के डाक्टर प्रखर निगम बताते हैं कि सर्दियां आते ही हमारे रेगुलर ओपीडी में अपर रेस्पिरेटरी इन्फेक्शन के मामले बढ़ गए हैं, जिनमें बुज़ुर्ग और बच्चों के मरीज ज्यादा हैं। हालांकि, हममें से ज़्यादातर लोग इसे क्लाइमेट प्रॉब्लम मानेंगे, असली वजह खराब एक्यूआई है, खासकर मऊ, चित्रकूट में, जहां हाल ही में 2025 का सबसे खराब स्तर देखा गया, जो 150 तक पहुंच रहा है। इस खराब एयर क्वालिटी ने न सिर्फ़ पहले से मौजूद पुरानी सांस की बीमारियों के मामलों को और खराब कर दिया, बल्कि एक्यूट रेस्पिरेटरी बीमारी के मरीज़ों की संख्या भी बढ़ा दी। बताया कि कम प्रदूषण वाले इलाके में पराली जलाना भी इसकी वजह हो सकता है।

प्रदूषण से बीमारियों की आशंका

- शोध के मुताबिक, वायु प्रदूषण टाइप टू डायबिटीज के खतरे को भी बढ़ा सकता है। एक रिसर्च में यह पाया गया कि लगातार प्रदूषित हवा में रहने से शरीर में शुगर के स्तर में बढ़ोतरी हो रही है। बढ़ते प्रदूषण के कारण लोग एलर्जी का शिकार हो रहे हैं। प्रदूषित हवा में बीड़ी या सिगरेट के धुएं के साथ जहरीले तत्व भी शरीर में प्रवेश कर जाते हैं।

एक्यूआई के हैं 6 लेवल

- एक रिसर्च के मुताबिक, एक्यूआई के छह लेवल होते हैं, जिसमें से 0-50 के बीच एक्यूआई सामान्य माना जाता है। इसके बाद 51-100 के बीच ठीकठाक, 101-200 के बीच प्रदूषित, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब और 401 से 500 या उससे ऊपर जानलेवा माना जाता है।

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

वीरेंद्र कुमार सिंह : बरेली की योग्यतम संतान को मुख्यधारा में लाए

बरेली शहर अपने अस्तित्व के साथ ही वाणिज्य का प्रमुख केंद्र बना रहा। सल्तनत काल के बाद मुगल आए, उन्होंने भी बड़ा व्यापारिक केंद्र होने के नाते बरेली पर फोकस रखा। अंग्रेजों ने तो प्रशासनिक व्यवस्था के संचालन के लिए बरेली को ही केंद्र बना लिया। यहां तैनात रहे तमाम अधिकारियों ने शहर के विकास पर ज्यादा जोर दिया। इन सबके बीच जिले में तैनात रहे कुछ अफसरों ने लीक से हटकर काम किया और उनकी यादें लोगों के दिलो-दिमाग पर कायम हो गईं। ऐसे अफसरों की कार्यशैली की प्रशंसा करते हैं और नजीर के तौर पर पेश भी करते हैं। बरेलियंस के दिलो-दिमाग पर छाए अफसरों की फेहरिस्त लंबी है। इनमें जिन अफसरों की यादें लोगों के जेहन में लंबे समय से पैबस्त हैं, उनमें आईएएस अफसरों में दीपक सिंघल, रमारमण, नितीश कुमार, देशदीपक वर्मा, टी. वेंकटेश, वीरेंद्र कुमार सिंह, केबी अग्रवाल, संजय भूस रेड्डी, सीताराम मीणा, अनिल गर्ग, पुलिस अफसरों में सीडी कैंथ, उदयन परमार, वीके मौर्य, आनंद स्वरूप, गुरु वचन लाल, पीसीएस अफसरों में बाबा हरदेव सिंह,मंजुल जोशी, दिनेश कुमार सिंह शामिल हैं। कलेक्ट्रेट के प्रशासनिक अधिकारी के पद से सेवानिवृत्त हो चुके बनवारी लाल अरोड़ा बताते हैं कि बरेली में तैनात रहे सभी पुलिस और प्रशासनिक अफसर अपनी काबिलियत में बेमिसाल थे, लेकिन कई अफसरों ने अपनी कार्यशैली के जरिये लोगों को अपना मुरीद बना लिया। यही कारण है कि लोग आज भी उन्हें बड़े ही प्यार और अदब से याद करते हैं। अमृत विचार की मेरा शहर -मेरी प्रेरणा सीरीज में कुछ खास अफसरों के बारे में सुनील सिंह की विशेष रिपोर्ट ...

राधेश्याम कथावाचक के जरिये बना दिया साहित्यिक माहौल

रिटायर्ड आईएएस अफसर वीरेंद्र कुमार सिंह वर्ष 2018-19 में बरेली के कलेक्टर रहे। प्रशासनिक कार्यों के बीच बरेली में साहित्यिक माहौल बनाने में उन्होंने बड़ा योगदान किया, जो कि एक प्रशासनिक अफसर की भूमिका के रूप में बेहद अलग था। वह बताते हैं कि जब इस शहर में आए और उन्होंने लोगों से बात शुरू की तब पता चला कि बरेली शहर की योग्यतम संतान राधेश्याम कथावाचक को लोग विस्मृत कर रहे हैं। राधेश्याम रामायण देश के तमाम हिस्सों में आज भी प्रचलित है। अवधी रामलीला का मुख्य आधार ही राधेश्याम रामायण है। इसके अलावा पंजाब से लेकर लाहौर तक उनकी रामायण पढ़ी और मंचित की जाती थी। यही नहीं अपनी विशिष्ट शैली के कारण उनके लिखे नाटकों का उत्तर भारत में जबरदस्त आकर्षण था। वह कहते हैं कि इस बात से उन्हें बहुत आघात लगा कि बरेली शहर के ही लोग राधेश्याम कथावाचक को भूलते जा रहे हैं।

वह कहते हैं कि इसके बाद तय किया कि बरेली की योग्यतम संतान राधेश्याम कथावाचक को एक बार फिर जनमानस के बीच में स्थापित करेंगे। इसके लिए शहर के प्रमुख रंगकर्मियों और साहित्यकारों को जोड़ा। शहर के प्रबुध लोगों को योजना पसंद आई और पहली संजय कम्युनिटी हाल में उनके जन्मदिन 25 नवंबर पर सप्ताह भर का पंडित राधेश्याम कथावाचक नाट्य उत्सव का आयोजन किया गया। इसमें पंडित जी के नाटकों का मंचन किया गया। शहर के गणमान्य लोग, प्रबुद्ध जन और आम लोग पहुंचे। कार्यक्रम के बाद से पंडित जी के लेखन को लेकर शहर में सकारात्मक माहौल बना। वह बताते हैं कि उनके कार्यकाल में दो बार आयोजन हुआ। उनके जाने के बाद शहर के लोगों इस आयोजन की कमान संभाल ली। तीसरा आयोजन फ्यूचर यूनिवर्सिटी में किया गया। इस आयोजन में वह लखनऊ से आकर शामिल हुए थे। शहर के वरिष्ठ पत्रकार रणजीत पांचाले समेत अन्य लोग आयोजन की कमान संभाले हुए हैं। रणजीत पांचाले बताते हैं कि पिछले दो सालों से इस आयोजन का स्वरूप थोड़ा बदल गया है। अब उनके नाटकों के मंचन से ज्यादा बौद्धिक पक्ष पर चर्चा पर फोकस किया जाता है। हालांकि उनके नाटकों का मंचन भी जारी है। अभी कुछ समय पहले उनकी पुण्यतिथि पर शहर में आयोजित नाट्य महोत्सव में राधेश्याम कथावाचक के नाटकों का मंचन किया गया है। उन्होंने प्रेमचंद की कहानियों पर आधारित नाट्य उत्सव का आयोजन कराया था।

जिला लाइब्रेरी में स्थानीय रचनाकारों की बनवाई दीर्घा

बकौल वीरेंद्र कुमार सिंह राधेश्याम कथावाचक के नाटकों का आकर्षण महान उपान्यासकार प्रेमचंद के उपन्यास गबन को पढ़कर समझा जा सकता है। गबन उपन्यास का नायक गबन करने के बाद पुलिस की गिरफ्त से बचने के लिए कलकत्ता में जाकर छिप जाता है। अपनी फरारी के दौरान उसे पता चलता है कि कलकत्ता शहर में राधेश्याम कथावाचक के नाटक का मंचन होने जा रहा है। यह जानते हुए कि पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए प्रयासरत है, लेकिन उपन्यास का नायक अपने छिपे हुए स्थान से बाहर निकल कर नाटक देखने के लिए पहुंच जाता है। रणजीत पांचाले कहते हैं कि वीरेंद्र कुमार सिंह का योगदान यहीं नहीं रुक जाता है। उन्होंने इस शहर के प्रमुख साहित्यकारों प्रख्यात शायर वसीम बरेलवी से लेकर प्रबुद्ध आलोचक मधुरेश तक की रचनाओं को संकलित कराकर राजकीय पुस्तकाल में अलग दीर्घा बनवाई थी। इस दीर्घा में बरेली के सभी साहित्यकारों की रचनाओं को स्थान दिया गया था। जिला जेल में प्रेमचंद का साहित्य रखवाया गया था।

एलेक्जेंडर इज्जत : पहाड़ पर ट्रेन चढ़ाकर इज्जत नगर के रूप में शहर का हिस्सा हो गए

अंग्रेजी शासनकाल में बरेली व्यापार के साथ ही शासन प्रशासन का महत्वपूर्ण केंद्र बन गया था। अंग्रेजों ने आसपास के क्षेत्रों पर अपना आधिपत्य बरकरार रखने के साथ कारोबार के लिए द्रुतगामी यातायात के साधनों का विकास शुरू किया। अंग्रेजों ने 1857 में पहाड़ों को मैदानी हिस्से से जोड़ने की परियोजना पर काम शुरू हुआ। ब्रिटिश रेलवे अफसर एलेक्जैंडर इज्जत ने 1883 में परियोजना की कमान संभाली। उन्होंने बरेली-काठगोदाम रेलवे ट्रैक काम शुरू किया। इसके साथ ही बरेली से लखनऊ के लिए रेलवे लाइन बिछा दी।

एलेक्जेंडर इज्जत की तीन पीढ़ियों ने 31 साल की रेलवे की सेवा

अलेक्जेंडर इज्जत के नाम पर वाराणसी-प्रयागराज रेलवे लाइन पर प्रयागराज में गंगा नदी पर बने पुराने पुल को भी इज्जत पुल कहा जाता था। इस पुल के पहले कमांडर अलेक्जेंडर इज्जत थे। उन्होंने 1883 से 1904 तक बीएनडब्ल्यूआर के दूसरे एजेंट के रूप में कार्य किया। इसी दौरान सोनपुर से चोपन, सीवान, गोरखपुर होते हुए लखनऊ तक बीएनडब्ल्यूआर की मुख्य लाइन बिछाई गई थी। एलेक्जेंडर इज्जत के पुत्र लेफ्टिनेंट कर्नल डब्ल्यू. आर. 1920 से लेकर 1927 तक बीएनडब्ल्यूआर के एजेंट नियुक्त रहे। उनके पुत्र सर जे. रेनी इज्जत 1941 से 1944 तक बीएनडब्ल्यूआर के एजेंट रहे। पिता-पुत्र-पौत्र की इस तिकड़ी ने 31 वर्षों तक इस रेलवे के भविष्य को आकार दिया, जो पूर्वोत्तर रेलवे के गठन के महत्वपूर्ण वर्ष थे।

इज्जत स्टेशन से रेलवे डिवीजन बनने की कहानी

बरेली स्थित इज्जत नगर रेलवे स्टेशन की स्थापना 1875 में की गई थी। नार्दर्न रेलवे मेंस यूनियन से जुड़े बसंत चतुर्वेदी कहते हैं कि अलेक्जेंडर इज्जत की तीन पीढ़ियों ने पहाड़ पर ट्रेन चढ़ाने के लिए कार्य किया। अलेक्जेंडर इज्जत के काम के सम्मान में, स्टेशन का नाम इज्जत रेलवे स्टेशन रखा गया था। लोगों ने धीरे-धीरे इसे इज्जत नगर कहना शुरू कर दिया और यही नाम रेलवे रिकॉर्ड में भी दर्ज हो गया है। आजादी के बाद 14 अप्रैल 1952 को इज्जत नगर को पूर्वोत्तर रेलवे का डिवीजन बना दिया गया।

बाबा हरदेव सिंह : रसूख के आगे कभी नहीं थमा निगम का बुलडोजर

मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के बुलडोजर बाबा के रूप में प्रसिद्ध होने से करीब 23 साल पहले यूपी सरकार के पीसीएस अफसर हरदेव सिंह बुलडोजर वाला अफसर के नाम से प्रसिद्धि पा चुके हैं। बाद में तो उनके नाम के बाबा शब्द जुड़ गया और वह आज भी बाबा हरदेव सिंह के नाम से ही जाने-पहचाने जाते हैं। बरेली शहर में 30 साल पहले मात्र छह महीने के कार्यकाल में ही उन्होंने नगर निगम जैसी राजनैतिक संस्था को प्रशासनिक संस्था के रूप में बदल दिया था।

पीसीएस अफसर हरदेव सिंह को 27 सितंबर 1995 को बरेली के नगर आयुक्त पद पर तैनाती मिली थी। यहां पहुंचते ही उन्होंने सबसे पहले नगर निगम कार्यालय के कर्मचारियों पर अंकुश लगाया। उनकी लेटलतीफी, बिना बताये कार्यालय से गायब होने पर अंकुश लगा दिया। इसके बाद उन्होंने सफाई कर्मचारियों पर शिकंजा कसना शुरू किया। बरेली के वरिष्ठ पत्रकार डॉ. अनुपम मार्कंडेय बताते हैं कि हरदेव सिंह सुबह छह बजे ही सड़कों पर निकल पड़ते थे। सड़कों और नालियों की सफाई को बेहद संजीदगी से चेक करते थे। कई बार तो वह स्वयं नाली में हाथ डालकर चेक करते थे कि सिल्ट पूरी तरह से निकाली गई है या नहीं। सफाई मनमाफिक न मिलने पर दुबारा अपने सामने सफाई कराते थे।

वह कहते हैं कि हरदेव सिंह का असली रूप तो अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई को लेकर दिखा। हरदेव सिंह ने इस शहर को पहली बार बताया कि कानून की नजर में सभी बराबर हैं। उस दौर में शहर के बड़े-बड़े शूरमाओं के अतिक्रमण देखते-देखते ध्वस्त करा दिए। धीर-धीरे उनके खिलाफ माहौल बनने लगा। रसूख वालों ने हरदेव सिंह से परेशान नगर निगम कर्मचारियों से उनके खिलाफ मोर्चा खुलवा दिया। सफाई कर्मचारी हड़ताल पर चले गए। नगर निगम के गेट पर मरा हुआ कुत्ता रस्सी से बांध कर लटका दिया गया और कूड़े के ढेर लगा दिए गए। इसके बाद शासन ने 31 मार्च 1996 को उनका तबादला कर दिया।

मंजुल जोशी : बवालियों को नाम से बुलाकर कर देते थे शर्मशार

सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील हो चले बरेली शहर में लंबे समय तक या यूं कहें कि रिकॉर्ड समय तक एडीएम सिटी रहने वाले मंजुल कुमार जोशी शहर के लोगों के दिलों में आज भी बसते हैं। सिटी मजिस्ट्रेट फिर एडीएम सिटी के दो कार्यकाल पूरे करने वाले मंजुल कुमार जोशी उत्तराखंड राज्य बनने पर वहां भेज दिए गए थे। उत्तराखंड में आईएएस कैडर से सेवानिवृत्त होने वाले मंजुल कुमार जोशी इन दिनों हल्द्वानी में रहते हैं, लेकिन बरेली लगातार उनके दिलों में बसता है। मंजुल कुमार जोशी की खासियत यह रही है कि वह बरेली शहर के चप्पे-चप्पे से ही वाकिफ नहीं थे, बल्कि यहां रहने वाले लोगों को भी व्यक्तिगत रूप से जुड़े हुए थे। बरेली शुरू से ही संवेदनशील शहर था और आए दिन दोनों समुदायों के लोग आमने-सामने आ जाते थे, लेकिन जब मंजुल जोशी उनके बीच में आ जाते तो दो दोनों पक्ष शांत हो जाते थे, क्योंकि आमने-सामने खड़े अधिकांश लोग उनके अजीज हुआ करते थे। ऐसे में उन लोगों की तनी हुई हुईं भौंहें अपने आप झुक जाया करती थीं। मंजुल जोशी बरेली में 1982 से 1984 तक एसडीएम, फिर 1990 से 1995 तक सिटी मजिस्ट्रेट और एडीएम सिटी के रूप में तैनात रहे। बाद में दो साल के लिए नैनीताल स्थित प्रशासनिक अकादमी में तैनात रहे और वर्ष 1997 में फिर एडीएम सिटी के पद पर नियुक्त किए गए। बाद में कुछ समय के लिए अपर आयुक्त के पद भी तैनात रहें। वर्ष 2001 में अलग उत्तराखंड राज्य बनने पर उन्हें वहां भेज दिया गया।

बरेली में तैनाती के दिनों को लेकर जब उनसे बात शुरू हुई तो जैसे उनके अंदर से 10 साल से ज्यादा समय तक बरेली में गुजारे गए समय की बहुत सी यादों की गांठें खुलती चली जा रही हों। वह कहने लगे कि

> मैंने काफी समय पहले एक फिल्म देखी थी, फिल्म का नाम तो नहीं याद आ रहा है, लेकिन उसके विलेन का एक बहुत चर्चित डॉयलाग था, वह आज भी याद है। फिल्म में डायलाग था कि इस शहर की ऐसी कोई हूर नहीं जिसे वह जानता नहीं, उसी तरह बरेली शहर के बारे में मेरा अनुभव है। बरेली शहर की ऐसी कोई गली नहीं और वहां रहने वाला चाहे नोटोरियस हो या फिर प्रबुध नागरिक, सभी को वह जानते हैं। इनमें से बहुत सारे लोगों से आज भी संपर्क है और त्योहारों तथा खास मौकों पर शुभकामनाओं का आदान-प्रदान भी होता है।

बरेली बहुत हसीन जगह थी और यहां का सहजीवन लाजवाब था। जैसे पूरे देश का सहजीवन बिखर रहा है, उसी तरह बरेली में भी दरारें खिंचती जा रही हैं। पहले ऐसा नहीं था। सत्ता में भागीदारी और आर्थिक साधनों को लेकर टकराव तो अवश्य होते थे, लेकिन दिलों की दूरियां कम नहीं होती थीं। बरेली में पहली बार बाबरी मस्जिद विध्वंस के समय जो बवाल हुआ उसमें कई लोगों की जानें गईं। हालात इतने बिगड़ गए कि प्रशासन के हाथ से निकल गए और शासन के निर्देश पर स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सेना बुलानी पड़ी। धीरे-धीरे माहौल शांत हुआ, जीवन पटरी पर लौटने लगा, लेकिन दिलों में खाई चौड़ी हो गई। बाद में वर्ष 1995 में बिहारी पुर मोहल्ले से एक जुलूस निकाला गया और सिविल लाइन्स में हनुमान मंदिर के सामने नमाज अता किए जाने से बवाल भड़क उठा। उन लोगों ने संभालने के लिए बहुत प्रयास किए। अगले दिन तत्कालीन मुख्यमंत्री मायावती का बरेली दौरा प्रस्तावित था। यह माहौल खराब करने की जान-बूझकर कोशिश की गई थी। हालात नियंत्रित न होते देखकर शहर में कर्फ्यू लगाना पड़ा और पूरे प्रशासनिक अमले का ट्रांसफर कर दिया गया। हालांकि दो साल बाद पुनः एडीएम सिटी के पद पर तैनाती मिल गई, लेकिन शहर की फिजां काफी बदल चुकी थी। लोग उनकी बात तब भी सुनते थे, लेकिन अदब-लिहाज तो कम हुआ था।

वह कहते हैं कि बरेली की बसावट ऐसी है कि बिना सहजीवन के अस्तित्व ही नहीं बचेगा। प्रशासनिक अफसरों को इसे समझना होगा। इसके लिए उन्हें बरेली की गलियों में जाकर देखना होगा। सामाजिक ताने-बाने को समझना होगा। वहां के लोगों से राब्ता कामय करना होगा। उनके सुख-दुख में शरीक होना होगा। वह कहते हैं कि उम्मीद अभी कायम है। शहर में कई इंस्टीट्यूशन ऐसे हैं जो अभी भी समाज को जोड़े रखने की कोशिशों में जुड़े हुए हैं। वह कमजोर अवश्य हुए हैं, लेकिन पूरी तरह से खारिज नहीं हुए हैं, इससे एक उम्मीद अवश्य जगती है। अंत में वह कहते हैं कि ...

भरोसे पर किसी के जब भी ठोकर खाई होती है,
तो सारी जिंदगी उस जख्म की तुरपाई होती है।

पीटर क्लटर बक : कलक्टरबक गंज आज भी गाता जिसकी गौरव गाथा

यूनाइटेड प्रॉविंस के चीफ कंजरवेटर ऑफ फॉरेस्ट सर पीटर क्लटर बक तत्कालीन संयुक्त प्रांत में अपनी तैनाती के दौरान वनों को संरक्षित करने के लिए उन्हें आर्थिकी के साथ जोड़ने का प्रयास किया। उनका मानना था कि जब तक वनोपज धनोपार्जन का जरिया नहीं बनेगी तब तक वनों को संरक्षित नहीं किया जा सकेगा। स्थानीय लोगों को वनों को आर्थिक रूप से मददगार या उनके रोजगार का जरिया बनाना बेहद जरूरी है। इसी उद्देश्य से उन्होंने बरेली जनपद में 1918 में एक यूटिलाइजेशन सर्किल बनाया था। पहले इस इलाक़े को महेशपुर अटरिया के नाम से जाना जाता था। बाद में इसे सर पीटर के सम्मान में क्लटर बक गंज कहा जाने लगा। स्थानीय लोगों की जुबान पर अंग्रेजी नाम चढ़ने में दिक्कत दे रहा था, इसलिए धीरे-धीरे इसका नाम कलक्टरबक गंज प्रचलित हो गया। यह आज भी बरेली के औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकसित है।

पीटर क्लटर बक के प्रयास रंग लाए और यहां पर वनोपज पर आधारित उद्योग स्थापित हुए। इससे जंगली क्षेत्र और इसके आसपास रहने वाले स्थानीय लोगों को रोजगार मुहैया हुए। यहां पर 1926 में भारतीय तारपीन और राल (आईटीआर) की स्थापना हुई। वनों से निकलने वाला लीसा इसका मुख्य कच्चा माल था। अंग्रेजी कंपनी के ठेकेदार भारतीय मजदूरों से जंगल से लीजा इकट्ठा कराते थे और कंपनी को आपूर्ति करते थे। इसके कुछ समय बाद 1937 में वेस्टर्न इंडियन मैच कंपनी (WIMCO) स्थापित हुई। यहां पर कैंफर फैक्ट्री की भी स्थापना की गई। इन उद्योगों के जरिये क्लटर बक गंज की पहचान प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में होने लगी। बड़े उद्योग धंधे स्थापित हुए तो आवागमन बढ़ा, इसलिए क्लटर बक गंज के नाम पर मुरादाबाद-लखनऊ रेल रूट पर रेलवे स्टेशन स्थापित किया गया।

एफआरआई देहरादून में क्लटर बक के नाम पर सड़क

बरेली के वरिष्ठ पत्रकार प्रभात सिंह बताते हैं कि वनों के संरक्षण और उनके आर्थिक दोहन के लिए लिए सर पीटर क्लटर बक की ओर से किए गए उल्लेखनीय कार्यों को सम्मान देने के लिए देहरादून स्थित फॉरेस्ट रिसर्च इंटीट्यूट में एक सड़क का नाम क्लटरबक रोड रखा गया है। वह आगे जोड़ते हैं कि जंगलों के संरक्षण और उन्हें विस्तार देने के लिए किए गए प्रयासों के लिए क्लटर बक इससे ज्यादा सम्मान के पात्र थे, लेकिन कलक्टरबक गंज के रूप में वह हमेशा हमारे बीच जीवित रहेंगे।

आजादी के बाद 1958 में यूपी राज्य औद्योगिक विकास निगम (यूपीएसआईडीसी) ने क्लटर बक गंज में औद्योगिक एस्टेट की स्थापना की। इसके बाद कई स्थानीय उद्यमियों ने अपने उद्योग स्थापित किए। हालांकि औद्योगिक नीतियों में बदलाव और अन्य स्थानीय कारणों से भारतीय तारपीन और राल (आईटीआर) कारखाने ने अप्रैल 1998 में उत्पादन बंद कर दिया और कभी देश भर में माचिस की आपूर्ति करने वाली विमको फैक्ट्री 2014 में बंद हो गई। हालांकि क्लटर बक गंज से ही सटे परसाखेड़ा में कई नई औद्योगिक इकाइयां स्थापित हो रही हैं।

अमृत विचार

गुरुवार, 27 नवंबर 2025

आलोचना और स्वतंत्र सोच, क्रांतिकारी के दो अनिवार्य गुण हैं।

–शहीदे आजम भगत सिंह

हवा की दवा करें

धरती पर सबसे जहरीली हवा हमारी राजधानी की है। यह न केवल देश की, बल्कि वायु प्रदूषण की वैश्विक राजधानी बन गई है। इसका वायु प्रदूषण स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक से 20 गुना होना दर्शाता है कि स्थिति बेलगाम है। हर साल अक्तूबर से फरवरी तक राजधानी की जहरीली हवा पर खबरों का तकरीबन रोज़ाना रिपीट होना इस बात का प्रमाण है कि इस स्थिति के प्रति हम महज़ बयानबाज़ी और खानापूरी तक सीमित हैं। समस्या के समूल समाधान के प्रति हमारी व्यवस्था में व्यापक अकर्मण्यता और पर्याप्त उदासीनता व्याप्त है। इसका सबूत है कि डब्ल्यूएचओ ने जब 2016 में दुनिया के सबसे 15 प्रदूषित शहरों की सूची जारी की, तो दिल्ली अव्वल थी। आज 2025 में भी हालात कमोबेश वही हैं।

आज सर्वाधिक वायु प्रदूषण वाले 183 देशों में हमारा स्थान 177वां है। यह धारणा बलवती है कि दिल्ली या बड़े औद्योगिक शहरों की हवा ही ज़हरीली है और बाकी जगहें अपेक्षाकृत दुरुस्त हैं, पर ऐसा नहीं है। बरेली, मुरादाबाद, लखनऊ, अयोध्या जैसे तमाम शहरों के लोग वायु गुणवत्ता सूचकांक के 200 के आसपास की हवा में जी रहे हैं, जो बहुत अस्वास्थ्यकर है। वे यह सोच भी नहीं सकते कि कभी वायु प्रदूषण से ग्रस्त नार्वे के ओस्लो का औसत एक्यूआई 1–2 तक, ऑटो इंडस्ट्री के चलते कभी कुख्यात डेट्रॉइट का 8 और भारी वाहन यातायात व औद्योगिक गतिविधियों के लिए जाना जाने वाला अल्जीयर्स का 11 भी हो सकता है। सरकार हो या समाज, यह लापरवाही आत्मघाती है। इससे पहले कि वातावरण दमघोंटू हो जाए और सवा दशक पहले के बीजिंग, हेबेई और तिआनजिन जैसे शहरों की तरह अस्पतालों के बेड वायु प्रदूषण प्रभावितों से भर जाएं, लोग कैन या पाउच में अपनी साफ हवा लेकर चलें और खास तरह के मास्क व पोर्टेबल ऑक्सीजन कैन जैसे उत्पादों वाला 'प्रदूषण बाज़ार' लोगों को बेज़ार करे, हमें इस समस्या का स्थायी हल खोजना होगा। तय है कि पानी का छिड़काव, कृत्रिम बारिश या कुछ समय के लिए वाहनों पर रोक जैसे अस्थायी समाधान इस जहरीली हवा की अकसीर दवा नहीं बन सकते। हमें दीर्घकालिक, संरचनात्मक उपाय करने होंगे।

बहुत से देशों और शहरों ने अपने वायु गुणवत्ता सूचकांक को सैकड़ों से सतत प्रयासों के जरिए दहाई तक ला दिया। क्या हमें उनसे सीख लेकर वैसे ही उपाय अपनाने चाहिए, या अपनी व्यवस्था, समाज और मिज़ाज के अनुरूप समाधान तलाशने होंगे? यूरोपीय देशों या शहरों की बजाय हमारे लिए चीन एक अधिक उपयुक्त मॉडल लगता है, क्योंकि दोनों के लिए विकास और शहरीकरण वायु प्रदूषण के समान कारक हैं। उसने दीर्घ अवधि की नीतियों और त्वरित क्रियाओं का संयोजन लागू किया है। चीन ने इस बाबत सहयोग की पेशकश भी रखी है। संभव है सरकार सीमा विवाद को परे रख इस मामले में सहयोग की पहल करे। कुछ भी हो वर्तमान में जब सांस दर सांस भारी होती जा रही है, ऐसे में ऐसी भयावह स्थिति में सबसे ज़रूरी है कि साफ हवा के लिए जन-जागरूकता बढ़े और सरकार वोट का मुद्दा न होने के बावजूद इससे निबटने का पूरी ईमानदारी से स्थायी प्रयास करे।

प्रसंगवश

यूपी-बिहार से लौट रहे श्रमिकों का संकट

दिवाली, छठ पूजा और बिहार चुनाव हो जाने के बाद यूपी–बिहार के लाखों प्रवासी श्रमिक अब सूरत, मुंबई, उदयपुर, चित्तौड़गढ़ और देश के अन्य औद्योगिक शहरों की ओर लौट रहे हैं, लेकिन वापसी की यह यात्रा उनके लिए पहले से अधिक कष्टदायक, महंगी और जोखिम भरी साबित हो रही है। रेल प्रशासन द्वारा पर्याप्त विशेष ट्रेनों की व्यवस्था न किए जाने, बस ऑपरेटरों द्वारा मनमाना किराया वसूलने और जनरल कोचों में भयावह भीड़ जैसी समस्याओं ने मजदूरों की मुश्किलें कई गुना बढ़ा दी हैं। यह स्थिति केवल यात्रियों की परेशानी नहीं, बल्कि उन औद्योगिक क्षेत्रों के लिए भी गंभीर चुनौती है, जिनकी अर्थव्यवस्था यूपी–बिहार के श्रमिकों पर निर्भर है। खासकर सूरत का टेक्सटाइल सेक्टर।

कांतिलाल मांडोत

वरिष्ठ पत्रकार

उत्सव की उमंग के बाद लौटने का संघर्ष है। दिवाली और छठ बिहार-यूपी के लिए सबसे बड़े सामाजिक, धार्मिक पर्व माने जाते हैं। इन दिनों प्रवासी श्रमिक अपने परिवारों के बीच रहना चाहते हैं, इसलिए लाखों की संख्या में लोग वापस अपने गांव, कस्बों की ओर जाते हैं। त्योहार और चुनाव खत्म होते ही जब वे रोज़गार के लिए लौटना चाहते हैं, तो उन्हें सबसे पहले जिस समस्या का सामना करना पड़ता है, वह है कन्फर्म टिकट का संकट। सूरत, अहमदाबाद, मुंबई, दिल्ली, राजस्थान सहित देश के प्रमुख औद्योगिक शहरों से यूपी–बिहार आने वाली लगभग सभी ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट लंबी है।

इधर से जाने वाली तकरीबन सभी ट्रेनों में एक भी कन्फर्म सीट मिलना लगभग नामुमकिन हो चुका है। स्थिति यह है कि त्योहार वाले सप्ताह में भर गई वेटिंग अब भी कम होने का नाम नहीं ले रही। कन्फर्म टिकट न मिलने के कारण लाखों यात्री मजबूरी में जनरल कोचों में सफर कर रहे हैं। इन डिब्बों की स्थिति इतनी दयनीय है कि लोग इसे दहनिय कोच कहने लगे हैं। भीड़, घुटन, गर्मी और जान जोखिम में डालने वाली यात्रा हो गई है। एक कोच की क्षमता 100-120 यात्रियों की होती है, लेकिन इसमें 400-500 लोग ठूंसे जा रहे हैं। शौचालय तक पहुंचना असंभव है। खड़े रहने की जगह तक नहीं। बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग सबसे ज्यादा परेशान होते हैं। रेल प्रशासन इस भीड़ को नियंत्रित करने में असमर्थ दिखाई देता है। सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिहाज से यह स्थिति बेहद खतरनाक है।

बस ऑपरेटरों की मनमानी की वजह से किराया ढाई से तीन गुना बढ़ा दिया गया है। जब ट्रेन में जगह नहीं मिलती, तो श्रमिकों के पास बस का विकल्प बचता है, लेकिन बस ऑपरेटर स्थिति का फायदा उठाकर यात्रियों से मनमाना किराया वसूल रहे हैं। बिहार–यूपी से सूरत का किराया सामान्य दिनों में 1800–2200 रुपये होता है। मौजूदा स्थिति में वसूला जा रहा किराया 5000 रुपये तक है। किराए में न भोजन मिलता है न आराम और कई बार तो असुरक्षित व अवैध बसों में यात्रा करनी पड़ती है। दिहाड़ी मजदूरों के लिए यह खर्च बहुत भारी पड़ता है। जो लोग त्योहार के दौरान अपनी जमा-पूंजी खर्च कर चुके होते हैं, वे लौटते समय कर्ज लेने को मजबूर हो जाते हैं।

बाधित यात्रा का सबसे बड़ा असर सूरत की टेक्सटाइल इंडस्ट्री पर पड़ा है। सूरत, जो देश का सबसे बड़ा सिंथेटिक टेक्सटाइल हब है, उसकी रीढ़ यूपी–बिहार के ही श्रमिक हैं। पावरलूम, डाइंग, प्रिंटिंग, एम्ब्रॉयडरी और फिनिशिंग यूनिट्स में काम करने वाले 60–70% मजदूर इन्हीं राज्यों से आते हैं। त्योहार के बाद आधी मशीनें बंद पड़ी हैं। मजदूर नहीं लौटने से उत्पादन घट रहा है।

भारतीयों की सभ्यता और सोच के संदर्भ

अनिल यादव

वरिष्ठ पत्रकार

यूरोप व अमेरिका से जब नस्लीय भेदभाव और हिंसा की खबरें आती हैं, तो हम हिंदुस्तानी जाहिर करते हैं, जैसे इन देशों ने आर्थिक तरक्की भले कर ली हो, लेकिन वास्तव में उनका सभ्य होना अभी बाकी है। इस तरह की धारणाएं हमारे अतीत या भविष्य में 'वसुधैव कुटुंबकम्' का उद्घोष करने वाला विश्वगुरु होने के दावे को वैधता भी देती हैं। हमारे समाज की सचाई अचानक सामने आ गई, जब कोलकाता में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच चल रहे टेस्ट मैच के दौरान भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी जसप्रीत बुमराह और विकेट कीपर ऋषभ पंत ने दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के कप्तान टेंबा बेवुमा को 'बौना' कहकर संबोधित किया। बुमराह ने एक बहुप्रचलित देसी गाली भी दी। याद आना स्वाभाविक है कि इसके पहले हरभजन सिंह ने एंड्रू साइमंड को 'मंकी' कहा था, जिसे एक नस्लीय टिप्पणी मानकर उन्हें दंडित भी किया गया था।

भारत जब अंग्रेजों के अधीन था, यह नस्लवाद दो स्तरों पर दिखाई देता था। अंग्रेज खुद को श्रेष्ठ मानते थे। भारतीयों को काला और असभ्य कहते थे। वे घमंड से भरकर सोचते थे कि श्रेष्ठ होने के कारण असभ्य और गंदे भारतीयों को सभ्य बनाना उनका दायित्व है। इस सिद्धांत को 'वाइट मैंस बर्डेन' के नाम से जाना जाता है। यानी बलपूर्वक कायम किए गए अपने औपनिवेशिक वर्चस्व को सभ्यता का दायित्व बताया जाता था। दूसरे स्तर पर कुछ शास्त्र सम्मत घोषित ऊंची जातियों के भारतीय दूसरे अनार्य, द्रविड़ और आदिवासी भारतीयों को अपने से नीचा ही नहीं मानते थे, बल्कि उनको छूने से भी बचते थे। स्पर्श हो जाए तो उन्हें दंडित करने के बहुत से क्रूर तरीके प्रचलन में थे।

नस्ली सोच के इन दो स्तरों का एक अच्छा उदाहरण आजादी से पहले बांबे जिमखाना क्लब की क्रिकेट टीम हुआ करती थी, जिसमें गोरे और भारतीय दोनों तरह के खिलाड़ी शामिल थे। इस टीम के इकलौते मीडियम पेसर गेंदबाज का नाम था, पावलंकर बालू, जिसे अन्य भारतीय खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम में जाने की मनाही थी। दलित होने के कारण उसके लंच की व्यवस्था भी बाकी खिलाड़ियों से अलग की जाती थी। बंगाल की जैसोर रियासत के राजा ने यह भेदभाव देखा तो पी बालू को अपने यहां ले गए। पी बालू पहले डॉ. भीमराव आंबेडकर के समर्थक रहे, फिर कई साल बाद उनके खिलाफ चुनाव भी लड़े।

इस नस्लीय श्रेष्ठता का एक तीसरा स्तर पर भी है, जिसके तहत भारतीय अफ्रीकी लोगों को अपने से नीचा मानते रहे हैं। भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी जसप्रीत बुमराह और ऋषभ पंत का ईडन गार्डेन मैदान पर पहले टेस्ट मैच के दौरान दक्षिणी अफ्रीकी टीम के कप्तान टेंबा बेवुमा को 'बौना' कहना इस सोच का एक और नमूना भर है। अपने यहां काला, नाटा, काना, लूला-लंगड़ा यानी हर तरह की भिन्नता के आधार पर अपमानजनक शुभ-अशुभ विचार और कर्मकांडों की परंपरा रही है। अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है कि भारत दशकों तक गोरे करने वाली एक खतरनाक क्रीम का सबसे बड़ा उपभोक्ता देश क्यों रहा है! काला होना सामाजिक अभिशाप है! यह आज भी वैवाहिक विज्ञापनों पर एक नजर डालने से समझ में आ जाएगा।

जब दुनिया में अपने ही जैसा काला या भूरा समझा जाने वाला कोई भारतीय नस्ली आधार पर अफ्रीकियों का उपहास करता है, तो उन्हें दोहरी चोट लगती है। अफ्रीका के लोग भारतीयों की ही तरह गोरों के नस्लवाद के शिकार रहे हैं। वहां के राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक जीवन पर गोरों का लंबे समय तक वर्चस्व रहा है। नेल्सन मंडेला ने चौथाई सदी से लंबी जेल काटी और लंबा संघर्ष चला, तब जाकर रंगभेदी शासन का अंत हुआ। याद आना स्वाभाविक है कि 1948 में गोरों ने एक ऐसा कानून बनाया था, जिसके तहत कोई भी अश्वेत दक्षिण अफ्रीका की क्रिकेट टीम में शामिल नहीं हो सकता था। अभी सिर्फ नौ साल पहले 2016 में 11 में से छह अश्वेत खिलाड़ियों को अफ्रीकी क्रिकेट टीम में शामिल करना अनिवार्य किया गया। इन छह में से भी कम से कम दो खिलाड़ी 'अफ्रीकी ब्लैक' होने चाहिए, यह व्यवस्था की गई।

यह आरक्षण है जिसके तहत दो स्थान अफ्रीका के मूल निवासियों के लिए निश्चित हैं। इस नई व्यवस्था के समय कहा गया था कि इससे प्रतिभाशाली खिलाड़ी टीम से बाहर हो जाएंगे और अफ्रीका क्रिकेट में फिसड्डी हो जाएगा। ऐसा कुछ नहीं हुआ, बल्कि अफ्रीकी ब्लैक खिलाड़ी इस टीम की रीढ़ बन गए। इसके एक उदाहरण अफ्रीकी टीम के कप्तान टेंब बेवुमा भी हैं। उन्होंने अफ्रीकी टीम को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब आस्ट्रेलिया को हरा कर दिलाया।

भारतीयों का यह नस्लीय श्रेष्ठता बोध बहुत प्राचीन है और यह सिर्फ अफ्रीकी लोगों तक सीमित नहीं है। हिंदी पट्टी के गेंहुए रंग के लोग खुद को दक्षिण भारत के और हिंदीभाषी प्रांतों के भी काले रंग के लोगों की तुलना में श्रेष्ठ मानते हैं। हिंदी पट्टी के लोग खुद को आर्य मानते हैं और दक्षिण भारत के काले रंग के लोगों को दोयम दर्जे की द्रविड़ नस्ल का। आज भी देखते हैं। इस बोध के सबसे बुरे शिकार पूर्वोत्तर के आदिवासी होते आए हैं जिन्हें अपमानजनक 'चिंकी' नाम से पुकारा जाता रहा है। अन्य हिस्सों के आदिवासियों को भी इसका दंश झेलना पड़ता है।

इन दोनों प्रसिद्ध खिलाड़ियों को अपने शर्मनाक व्यवहार के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि क्रिकेट का खेल नस्ली संघर्ष नहीं, सद्भावना का प्रतीक बने। पहले ही उसे एशिया के धार्मिक कट्टरपंथियों ने लगभग युद्ध का रूप दे दिया है। खेलों ने इतिहास में मनुष्यों के सर्वश्रेष्ठ गुणों को सामने लाने में अहम भूमिका निभाई है, उन्हें घृणा और युद्ध की जगह बनाने वालों के हवाले नहीं किया जाना चाहिए।

हिंदी पट्टी के लोग खुद को आर्य मानते हैं और दक्षिण भारत के काले रंग के लोगों को दोयम दर्जे की द्रविड़ नस्ल के रूप में देखते रहे हैं और आज भी देखते हैं।

आमने

एसआईआर के नाम पर लोगों को डराया जा रहा है। बीजेपी इसके जरिए वोटर लिस्ट फिक्स कर रही है। भाजपा मेरे खेल में मुझे हरा नहीं सकती। बीजेपी ने बंगाल में उन पर हमला करने की कोशिश की, तो वो पूरे भारत में बीजेपी की नींव हिला दूंगी।

–ममता बनर्जी
मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल

सामने

अब पश्चिम बंगाल में भी भारतीय जनता पार्टी की ही सरकार बनेगी। वो अब डरी हुई हैं। ममता बनर्जी अब पश्चिम बंगाल को नहीं बचा पाएंगी। वहां पर भी कमल खिलने जा रहा है। ये उनकी घबराहट का नतीजा है।

–केशव प्रसाद मौर्य
डिप्टी सीएम,
उत्तर प्रदेश

मनरेगा: 27 लाख श्रमिक हटे, सवालों में प्रक्रिया

शिवालिक अवस्थी

लेखक

मेहनत करके कमाने वाला हर श्रमिक यह सोचता है कि वह रोजगार प्राप्त करके अपने परिवार का पालन-पोषण कर सके। विशेषकर अकुशल श्रमिक का यह सपना होता है कि उसे सरकार द्वारा प्रदान किए जाने वाले रोजगार के दृष्टिकोण से सीधा लाभ प्राप्त हो सके, जिसके लिए वह सदैव प्रयासरत भी रहता है और जिस कारण वह पलायन करने से भी नहीं घबराता। किसी श्रमिक को काम यदि घर के आस-पास ही मिल जाए तो वह उसी काम को और भी लगन के साथ करता है।

आज के दौर में श्रमिकों को अपने घर-परिवार छोड़ कर कहीं दूसरी जगह जाकर काम करना पड़ता है। या यूं कहें तो एक राज्य से दूसरे राज्य में जाकर काम की तलाश करनी पड़ती है। एक जगह से दूसरी जगह पलायन करने के कारण श्रमिकों को कई तरह की कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। निश्चित ही अपना घर छोड़कर कहीं ओर जाकर काम करना भला किसको अच्छा लगता है? लेकिन परिवार की जिम्मेदारी श्रीमिकों को पलायन करने से रोक नहीं पाती। हालांकि सरकारें चाहती हैं कि श्रमिकों को उनके घर द्वार पर ही रोजगार के साधन उपलब्ध करवाए जाएं लेकिन यह कहना जितना सरल है वास्तविकता में उतना ही कठिन भी है।

इसी कड़ी में वर्ष 2005 को भारत की केंद्र सरकार द्वारा श्रमिकों के लिए रोजगार गारंटी योजना शुरू की गई। इस योजना का नाम राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी रखा गया। हालांकि बाद में यानी वर्ष 2009 में इसका नाम महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी रख दिया गया। इस योजना के अंतर्गत ग्रामीण परिवारों के सदस्यों को न्यूनतम मजदूरी भत्ते पर 100 दिन का रोजगार उपलब्ध करवाना सुनिश्चित किया गया। इसके परिणामस्वरूप किसी भी ग्रामीण परिवार के वयस्क सदस्य इस योजना का हिस्सा बन सकते थे।

इसके तहत अकुशल वयस्क सदस्यों को भी कार्य करने के प्रति प्रोत्साहन दिया गया। यह मुख्यतः काम का अधिकार पर आधारित है। काम का अधिकार मतलब समाज में रह रहे हर व्यक्ति को अपनी रोजी-रोटी कमाने अथवा अपना परिवार चलाने के लिए काम का अधिकार उपलब्ध करवाना है। सामाजिक सुधार, महिलाओं का सशक्तिकरण, सुरक्षित आय व गांव का विकास इसके संचालन के मुख्य कारण माने जाते हैं।

हाल ही में सामने आई एक रिपोर्ट के तहत बड़े चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। दरअसल, 10 अक्टूबर 2025 से 14 नवंबर 2025 के बीच लगभग 27 लाख मनरेगा श्रमिकों को हटा दिया गया है। इतने बड़े स्तर पर श्रमिकों को हटाना निश्चित ही चौंकाने वाला है। करीब 10.50 लाख नए श्रमिकों को इस योजना के तहत जोड़ा गया है। गत पहली नवंबर 2025 से इस योजना के तहत ई-केवाईसी को भी अनिवार्य कर दिया गया है। इसके अलावा करीब 15.2 लाख श्रमिकों को अप्रैल से सितंबर 2025 के मध्य मनरेगा योजना से हटाया जा चुका है और 98.8 लाख श्रमिकों को इस योजना के अंतर्गत जोड़ा भी गया है, जो कुल मिलाकर 83.6 लाख की वृद्धि आंकी गई है। श्रीमिकों को योजना से हटाए जाने वाला आंकड़ा जो करीब इन छह महीनों में सामने आया, उससे कहीं अधिक आंकड़ा तकरीबन एक महीने में सामने आ गया।

रिपोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया है कि लगभग छह लाख के करीब सक्रिय श्रमिकों की कमी भी सामने आई है। यह ऐसे श्रमिक हैं, जिन्होंने पिछले तीन वर्षों में कम से कम एक दिन का रोजगार प्राप्त किया है। यह सब तब सामने आया है जब मंत्रालय द्वारा ई-केवाईसी को आवश्यक कर दिया गया है, ताकि अमान्य अथवा अपात्र श्रमिकों को इस योजना से हटाया जा सके। शीर्ष तीन राज्यों में जहां ई-केवाईसी का कार्य संपन्न हो चुका है, उनमें सबसे ज्यादा अपात्र श्रमिकों को हटाए जाने वाला राज्य आंध्र प्रदेश है। आंध्र प्रदेश में तकरीबन 78.4 प्रतिशत श्रमिकों को मनरेगा योजना से हटाया गया है, जबकि तमिलनाडु में यह आंकड़ा 67.6 प्रतिशत और छतीसगढ़ में यह आंकड़ा 66.6 प्रतिशत सामने आया है।

एक तरफ देखा जाए तो ई-केवाईसी एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसे अपनाना अति आवश्यक भी है, ताकि किसी भी तरह की अव्यवस्था से बचा जा सके, हालांकि सरकार के अनुसार गड़बड़ियों का निपटारा करने के लिए ही ई-केवाईसी प्रणाली को लागू किया गया है। ई-केवाईसी प्रणाली से मनरेगा के कार्यों पर पारदर्शिता लाई जा सकेगी, लेकिन ई-केवाईसी के दौरान विलोपन में भारी वृद्धि देखना कहीं न कहीं अव्यवस्था को जरूर दर्शाता है। या तो अभी तक अपात्र लोग श्रमिकों का स्थान लिए बैठे थे या ई-केवाईसी के दौरान श्रमिकों के पास उचित दस्तावेज ही उपलब्ध नहीं थे, जिसकी वजह से विलोपन का आंकड़ा इतना ज्यादा बढ़ गया।

यानी किसी न किसी किनारे में चूक तो अवश्य हुई है। ई-केवाईसी का कार्य पूर्ण रूप से अभी संपन्न भी नहीं हुआ है और आंकड़ों ने सभी को चौंका दिया है। सरकारी योजना चाहे कोई भी हो, यदि पात्र लोग वंचित रह जाएं और अपात्र लोगों तक इसका सीधा फायदा पहुंचे तो यह उस योजना पर निश्चित तौर पर सवालिया निशान खड़ा कर देता है।

एक महीने में लगभग 27 लाख श्रमिक मनरेगा से हटा दिए गए हैं। कई लाख जोड़े भी गए हैं। यह आंकड़े प्रक्रिया पर सवाल उठाते हैं।

सोशल फोरम

द हीरो हू लिव्ड

भारत के इतिहास में शोले शायद इकलौती फ़िल्म होगी, जिसका हर किरदार, हर डायलॉग, उसके रिलीज के 50 साल बाद भी लोगों की जुबान पर चढ़ा हुआ है। गब्बर सिंह के रूप में अमजद खान तो आईकॉनिक हैं ही। जया, हेमा, अमिताभ, धर्मेन्द्र, संजीव कुमार, जगदीप, असरानी, मैक मोहन, लीला मिश्रा, जलाल आगा, हेलन, एके हंगल जैसे मिनट भर की प्रेजेंस वाले रोल भी हमारी स्मृतियों में ताजा हैं। इनमें हीरो कौन था? कुछ नियमों को फॉलो करें- मेन हीरोइन किसे मिलती है, अंत में विलेन किससे पिटता है- इस आधार पर धर्मेंद्र हीरो हैं, ट्रेजेडी यही है। हीरो होकर भी, वे पूरी फिल्म में, डोमिनेटिंग हीरो बनकर जेहन में छप नहीं पाते। मर जाने वाले अमिताभ सारी सहानुभूति लूट जाते हैं। जी जाने वाले धर्मेंद्र पीछे रह जाते हैं। फ़िल्म इंड्रस्टी में 50 साल से अधिक साल तक छाए रहने के बावजूद, वे सुपरस्टार नही गिने गए। कभी राजेश खन्ना, कभी अमिताभ ने वह दर्जा रखा, लेकिन धर्मेंद्र का औरा कायम रहा। अनपढ़ और बंदिनी जैसी फिल्मों से फूल और पत्थर, हकीकत, सत्यकाम, खामोशी से सफर यमला पगला दीवाना तक पहुंचता है, लेकिन मौजूदा दौर में ज्यादातर लोगों के जेहन में उनकी छवि, 80-90 के दशक के हीमैन की है।

रिबोर्न मनीष

ब्लॉगर

यही उनके साथ अन्याय है। उनका असली कद उनकी अभिनय रेंज में छिपा है। छह दशक के कॅरियर और तीन सौ से अधिक फिल्मों में उन्होंने हर छोर को छुआ। सत्यकाम में सत्यनिष्ठ शख्स, अनुपमा में टूटे पिता का अपराधबोध, जीवन मृत्यु में एक ही फिल्म में क्रूर ठाकुर से शांत डॉक्टर तक का सफर और चुपके-चुपके में का वो प्रोफेसर, जिसके हालात से हंसी फूटती थी। गंवई जट से शहरी बुद्धिजीवी तक, एक्शन हीरो से हास्य कलाकार तक, वे फिट रहे। ह्रषिकेश मुखर्जी, ऋत्विक घटक और रमेश सिप्पी, तीन अलग ध्रुवों के निर्देशकों के सबसे भरोसेमंद अभिनेता थे। उनकी रेंज यह नहीं कि वे कितने रोल कर सकते थे, बल्कि मिलने वाले हर रोल में वह कितना असली लगते हैं। धर्मेंद्र उस श्रेणी के अभिनेता रहे। हिंदी सिनेमा में इतनी लंबी पारी और ऐसी रेंज के अभिनेता कम हैं।

निजी जीवन में भी उनकी रेंज दिलचस्प है। आजकल ज्यादा बात उनके दिलावर खान बनकर, हेमा मालिनी से विवाह की होती है, पर एक सेलिब्रिटी होकर, स्टार और पब्लिक की आलोचना की तमाम संभावनाओं के बावजूद, उन्होंने प्रेम को निबाहा- सबके सामने अंगीकार किया। ये साहस और जिद की बात है। नों लड़के स्टार हुए। धन, यश, प्रेम, आनंद और कंट्रोवर्सी से भरपूर, एक जीने योग्य जीवन के बाद, धर्मेंद्र गए हैं। **–फेसबुक वाल से**

सामयिकी

नारी सुरक्षा पर चुप्पी नहीं बदलाव की जरूरत

आधी आबादी के सम्मान, सुरक्षा और स्वतंत्रता पर हर दिन गहरा आघात पहुंच रहा है। महिलाओं पर बढ़ती हिंसा न केवल मानवाधिकारों का सबसे गंभीर उल्लंघन है, बल्कि सामाजिक प्रगति, न्याय, समानता और सतत विकास के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा भी है। आज स्थिति यह है कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस स्वयं यह स्वीकार करते हैं कि महिलाओं के विरुद्ध हिंसा मानव जाति के इतिहास में सबसे व्यापक, सबसे स्थायी और सबसे कम दंडित अपराधों में से एक है। वैश्विक स्तर पर हर तीन में से एक महिला अपने जीवनकाल में किसी न किसी प्रकार की शारीरिक, मानसिक या यौन हिंसा का शिकार होती है। वर्ष 2024 और 2025 की संयुक्त राष्ट्र महिला (यूएन) की रिपोर्टें बताती है कि दुनियाभर में 15 से 19 वर्ष आयु वर्ग की लगभग डेढ़ करोड़ किशोरियां कभी न कभी यौन उत्पीड़न या हिंसा झेलती हैं। मानव तस्करी के शिकार लोगों में आधे से अधिक व्यस्क महिलाएं शामिल हैं।

श्वेता गोयल

शिक्षिका

चौंकाने वाली बात यह है कि हिंसा का बड़ा हिस्सा कभी रिपोर्ट ही नहीं होता। नई वैश्विक रिपोर्टों के अनुसार, 60 प्रतिशत से अधिक महिलाएं किसी भी प्रकार की हिंसा की शिकायत दर्ज कराने से कतराती हैं। कभी समाज के डर से, कभी परिवार की दबाव नीति के कारण, तो कभी इसलिए कि उन्हें पुलिस की संवेदनशीलता और न्यायिक प्रक्रिया पर भरोसा नहीं होता। यही कारण है कि असंख्य पीड़िताएं अपने घाव छिपाकर जीने को मजबूर हैं और अपराधी निर्भीक होकर समाज में घूमते रहते हैं। डिजिटल युग ने हिंसा के रूपों को और जटिल बना दिया है। आज साइबर स्टॉकिंग, डॉक्सिंग, मॉर्फिंग, ट्रोलिंग, बदनाम करने वाले अभियान और ऑनलाइन उत्पीड़न की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर महिलाओं की निजी जानकारी का दुरुपयोग, बदनाम करने वाले वीडियो, ऑनलाइन ब्लैकमेलिंग और 'डीपफेक' तकनीक के इस्तेमाल से उत्पन्न यौनिक हिंसा ने एक नया संकट खड़ा कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र ने 2024-25 की रिपोर्ट में डिजिटल हिंसा को 'नई वैश्विक महामारी' तक कह दिया है।

एक अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन के अनुसार, महिलाओं पर हिंसा के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रतिवर्ष खरबों डॉलर का नुकसान होता है क्योंकि इससे महिलाओं की उत्पादकता घटती है, स्वास्थ्य खर्च बढ़ता है, सामाजिक असमानता गहराती है और विकास की गति प्रभावित होती है। भारत में भी स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। निर्भया कांड के बाद उम्मीद जगी थी कि समाज में संवेदनशीलता बढ़ेगी, कानून कठोर होंगे और अपराधियों में भय पैदा होगा। वास्तव में कानून तो कठोर हुए, फास्ट-ट्रैक कोर्ट बने, महिला सुरक्षा के लिए नई पहलें की गईं, लेकिन धरातल पर तस्वीर बदली नहीं। आज भी कोई दिन ऐसा नहीं गुजरता, जब देश के किसी न किसी हिस्से से बलात्कार, छेड़छाड़, दहेज हत्या, घरेलू अत्याचार, अपहरण या क्रूरता की घटनाएं सामने न आती हों।

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर महिलाओं की सुरक्षा भी आज की सबसे बड़ी जरूरत है। सरकारों और तकनीकी कंपनियों को मिलकर मजबूत साइबर सुरक्षा ढांचे, एआई-आधारित मॉनिटरिंग, अभद्र व्यवहार की त्वरित रिपोर्टिंग और डिजिटल अपराधियों को कड़ी सजा देने वाली प्रणाली तैयार करनी होगी। महिलाओं के प्रति हिंसा रोकना केवल शासन का काम नहीं बल्कि सरकार, समाज, डिजिटल प्लेटफॉर्म, शिक्षा प्रणाली, मीडिया और नागरिकों की संयुक्त जिम्मेदारी है। जब तक समाज स्त्री को बराबरी के सम्मान योग्य मनुष्य के रूप में नहीं स्वीकार करेगा, तब तक कानून अकेले कोई बदलाव नहीं ला पाएंगे।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*** 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

मानद उपाधियां
घटता सम्मान-बढ़ता व्यापार

शिक्षा के पवित्र क्षेत्र में पिछले कुछ समय में एक विचित्र प्रवृत्ति उभर आई है। देश-विदेश की तमाम तथाकथित संस्थाएं रुपये लेकर लोगों को 'डॉ.' बना रही हैं, जो उपाधि कभी उपलब्धि का प्रतीक थी, अब दिखावे और प्रचार का माध्यम बन गई हैं। ऑनरेरी (मानद) डॉक्टरेट, जिसका उद्देश्य असाधारण योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करना था, अब पैसों के लेन-देन का औजार बन गई है। इंटरनेट पर ऐसे प्रमाणपत्र आसानी से उपलब्ध हैं- बस भुगतान कीजिए, एक 'ग्लोबल समिट' में मंच पर फोटो खिंचवाइए और नाम के आगे 'डॉ. (Dr.)' जोड़ लीजिए, जो कभी उपलब्धि का प्रतीक था, अब प्रदर्शन का औजार बन गया है।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, मथुरा

ऑनरेरी डॉक्टरेट या मानद उपाधि का मूल विचार बहुत ही गरिमामय था। इसका उद्देश्य उन व्यक्तियों को सम्मानित करना था, जिन्होंने समाज, विज्ञान, साहित्य, कला या मानवता के क्षेत्र में असाधारण योगदान दिया हो। पश्चिम में ऑक्सफोर्ड, हार्वर्ड या कैंब्रिज जैसे विश्वविद्यालय जब ऐसी उपाधियां देते हैं, तो यह स्पष्ट कर देते हैं कि यह शैक्षणिक डिग्री नहीं, बल्कि प्रतीकात्मक सम्मान है। भारत में भी कुछ प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय यह परंपरा निभाते हैं। उद्देश्य केवल सम्मान देना है, न कि 'डॉक्टर' कहलाने का अधिकार प्रदान करना।

क्या कहता है कानून

कानून भी इस भेद को स्पष्ट करता है। यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा 22 के अनुसार, 'डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी' या 'डॉक्टर ऑफ साइंस' जैसी उपाधियां केवल वही विश्वविद्यालय प्रदान कर सकते हैं, जिन्हें विधिवत मान्यता प्राप्त है। कोई भी निजी संस्था या पंजीकृत सोसायटी ऐसा करने का अधिकार नहीं रखती। इसके बावजूद, सोशल मीडिया पर सैकड़ों 'इंटरनेशनल यूनिवर्सिटीज' और 'ग्लोबल काउंसिल्स' सक्रिय हैं, जो विदेशी नामों और सुनहरी मोहरों वाले आकर्षक प्रमाणपत्र थमा रही हैं। इन प्रमाणपत्रों का कोई शैक्षणिक मूल्य नहीं होता, फिर भी इन्हें लेने वाले अपने विजिटिंग कार्ड, सोशल मीडिया प्रोफाइल और नामपट्ट पर 'Dr' जोड़ लेते हैं। यह सब इतना गंभीर क्यों है? इसलिए कि यह न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि शिक्षा की नैतिकता पर सीधा प्रहार है। जो व्यक्ति वर्षों की मेहनत, शोध और मार्गदर्शन के बाद डॉक्टरेट की उपाधि अर्जित करता है, उसका श्रम उस समय बेमानी हो जाता है, जब कोई व्यक्ति कुछ हज़ार रुपये देकर वही उपाधि 'सम्मान' के नाम पर हासिल कर लेता है। असली डॉक्टरेट के पीछे कठोर अनुसंधान, थीसिस, समीक्षाएं और प्रकाशन की प्रक्रिया होती है, जबकि इन 'ऑनरेरी उपाधियों' के पीछे सिर्फ़ एक पेमेंट लिंक होता है।

भ्रामक प्रतिष्ठा

यह प्रवृत्ति केवल शिक्षा की साख नहीं गिरा रही, बल्कि समाज में ज्ञान की विश्वसनीयता भी तोड़ रही है। जब कोई व्यक्ति अपनी सोशल मीडिया बायो में 'Dr.' जोड़ लेता है, तो लोग उसे विशेषज्ञ मान लेते हैं चाहे वह असल में किसी विषय का प्राथमिक ज्ञान भी न रखता हो। ऐसे लोग अक्सर 'लाइफ कोच', 'मोटिवेशनल स्पीकर' या 'ग्लोबल एंबेसडर' के रूप में सामने आते हैं और 'ऑनरेरी डॉक्टरेट' को अपनी योग्यता का प्रमाण बना लेते हैं। यह समाज में भ्रामक प्रतिष्ठा और झूठे अधिकार का भ्रम पैदा करता है। यह आचरण केवल भ्रामक नहीं, बल्कि यदि जानबूझकर किसी को भ्रमित करने या व्यक्तिगत लाभ के लिए किया जाए, तो कानूनन धोखाधड़ी की श्रेणी में भी आ सकता है। इससे भी अधिक गंभीर बात यह है कि यह सच्चे शोधकर्ताओं और विद्वानों की मेहनत का अनादर है, शिक्षा की गरिमा और ईमानदारी दोनों पर धब्बा है। यह भी सच है कि दोष केवल इन संस्थाओं का नहीं। उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी उस मौन स्वीकृति की है, जो समाज देता है। मंचों पर ऐसे लोगों को 'डॉ.' कहकर बुलाया जाता है, उन्हें सम्मानित किया जाता है, मीडिया में उनके 'अंतर्राष्ट्रीय सम्मान' की खबरें छपती हैं। तालियों की वह गूंज नकली उपाधियों को वैधता दे देती है। धीरे-धीरे असली और नकली के बीच की रेखा मिटने लगती है।

इस प्रवृत्ति पर सख्ती जरूरी

यूजीसी समय-समय पर फर्जी विश्वविद्यालयों और अवैध उपाधियां बांटने वाली संस्थाओं की सूची जारी करता है, परंतु फिर भी बड़ी संख्या में लोग इनके जाल में फंस रहे हैं। विदेशी नामों, अंग्रेजी आभा और तथाकथित 'ग्लोबल' पहचान का आकर्षण हमारे समाज की उस मानसिकता को भी उजागर करता है, जहां दिखावे को सार से अधिक महत्व दिया जाता है। यह शिक्षा नहीं, प्रतिष्ठा का सौदा है। जब सम्मान बिकने लगता है, तो वह सम्मान नहीं रहता- वह विज्ञापन बन जाता है। इस प्रवृत्ति पर सख्ती जरूरी है। यूजीसी और शिक्षा मंत्रालय को ऐसे संस्थानों और उनसे उपाधि लेने वालों के विरुद्ध निरंतर और ठोस कार्रवाई करनी चाहिए। साथ ही समाज को भी अपनी सोच में परिपक्वता लानी होगी। ऑनरेरी डॉक्टरेट का असली अर्थ सम्मान में निहित है, व्यापार में नहीं। जब यह खरीदी जाती है, तो 'सम्मान' शब्द अपनी गरिमा खो देता है और शिक्षा, जो समाज की आत्मा है- सिर्फ दिखावे का मुखौटा बन जाती है। शिक्षा का सार ज्ञान है और ज्ञान का सार ईमानदारी, जब उपाधियां बिकने लगती हैं, तो शिक्षा का अर्थ ही खो जाता है। मानद डॉक्टरेट का वास्तविक सौंदर्य उसकी विनम्रता में है। सम्मान देने और पाने, दोनों की मर्यादा में। यह परंपरा तभी जीवित रह सकती है, जब इसे दिखावे, प्रचार और पैसों की पहुंच से बचाया जाए। डॉक्टरेट की उपाधि का मूल्य उसकी कठिनाई और श्रम में है। उसे खरीदा नहीं जा सकता, केवल अर्जित किया जा सकता है। इसलिए किसी नाम के आगे "डॉ." देखकर अंधविश्वास न करें, बल्कि यह जानें कि उपाधि कहां से और किस आधार पर प्राप्त की गई है। यही समझ जब समाज में फिर से स्थापित होगी, तब 'सम्मान' अपनी खोई हुई ऊंचाई पर लौट आएगा।

जॉब अलर्ट

राइट्स लिमिटेड (RITES Ltd.)

- पद का नाम : सहायक प्रबंधक
- पदों की संख्या : 400 पोस्ट
- वेतन : 42,478 रुपये प्रतिमाह
- योग्यता : प्रासंगिक इंजीनियरिंग में स्नातक और 2 वर्ष का अनुभव
- आयु सीमा : 40 वर्ष
- अंतिम तिथि : 25-12-2025
- वेबसाइट : www.rites.com

इंटेलिजेंस ब्यूरो (IB)

- पद का नाम : मल्टी-टास्किंग स्टाफ
- पदों की संख्या : 362 पोस्ट
- वेतन : 42,478 रुपये प्रतिमाह
- योग्यता : 10 th या समकक्ष
- आयु सीमा : 18-25 वर्ष
- अंतिम तिथि : 14-12-2025
- वेबसाइट : www.mha.gov.in

दूरदर्शन केंद्र हैदराबाद

- पद का नाम : प्रसारण सहायक, कॉपी एडिटर
- वेतन : 1500-2400 रुपये प्रतिदिन
- योग्यता : स्नातक या डिप्लोमा
- आयु सीमा : 21-50 वर्ष
- अंतिम तिथि : 15-12-2025
- वेबसाइट : prasarbharati.gov.in

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया

- पद का नाम : फैकल्टी
- वेतन : 30,000 रुपये प्रतिमाह
- योग्यता : पदानुसार स्नातक/ स्नाकोत्तर
- आयु सीमा : 22-40 वर्ष
- अंतिम तिथि : 10-12-2025
- वेबसाइट : www.centralbankofindia.co.in

कैंपस में पहला दिन
आईए एक-दूसरे को जानने की शुरुआत करें...

स्कूल के दिनों से ही हम सब कॉलेज लाइफ की चमकदार कहानियां सुनते आते हैं। कॉलेज में कोई नहीं रोकेगा, वहां असली आजादी मिलेगी, यूनिफॉर्म नहीं, नए दोस्त, नए सपने, नए अनुभवइन्हीं ख्वाबों को अपने दिल में सजाए, मैं 16 अगस्त 2019 की सुबह इनवर्टिस के गेट के सामने खड़ी थी। थोड़ी देर से एडमिशन लेने की वजह से यह दिन और भी खास था, जैसे मेरी खुद की कहानी अब शुरू हो रही हो। कॉलेज के पहले दृश्य ने दिल जीत लिया। जब मेरी नजर उस बड़े, खूबसूरत कैंपस पर पड़ी, तो आंखें खुद-ब-खुद बड़ी हो गईं। वो चौड़ा गेट, ऊंची-ऊंची इमारतें, चारों ओर हरियाली, छात्रों की भीड़, हंसी की आवाजें, लॉन में बैठे स्टूडेंट्स, हर तरफ नई ऊर्जा की गूंज थी। सब कुछ फिल्मी था, जैसे किसी फिल्म का सेट हो और मैं उस कहानी की नई किरदार। पर इतना असली कि उस पल मेरी धड़कनें तेज हो गईं। दिल में अचानक एक उम्मीद जग गई कि हां! यही है, वो जगह जहां मेरा सपना जी उठेगा।

क्लासरूम में कदम रखते ही एक अलग माहौल महसूस हुआ। सभी स्टूडेंट्स casual कपड़ों में, हंसी से भरा माहौल, थोड़ी-सी घबराहट, पर उससे कहीं ज्यादा उत्साह में बैठे थे। हर चेहरा जैसे एक नई कहानी लेकर आया था। कोई नए जूते दिखा रहा था, कोई अपनी जगह ढूंढ रहा था, कोई किसी से बस यूं ही बात शुरू कर रहा था और फिर मेरी नज़र सामने खड़े एक व्यक्ति पर पड़ी, पहले तो लगा कोई सीनियर होंगे, लेकिन कुछ ही क्षणों बाद पता चला कि वो हमारे HOD हैं। HOD होकर भी इतने कूल कि लगा जैसे कॉलेज की किताबें नहीं, जिंदगी खुद हमें पढ़ाने आई हो।

पहले ही दिन HOD सर ने कहा, "Books later Let's start by knowing each other." फिर शुरू हुई एक-एक करके introductions की बारिश, किसी ने कहा उसे singing पसंद है, किसी ने बताया कि वो शहर पहली बार छोड़कर आया है, किसी ने अपने भविष्य के सपने सुनाए और इन छोटी-छोटी बातों ने हम सबको एक-दूसरे के करीब ला दिया। उनका पढ़ाने का तरीका सबसे अलग, दिन की शुरुआत ice-breaking session से करते थे, कहानियों के जरिये पढ़ाते, practicals से समझाते और अपने अनुभवों के सहारे हमारे सपनों में नई उड़ान भर देते। हमेशा सुनती थी कि कॉलेज में कोई नहीं रोकेगा।

पहले दिन ही समझ आ गया कि वो ऐसा क्यों कहते हैं। यहां कोई सख्त अनुशासन नहीं, कोई यूनिफॉर्म नहीं, कोई डर नहीं क्योंकि कॉलेज में सिर्फ मिली सब कुछ सीखने और खुद को पहचानने की पूरी आजादी। कॉलेज की पहली हवा ही अलग थी, खुली, आजादी और उम्मीदों से भरी। क्लास के बीच-बीच में हम सभी एक-दूसरे को जानने लगे। कौन कहां से आया है, किसके क्या सपने हैं, हर बातचीत से एक नया रिश्ता बनता चला गया। कब मैं अपने पहले ग्रुप का हिस्सा बन गई, ये मुझे खुद भी नहीं पता चला। कॉलेज का जादू यही है। यहां हर कोई एक-दूसरे से बात करता है, रिश्ते खुद-ब-खुद बन जाते हैं, और अजनबी दोस्त बन जाते हैं। उस दिन की हंसी, वो नए चेहरे, वो अनजाना सा अपनापन, सबने मिलकर मेरे पहले दिन को "यादगार" और "दिल के करीब" बना दिया।

-निकिता चौधरी, बरेली

नोटिस बोर्ड

- लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्रों के लिए विप्रो, हाइक एजुकेशन और आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड द्वारा प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित की जा रही है। सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के एडिशनल डायरेक्टर डॉ. हिमांशु पांडेय ने बताया कि बीसीए, बीबीए, बीकॉम, बीए, बीएचएम व बीएससी के छात्र कस्टमर सर्विस रिप्रेजेंटेटिव पद पर 3.08 लाख रुपये वार्षिक पैकेज हेतु आवेदन कर सकते हैं। चयन प्रक्रिया में प्री-प्लेसमेंट टॉक, एचआर स्क्रीनिंग तथा वॉयस एवं एक्सेंट राउंड शामिल हैं। तीनों कंपनियों में आवेदन करने की अंतिम तिथि 29 नवंबर 2025 निर्धारित की गई है।
- आईआईटी कानपुर में अगले सप्ताह अर्थात 1 दिसंबर से प्लेसमेंट अभियान शुरू होने जा रहा है। यह अभियान 15 दिसंबर तक चलेगा। इस बार के अभियान में देश-विदेश की लगभग 250 कंपनियां शामिल हो सकती हैं।

फ्रीलांसिंग से बनाएं मजबूत करियर

आज के डिजिटल दौर में फ्रीलांसिंग से घर बैठे करियर बनाने का सबसे आसान और भरोसेमंद तरीका बनकर उभरा है। अगर आप ग्रेजुएट हैं और पारंपरिक नौकरी के दबाव से दूर अपनी सुविधा के अनुसार काम करना चाहते हैं, तो यह आपके लिए बेहतरीन मौका हो सकता है। खासकर उन लोगों के लिए जो किसी वजह से घर से बाहर काम नहीं कर पाते, जैसे महिलाएं, स्टूडेंट्स या होममेकर फ्रीलांसिंग कम समय में स्थिर और अच्छी कमाई का जरिया बन सकती है। सिर्फ एक लैपटॉप, इंटरनेट और थोड़ी-सी स्किल के साथ आप अपनी प्रतिभा को आय में बदल सकते हैं और एक स्वतंत्र व सफल करियर की शुरुआत कर सकते हैं। आइए आज आपको बताते हैं, फ्रीलांसिंग के बेस्ट करियर विकल्प : *– फीचर डेस्क*

डाटा एंट्री

आज के कंप्यूटर युग में डाटा एंट्री का काम काफी लोकप्रिय हो गया है। इस काम में आपको सिर्फ एक निर्धारित डाटा को कंप्यूटर की मदद से किसी सॉफ्टवेयर या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भरना होता है। अगर आपके पास कंप्यूटर, इंटरनेट और अच्छी टाइपिंग स्पीड है, तो यह काम आपके लिए सबसे आसान विकल्पों में से एक है। यहां आपको आमतौर पर प्रति घंटे के हिसाब से पेमेंट मिलता है। डाटा एंट्री में प्रति घंटे 1,500 से 3,000 रुपये तक की कमाई संभव है।

ट्रांसलेटर

घर बैठे ट्रांसलेटर के रूप में काम करना भी एक बढ़िया विकल्प है। इस काम के लिए आपकी भाषा पर अच्छी पकड़ होनी जरूरी है। यदि आपको अंग्रेजी या कोई अन्य विदेशी भाषा जैसे फ्रेंच आदि आती है, तो आप आसानी से यह काम कर सकते हैं। इस क्षेत्र में पेमेंट प्रोजेक्ट के आधार पर मिलता है।

यूट्यूबर

अगर कैमरे के सामने आने में आप सहज हैं और आपके पास कोई जानकारी या स्किल है, जिसे आप दूसरों के साथ साझा करना चाहते हैं, तो आपके लिए यूट्यूब एक शानदार मंच बन सकता है। आप बिल्कुल बेसिक सेटअप के साथ घर बैठे अपना चैनल शुरू कर सकते हैं। कमाई मुख्य रूप से आपके वीडियो के व्यूज और क्लिक्स पर निर्भर करती है।

कॉन्टेंट राइटिंग

यदि आपको लिखना पसंद है, तो यह क्षेत्र आपके लिए ideal साबित हो सकता है। फ्रीलांसिंग में कॉन्टेंट राइटिंग को सबसे बेहतरीन करियर विकल्प माना जाता है। आज हर छोटे-बड़े ब्रांड की अपनी वेबसाइट होती है, जिन पर नियमित रूप से कंटेंट की जरूरत पड़ती है। घर बैठे आप इस पेशे के जरिए अच्छी कमाई कर सकते हैं और समय के साथ आय में भी वृद्धि होती है।

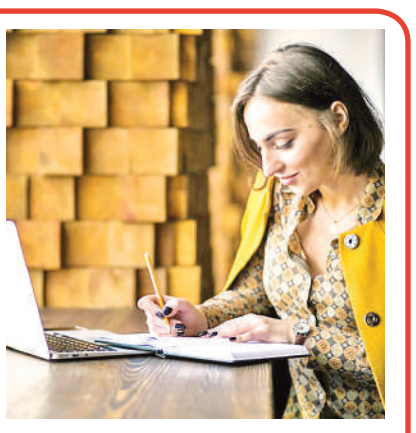

वेब डेवलपमेंट

अगर आप वेब डिजाइनिंग या कोडिंग में माहिर हैं, तो घर बैठे ही वेब डेवलपमेंट का काम शुरू कर सकते हैं। लिंक्डइन और अन्य जॉब ऐप्स के माध्यम से आप आसानी से कंपनियों व क्लाइंट्स से जुड़ सकते हैं। इस क्षेत्र में कमाई काफी अच्छी होती है और अनुभव बढ़ने के साथ आय लाखों में पहुंच सकती है।

ब्लॉगिंग

ब्लॉगिंग उन लोगों के लिए बढ़िया विकल्प है, जिन्हें लिखना पसंद है। आपको अपना ब्लॉग गूगल एडसेंस से जोड़ना होता है, जिसके बाद विज्ञापन के माध्यम से कमाई शुरू होती है। शुरुआत में आय कम होती है, लेकिन जैसे-जैसे आपके ब्लॉग की ट्रैफिक, लोकप्रियता और पहुंच बढ़ती है, आपकी कमाई भी बढ़ने लगती है। ब्लॉगिंग से होने वाली आय आपकी रीडरशिप व लोकेशन पर निर्भर करती है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	85,609 .51	26,205 .30
बढ़त	1,022 .50	320 .50
प्रतिशत में	1.21	1.24

सोना 1,30,100 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,63,100 प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, गुरुवार, 27 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

डीवीसी को मिलीं तीन कोयला खानें

नई दिल्ली। दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) वाणिज्यिक खानों की नीलामी के 13वें दौर में तीन कोयला खानों के लिए सबसे ऊंची बोली लगाने वाली बनी है। इन खानों से प्रतिवर्ष 4,621 करोड़ का राजस्व प्राप्त होने की संभावना है। डीवीसी झारखंड में दो नॉन-कोकिंग कोयला खानों और ओडिशा में नॉन-कोकिंग कोयला खदान के लिए सबसे ऊंची बोली लगाने वाली कंपनी के रूप में उभरी। नॉन-कोकिंग कोयले का मुख्य उपयोग बिजली उत्पादन और सीमेंट तथा उर्वरक जैसे औद्योगिक उद्देश्यों के लिए किया जाता है। कोयला मंत्रालय के अनुसार, ये तीनों खदानें प्रतिवर्ष 4,620 .69 करोड़ का राजस्व उत्पन्न करने, 7,350 करोड़ के पूंजी निवेश को आकर्षित करने और 66,248 रोजगार सृजन करने की क्षमता रखती हैं।

आईएलएंडएफएस ने दिए 48,463 करोड़ ऋण

नई दिल्ली। कर्ज में डूबे आईएलएंडएफएस समूह ने सितंबर, 2025 तक अपने लेनदारों को 48,463 करोड़ का भुगतान कर दिया है। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के समक्ष दायर नवीनतम स्थिति रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। यह भुगतान मार्च, 2025 तक चुकाए गए 45,281 करोड़ की तुलना में 7 .02% अधिक है। आईएलएंडएफएस द्वारा दायर हलफनामे में कहा गया कि 30 सितंबर 2025 तक आईएलएंडएफएस द्वारा अपने ऋणदाताओं को 48,463 करोड़ का कर्ज चुकाया गया है। आईएलएंडएफएस ने 99,355 करोड़ के ऋण में से 61,000 करोड़ चुकाने का लक्ष्य रखा है। 48,463 करोड़ के भुगतान के साथ, लक्षित 61,000 करोड़ रुपये के ऋण समाधान का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा पूरा हो चुका है।

एनआईएम लक्ष्य पाने का भरोसा : एसबीआई

नई दिल्ली। एसबीआई के चेयरमैन सीएस शेट्टी ने कहा कि बैंक अगले सप्ताह नीतिगत ब्याज दर में 0 .25% की कटौती की स्थिति में भी अपना 3% शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) हासिल करने को लेकर आश्वस्त है। शेट्टी ने कहा कि रिजर्व बैंक नीतिगत रेपो दर पर अगले सप्ताह एक मुश्किल फैसला लेगा, लेकिन बैंक का अनुमान है कि अगर ब्याज दर में कटौती होती है, तो यह सिर्फ 0 .25% की मामूली कटौती होगी, जिसका मार्जिन पर विशेष प्रभाव नहीं पड़ेगा।

सुधार-उन्मुख भारत ले रहा बड़े फैसले : मोदी

प्रधानमंत्री ने फ्रांसीसी विमानन कंपनी सैफरान के इंजन एमआरओ संयंत्र का किया ऑनलाइन उद्घाटन

हैदराबाद, एजेंसी

समारोह को ऑनलाइन संबोधित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

- बोले- देश को भरोसेमंद साझेदार, बड़े बाजार और उभरते विनिर्माण केंद्र के तौर पर देखा जा रहा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत की निवेश क्षमता पर बल देते हुए बुधवार को कहा कि सुधारों को तेजी से लागू कर रहा भारत अब बड़े फैसले लेता है और निवेशकों के लिए एक भरोसेमंद साझेदार बन चुका है। प्रधानमंत्री मोदी ने हैदराबाद में फ्रांसीसी विमानन कंपनी सैफरान के विमान इंजन एमआरओ संयंत्र का ऑनलाइन माध्यम से उद्घाटन करते हुए यह बात कही।

उन्होंने कहा कि यह संयंत्र युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी प्रदान करेगा। भारत ने व्यवसाय से जुड़े सैकड़ों प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया है और राष्ट्रीय एकल-खिड़की व्यवस्था से विभिन्न अनुमोदन को एक मंच पर लाया गया है। उन्होंने कहा कि जीएसटी सुधार, चेहरा-रहित कर आकलन, नए श्रम कानून और दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के आने से शासन पहले से अधिक सरल और पारदर्शी बना है। उन्होंने कहा कि इन कोशिशों से भारत को अब एक भरोसेमंद साझेदार, एक बड़े बाजार और उभरते विनिर्माण केंद्र के तौर पर देखा जा रहा है। आज भारत में तेजी से वृद्धि हो रही है, सरकार स्थिर है, सुधार पर ध्यान देने वाली सोच है, युवा प्रतिभाओं की भरमार है और एक बड़ा घरेलू बाजार है। सबसे जरूरी बात, भारत में निवेश करने वालों को देश सिर्फ निवेशक नहीं, बल्कि विकसित भारत के सफर में सह-निर्माता और हितधारक मानता है।

संयंत्र के विकास पर 1,300 करोड़ का शुरुआती निवेश करेगा सैफरान

सैफरान की इकाई सैफरान एयरक्राफ्ट इंजन सर्विसेज इंडिया (एसएईएसआई) ने हैदराबाद में अपने एमआरओ संयंत्र के विकास पर 1,300 करोड़ रुपये का शुरुआती निवेश किया है। यहां एयरबस ए320 निओ और बोइंग 737 मैक्स विमानों में इस्तेमाल होने वाले लीप इंजन की सर्विसिंग होगी। इस संयंत्र को प्रति वर्ष 300 इंजन की सर्विसिंग क्षमता के साथ डिजाइन किया गया है और 2035 तक 1,000 से अधिक कुशल भारतीय तकनीशियन और इंजीनियर यहां कार्यरत होंगे। इस संयंत्र में 2026 में परिचालन शुरू होने वाला है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान में कहा कि भारत में एमआरओ क्षमताओं का विकास विदेशी मुद्रा की निकासी को कम करेगा, उच्च मूल्य वाले रोजगार के अवसर सृजित करेगा, आपूर्ति शृंखला की मजबूती बढ़ाएगा और भारत को वैश्विक विमानन केंद्र के रूप में स्थापित करेगा।

अतिरिक्त ऑर्डर मिला तो असेंबली लाइन लगाने को प्रतिबद्ध : सीईओ

फ्रांसीसी विमानन कंपनी सैफरान ने कहा कि भारतीय वायुसेना राफेल लड़ाकू विमानों के लिए अतिरिक्त ऑर्डर देती है तो कंपनी राफेल के इंजन एवं अन्य महत्वपूर्ण कलपुर्जों के लिए भारत में अंतिम असेंबली लाइन लगाने को प्रतिबद्ध होगी। सैफरान के सीईओ ओलिवर एंड्रीस ने कंपनी के लीप इंजन रखरखाव, मरम्मत और देखभाल (मेंटेनेंस, रिपेयर ओवरहॉल-एमआरओ) केंद्र के उद्घाटन के बाद कहा कि अगर ऐसा होता है, तो यह फ्रांस के बाहर ऐसी पहली इकाई होगी। एंड्रीस ने कहा कि कंपनी रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के साथ इंजन के सह-विकास पर तकनीकी एवं वाणिज्यिक चर्चाएं करेगी। भारत एकमात्र देश है जिसके लिए कंपनी इंजन प्रौद्योगिकी का पूरी तरह हस्तांतरण करने का प्रस्ताव दे रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का नागर विमानन क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है और देश का घरेलू बाजार दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा है। भारतीय एयरलाइन कंपनियों ने 1,500 से अधिक नए विमानों का ऑर्डर दिया हुआ है। विमानों के रखरखाव, मरम्मत एवं देखभाल यानी एमआरओ का करीब 85 प्रतिशत काम विदेशों में होने से लागत बढ़ती है और विमानों को लंबे समय तक खड़ा रहना पड़ता है।

डिजिटल कनेक्शन डेटा सेंटर पर खर्च करेगी 11 अरब डॉलर

नई दिल्ली, एजेंसी

- ब्रुकफील्ड, रिलायंस इंडस्ट्रीज और डिजिटल रियल्टी के संयुक्त उद्यम ने की घोषणा

डिजिटल अवसंरचना कंपनी डिजिटल कनेक्शन ने बुधवार को आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में 2030 तक 11 अरब डॉलर (98,000 करोड़ रुपये) का निवेश कर एक गीगावॉट क्षमता वाले डेटा सेंटर विकसित करने की घोषणा की। ब्रुकफील्ड, रिलायंस इंडस्ट्रीज और अमेरिकी कंपनी डिजिटल रियल्टी के संयुक्त उद्यम डिजिटल कनेक्शन ने कहा कि विशाखापत्तनम में कृत्रिम मेधा (एआई) सक्षम डेटा सेंटर पांच वर्षों में 400 एकड़ क्षेत्र में स्थापित किए जाएंगे। कंपनी ने आंध्र प्रदेश आर्थिक विकास बोर्ड के साथ इस संबंध में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

डिजिटल कनेक्शन ने कहा कि उसके डेटा सेंटर उन्नत एआई कार्यभार को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। इनमें मजबूत सबस्टेशन, दोहरी बिजली फीड व्यवस्था और उच्च कंप्यूटिंग क्षमता जैसी सुविधाएं शामिल होंगी, जो अगले दशक की डिजिटल नवाचार आवश्यकताओं को पूरा कर सकेंगी। विशाखापट्टनम में यह निवेश उस समय सामने आया है जब पिछले महीने गूगल ने भी आंध्र प्रदेश में एआई हब और डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए 15 अरब डॉलर का निवेश करने की घोषणा की थी। डिजिटल कनेक्शन चेन्नई में परिसर संचालित कर रही है और मुंबई के चांदीवली क्षेत्र में उसका एक अन्य डेटा सेंटर निर्माणाधीन है।

मुद्रास्फीति के अनुमान में पूर्वाग्रह नहीं : गुप्ता

मुंबई, एजेंसी

- आरबीआई डिप्टी गवर्नर ने कहा- अनुमानों के लिए कई मॉडल और चर्चाओं का होता है उपयोग

भारतीय रिजर्व बैंक की डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता ने बुधवार को कहा कि हर अनुमान में त्रुटियों का जोखिम होता है, पर केंद्रीय बैंक के मुद्रास्फीति अनुमान में व्यवस्था के स्तर पर पूर्वाग्रह वाली बात नहीं है। गुप्ता ने कहा कि केंद्रीय बैंक मुद्रास्फीति अनुमानों पर पहुंचने के लिए विभिन्न मॉडल और विशेषज्ञ चर्चाओं का उपयोग करता है और अनुमानों का गलत होना सिर्फ यहां का मामला नहीं है बल्कि वैश्विक घटना है।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक भुगतान संतुलन के आंकड़े मासिक आधार पर जारी करने पर भी विचार कर रहा है। वर्तमान में तिमाही आधार पर ये आंकड़ें जारी किए जाते हैं। वैश्विक व्यापार नीतियों में हो रहे व्यापक बदलाव के बीच उन्होंने यह बात कही। भुगतान संतुलन देश की बाह्य स्थिति के बारे में संकेत देता है। मुद्रास्फीति अनुमान को लेकर चिंता आंकड़ों को अधिक दिखाने के अनुमान से उत्पन्न हुई है। इसके बारे में आलोचकों का तर्क है कि इसने आरबीआई को पिछले कुछ महीनों में नीतिगत दरों में और कटौती करने से रोका है। उनका तर्क है कि दरों में कटौती अर्थव्यवस्था के लिए मददगार होती और संभवतः अमेरिकी शुल्क के प्रभाव को कम करती।

गुप्ता ने सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के कार्यक्रम में कहा कि अनुमान की त्रुटियों को कम करना भी महत्वपूर्ण है, लेकिन अनुमान में कोई व्यवस्थित पूर्वाग्रह नहीं है। ऐसा नहीं है कि पूर्वानुमान किसी विशेष रूप से पक्षपाती है। मुद्रास्फीति के पूर्वानुमान पर आलोचनाओं को स्वीकार करते हुए उन्होंने कहा कि मीडिया में लेख पढ़ना मजेदार है, और बातों को कठोरता से लिखा जाता हैं, लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि आरबीआई इन विचारों को बहुत गंभीरता से लेता है। आरबीआई के मौद्रिक नीति विभाग में अपने सहयोगियों के साथ बातचीत का हवाला देते हुए, गुप्ता ने कहा कि हर अनुमान में त्रुटियों का जोखिम होता है और ऐसा कोई भी पूर्वानुमान लगाने वाला नहीं है जो हर बार सही हो। यह दुनिया के अन्य देशों में भी होता है।

अमेरिकी नीतिगत दर घटने की उम्मीद से बाजार झूमा

मुंबई, एजेंसी

- सेंसेक्स 1,022 अंक चढ़ा, निफ्टी रिकॉर्ड स्तर के करीब, तीन सत्रों से जारी गिरावट पर लगा विराम

स्थानीय शेयर बाजार में तीन कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट पर बुधवार को विराम लगा और चौतरफा लिवाली से बीएसई सेंसेक्स 1,000 अंक से अधिक चढ़ गया जबकि एनएसई निफ्टी ने फिर से 26,000 अंक के स्तर को प्राप्त कर लिया।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर घटाने की उम्मीद के बीच वैश्विक बाजारों में तेजी और विदेशी संस्थागत निवेशकों के पूंजी प्रवाह से घरेलू बाजार में उछाल आया।

बीएसई का सेंसेक्स 1,022.50 अंक चढ़कर 85,609.51 पर बंद हुआ। वहीं एनएसई का निफ्टी 320.50 अंक की बढ़त के साथ 26,205.30 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी अपने अबतक के उच्चतम स्तर से केवल 10 अंक कम है। विशेषज्ञों के अनुसार, रूस और यूक्रेन के बीच युद्धविराम को लेकर बढ़ती उम्मीद ने भी निवेशकों की धारणा को मजबूत किया। सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, टाटा स्टील, रिलायंस इंडस्ट्रीज, सन फार्मा, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, एक्सिस बैंक और इन्फोसिस प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी तरफ, भारती एयरटेल और एशियन पेंट्स के शेयर नुकसान में रहे। बाजार में भागीदारी व्यापक रही। धातु, ऊर्जा और आईटी सूचकांकों में बढ़त दर्ज की गई। मझोली और छोटी कंपनियों से जुड़े सूचकांकों में भी एक प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में रहे। हालांकि, चीन का शंघाई कम्पोजिट गिरावट के साथ बंद हुआ। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में तेजी का रुख था। अमेरिकी बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुए।

एफआईआई और डीआईआई ने की खरीदारी

शेयर बाजार के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 785 .32 करोड़ के शेयर खरीदे। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने भी 3,912 .47 करोड़ की लिवाली की। मझोली कंपनियों से जुड़ा मिडकैप सूचकांक 1 .32 प्रतिशत चढ़ा जबकि छोटी कंपनियों का स्मॉलकैप 1 .23 प्रतिशत के लाभ में रहा। बीएसई में सूचीबद्ध 2,800 शेयरों में तेजी रही जबकि 1,371 शेयरों में गिरावट आई। 154 शेयरों में कोई बदलाव नहीं आया। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0 .03 प्रतिशत की मामूली वृद्धि के साथ 62 .50 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

राष्ट्रीय

प्रदूषण के कारण डिजिटल सुनवाई पर करें विचार

सीजेआई सूर्यकांत ने 60 वर्ष से अधिक के अधिवक्ताओं को अनुमति दिए जाने का कोर्ट में विचार रखा

नई दिल्ली, एजेंसी

- एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने की टिप्पणी

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने गंभीर वायु प्रदूषण के कारण सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई केवल डिजिटल तरीके से करने की संभावना पर विचार करते हुए कहा कि एक दिन पहले जब वह एक घंटे की सैर पर गए थे तो उन्होंने खुद को अस्वस्थ महसूस किया था। उन्होंने कहा कि वह बार से परामर्श के बाद निर्णय करेंगे, हालांकि 60 वर्ष से अधिक आयु के अधिवक्ताओं के लिए डिजिटल तरीके से सुनवाई की अनुमति देने का विचार अदालत में रखा गया था।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने यह टिप्पणी तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई की शुरुआत में कीं, जब आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट मांगी। द्विवेदी ने कहा कि मुझे प्रदूषण से दिक्कत है... कृपया मेरे सहकर्मी को नोट लेने की अनुमति दें। मैं अगली तारीख पर वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए पेश होना चाहता हूं।

उन्होंने बताया कि सुबह की सैर पर जाने के बाद से उन्हें कुछ दिक्कत हो रही है। मुझे आपकी अनुमति चाहिए। ऑनलाइन पेश होने की अनुमति दी जाए, मेरी तबियत ठीक नहीं है। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने सहमति जताते हुए कहा कि इस उम्र में, हम इस खराब हवा में सांस ले रहे हैं, जबकि वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 400-500 है। सीजेआई ने कहा कि कल मैं एक घंटे टहलने गया था। मैं ठीक महसूस नहीं कर रहा था। इसके बाद, 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के वकीलों को सुनवायी के लिए भौतिक पेशी से छूट देने की संभावना पर विचार किया गया।

देश को भगौड़े अपराधियों को वापस लाने का अधिकार

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि देश को कानून से बचने वाले अपराधियों को वापस लाने का अधिकार है। न्यायालय ने एक व्यक्ति की उस याचिका पर विचार करने से इन्कार कर दिया, जिसमें उसने संयुक्त अरब अमीरात से उसके प्रत्यर्पण के लिए किए गए अनुरोध को वापस लेने की प्रार्थना की थी। अधिकारियों के अनुसार, याचिकाकर्ता विजय मुरलीधर उधवानी के खिलाफ 153 मामले दर्ज हैं, जिसने जुलाई 2022 में दुबई की यात्रा की थी और उस पर अवैध शराब की तस्करी और अन्य अपराधों की संगठित अवैध गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ उधवानी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस भी जारी किया गया था। उधवानी ने गुजरात उच्च न्यायालय के एक आदेश को चुनौती दी थी। उच्च न्यायालय ने याचिका खारिज कर दी थी, जिसमें उसके खिलाफ जारी रेड कॉर्नर नोटिस को रद्द करने और प्रत्यर्पण के लिए संयुक्त अरब अमीरात को किए गए प्रत्यर्पण अनुरोध को वापस लेने के लिए अधिकारियों को निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से उपस्थित वकील से कहा कि कई अपराध हैं... आप वापस आएं। आपका भव्य स्वागत किया जाएगा। वकील ने तर्क दिया कि याचिकाकर्ता के खिलाफ 38 निषेध अपराध दर्ज हैं, लेकिन उसे उनमें से एक का भी विवरण नहीं पता है। जब उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता जुलाई 2022 में दुबई गया था, तो पीठ ने कहा कि तब से वह वापस नहीं आया है।

शराब घोटाले में तीन आरोपियों को अंतरिम राहत

सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश में 3,500 करोड़ के शराब घोटाले में तीन आरोपियों को आत्मसमर्पण करने से बुधवार को अंतरिम राहत दे दी। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के उस आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी, जिनमें आरोपियों की जमानत रद्द कर दी गई थी। उच्च न्यायालय ने उन्हें मामले की सुनवाई कर रही अदालत में 26 नवंबर को आत्मसमर्पण करने और नियमित जमानत के लिए अनुरोध करने का निर्देश दिया था।

पानी और भोजन की खराब गुणवत्ता पर वीआईटी में छात्रों का हंगामा, तोड़फोड़

सीहोर (मप्र), एजेंसी

- 4,000 से ज्यादा छात्रों ने किया प्रदर्शन, कॉलेज प्रबंधन ने की 30 नवंबर तक छुट्टी

सीहोर जिले में वेल्लोर प्रौद्योगिकी संस्थान (वीआईटी) के छात्रों ने भोजन और पानी की कथित खराब गुणवत्ता को लेकर हिंसक प्रदर्शन किया, कॉलेज परिसर में तोड़फोड़ की और वाहनों में आग लगा दी। पुलिस अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मंगलवार देर रात आगजनी के दौरान एक बस, चार पहिया दो वाहन, एक एम्बुलेंस, छात्रावास की खिड़की के शीशे, एक आरओ प्लांट और परिसर के अन्य हिस्सों को नुकसान पहुंचाया गया। पुलिस ने बताया कि 3,000 से 4,000 छात्रों ने भोजन और पानी की गुणवत्ता को लेकर प्रदर्शन किया। सूचना के बाद पुलिस अनुमंडल अधिकारी (आष्टा) और कई थानों के पुलिसकर्मी कॉलेज पहुंचे। कर्मियों ने छात्रों के साथ विस्तृत चर्चा की, उनकी चिंताओं को सुना और उन्हें समस्याओं को हल करने के लिए कार्रवाई का आश्वासन दिया। आष्टा अनुविभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीओपी) आकाश अमालकर ने कहा कि कॉलेज और छात्रावास परिसर में स्थिति वर्तमान में नियंत्रण में है। परिसर में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। इस बीच, कॉलेज प्रबंधन ने 30 नवंबर तक छुट्टी घोषित कर दी है।

सीहोर के एसपी दीपक शुक्ला ने कहा कि स्थिति सामान्य है। वीआईटी ने 30 नवंबर तक अवकाश घोषित किया है और कुछ छात्र घर जा रहे हैं। एसडीएम और एसडीओपी वीआईटी के सभी छात्रावास के छात्रों से उनकी समस्याओं और बीमार छात्रों के बारे में जानकारी लेंगे और फिर कार्रवाई की जाएगी। कांग्रेस की मध्यप्रदेश इकाई के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इस मामले को लेकर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने एक्स पर दावा किया कि राज्य के प्रमुख शैक्षणिक संस्थान वीआईटी में पीलिया व्यापक रूप से फैल गया है। भोपाल, आष्टा और सीहोर के अस्पतालों में बड़ी संख्या में छात्र भर्ती हैं। कई बच्चों के गंभीर रूप से बीमार होने की भी खबरें हैं।

वीआईटी के प्रोफेसर की रहस्यमयी मौत

सीहोर। वीआईटी में छात्रों के प्रदर्शन के एक दिन बाद इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के प्रोफेसर संग्राम केसरी दास का शव मिला है। प्रोफेसर का शव शाम को उनके किराए के कमरे में था। दास ओडिशा के निवासी थे। मकान मालिक व पड़ोसियों ने दास के न दिखाई देने पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने कमरे का दरवाज़ा तोड़ा तो प्रोफेसर शव पड़ा था। शुरुआती जांच में चोट के निशान नहीं मिले, जिससे मृत्यु के कारणों पर और रहस्य गहरा गया है।

निर्वाचन आयोग ने सीईओ कार्यालय पर प्रदर्शन की पुलिस से रिपोर्ट मांगी

कोलकाता, एजेंसी

- मुख्यमंत्री ममता ने बीएलओ की मांग को उचित बताया

निर्वाचन आयोग ने प. बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय पर बीएलओ के विरोध प्रदर्शन को लेकर कोलकाता पुलिस आयुक्त मनोज कुमार वर्मा को बुधवार को पत्र लिखा और इसे गंभीर सुरक्षा उल्लंघन बताया तथा 48 घंटे में कार्रवाई रिपोर्ट मांगी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बीएलओ के प्रदर्शन को निर्वाचन आयोग के अहंकार को जिम्मेदार ठहराया। पत्र में आयोग के सचिव सुजीत मिश्रा ने कहा कि सीईओ मनोज अग्रवाल के कार्यालय में मौजूदा सुरक्षा अपर्याप्त है।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कारण अत्यधिक कार्य दबाव का आरोप लगाते हुए, बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) ने मंगलवार शाम तक सीईओ कार्यालय के बाहर 30 घंटे का प्रदर्शन किया। आयोग ने पत्र में कहा कि सीईओ कार्यालय में मौजूदा सुरक्षा स्थिति से निपटने के लिए अपर्याप्त प्रतीत होती है, जिससे मुख्य निर्वाचन अधिकारी, संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारियों, उप मुख्य निर्वाचन अधिकारियों और मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में काम करने वाले अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों की सुरक्षा को खतरा हो सकता है। पत्र की प्रतिलिपि मुख्य सचिव, राज्य के गृह सचिव और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को भेजी गई।

बीएलओ को अपना पक्ष रखने का अधिकार

इस संबंध में मुख्यमंत्री बनर्जी ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) पर सवाल उठाते हुए कहा कि बीएलओ को अपनी शिकायतें रखने के लिए उनके दफ्तर के बाहर घंटों इंतजार क्यों कराया गया। बंगाल ही नहीं, गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में भी बीएलओ काम के दबाव में दम तोड़ रहे हैं।

छत्तीसगढ़: 41 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण, 32 पर थे एक करोड़ 19 लाख के इनाम

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में एक करोड़ 19 लाख के इनामी 32 समेत 41 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि इनमें कई आठ लाख के इनामी है। वहीं, कई पर पांच लाख का इनाम था। इसके अलावा 12 नक्सलियों पर दो-दो लाख तथा आठ नक्सलियों पर एक-एक लाख का इनाम था।

अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्यों के अलावा तेलंगाना स्टेट कमेटी और धमतरी-गरियाबंद-नुआपाड डिवीजन के नक्सली भी शामिल हैं। राज्य शासन द्वारा अपनाई गई व्यापक नक्सल उन्मूलन नीति ने दक्षिण बस्तर क्षेत्र में स्थायी शांति की मजबूत नींव स्थापित की है। पुलिस, सुरक्षाबलों, स्थानीय प्रशासन, सामाजिक संगठनों और क्षेत्र के जागरुक नागरिकों के सामूहिक तथा समन्वित प्रयासों से हिंसा और भय की संस्कृति को संवाद और विकास की संस्कृति में बदलने में बड़ी सफलता मिली है।

परिवार को पूरा लाभ न देने पर शहीद अग्निवीर की मां पहुंचीं हाईकोर्ट

मुंबई, एजेंसी

- शहीद की मां ने दावा किया- अग्निपथ योजना अग्निवीरों और नियमित सैनिकों में फर्क पैदा करती है

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शहीद हुए अग्निवीर मुरली नाइक की मां ने मुंबई हाईकोर्ट का रुख किया है और नियमित सैनिक के परिवार को मिलने वाले लाभ देने से इन्कार करने को चुनौती दी है। नाइक की मां ज्योतिबाई नाइक की अर्जी में दावा किया गया कि अग्निपथ योजना अग्निवीरों और नियमित सैनिकों के बीच मनमाना फर्क पैदा करती है। इसमें उन्होंने संपूर्ण मृत्यु लाभ देने से इन्कर करने को भेदभावपूर्ण बताते हुए सवाल उठाया है।

पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत द्वारा शुरू किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तानी सेना की ओर से गोलाबारी और मोर्टार से हमलों में नौ मई को मुरली नाइक शहीद हो गए थे। अधिवक्ता संदेश मोरे, हेमंत घाडीगांवकर और हितेन्द्र गांधी के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है कि अग्निवीर नियमित सैनिकों के समान ही कर्तव्य निभाते हैं और उन्हीं जोखिमों का सामना करते हैं, फिर भी अग्निवीरों के परिवारों को दीर्घकालिक पेंशन और कल्याणकारी लाभों से वंचित रखा गया है। सरकार द्वारा शुरू की गई अग्निपथ योजना में अग्निवीरों को सेवा के बाद मिलने वाले उन पेंशन लाभ और अन्य दीर्घकालिक कल्याणकारी अधिकारों से स्पष्ट रूप से वंचित रखा गया है।

जज बदलने की राबड़ी देवी की याचिका पर सीबीआई को नोटिस

नई दिल्ली। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी द्वारा आईआरसीटीसी होटल घोटाला मामले की सुनवाई किसी अन्य जज को भेजने की मांग वाली याचिका पर बुधवार को दिल्ली की अदालत ने सीबीआई से जवाब मांगा है।

प्रधान एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश भट्ट ने राजद नेता की याचिका पर सुनवाई करते हुए सीबीआई को नोटिस जारी किया। अदालत ने सीबीआई मामले में जारी सुनवाई की कार्यवाही पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। इससे पहले सोमवार को राबड़ी देवी ने अपने खिलाफ दर्ज सीबीआई और ईडी के मामलों को दूसरी अदालत में स्थानांतरित करने की मांग करते हुए एक याचिका दायर की थी।

हांगकांग में भीषण आग...

हांगकांग के ताई पो जिले में एक बहुमंजिला आवासीय परिसर में बुधवार को आग लगने से चार लोगों की मौत हो गई जबकि तीन अन्य व्यक्ति अस्पताल में भर्ती हैं। इमारतों में कुछ लोगों के फंसे होने की सूचना है।

2,700 साल बाद भारत से इजराइल वापसी

बेनी मेनाशे एक समुदाय है जो अपने को प्राचीन इज़राइल के मेनाशे कबीले का वंशज मानता है। यह समुदाय भारत के पूर्वोत्तर में रहने वाला एक अनोखा और ऐतिहासिक समुदाय है। माना जाता है कि लगभग 2,700 साल पहले असिरियन साम्राज्य द्वारा इज़राइल पर कब्जे के दौरान मेनाशे कबीले के लोग मध्य एशिया और फिर पूर्व की ओर पलायन कर गए। समय के साथ यह समुदाय चीन होते हुए म्यांमार और फिर भारत के मणिपुर व मिजोरम क्षेत्र में आकर बस गया। बेनी मेनाशे पूर्वोत्तर भारत के यहूदी समुदायों का सामूहिक नाम है, जो मुख्य रूप से मिजोरम और मणिपुर में रह रहे हैं। यहां इनकी आबादी लगभग 5,800 है जिन्हें इजराइल की सरकार ने वतन वापसी की मंजूरी दे दी है।

कौन हैं बेनी मेनाशे समुदाय

इजराइल ने दी वापसी की मंजूरी

इजराइल सरकार ने अगले पांच वर्षों में भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र से सभी 5,800 यहूदियों (बेनी मेनाशे) को लाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इजराइल की जुइश एजेंसी ने कहा कि सरकार ने पूर्वोत्तर भारत से बेनी मेनाशे समुदाय के अलियाह (आव्रजन) को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण, व्यापक पहल को मंजूरी दे दी। इस ऐतिहासिक निर्णय से 2030 तक समुदाय के लगभग 5,800 सदस्य इजराइल आएंगे। इनमें से 1,200 सदस्यों को 2026 में लाने के लिए स्वीकृत मिल गई है।

वापसी के लिए खास इंतजाम

बेनी मेनाशे के वतन वापसी पर इजराइल अनुमानत: नौ करोड़ शेकेल (2.7 करोड़ अमेरिकी डॉलर) खर्च करेगा जिससे इन आप्रवासियों की उड़ानों, धर्म संबंधी शिक्षाओं, आवास, हिब्रू पाठ और अन्य चीजों को कवर किया जाएगा। रब्बियों (धार्मिक नेताओं) के एक प्रतिनिधिमंडल के भी इनसे मिलने भारत आने की संभावना है। प्रतिनिधिमंडल लगभग 3,000 बेनी मेनाशे लोगों का साक्षात्कार करेगा, जिनके इजराइल में रिश्तेदार हैं।

पहले ही जा चुके 2,500 सदस्य

बेनी मेनाशे समुदाय के लगभग 2,500 सदस्य पहले ही इजराइल में बस चुके हैं। समुदाय के अधिकतर युवा इजराइली रक्षा बलों की लड़ाकू इकाइयों में सेवारत हैं। इनके वतन वापसी का काम देख रही जुइश एजेंसी इजराइल आधारित अंतर्राष्ट्रीय संगठन है जो अलियाह को मुख्य मूल्य के रूप में आगे बढ़ाकर इजराइल और दुनिया भर के यहूदी लोगों को मजबूत करने के लिए सामूहिक रूप से कार्य करता है।

समुदाय का धर्म और संस्कृति

बेनी मेनाशे समुदाय का धर्म यहूदी है, लेकिन समय के साथ उन्होंने स्थानीय परंपराओं और अन्य धर्मों के प्रभाव को भी अपनाया है। कई लोग ईसाई और हिंदू धर्म को भी मानते हैं। भाषा : बेनी मेनाशे समुदाय की भाषा मुख्य रूप से मिजो और मैते है, लेकिन कई लोग हिब्रू और अंग्रेजी भी बोलते हैं। पोशाक : समुदाय की पोशाक में पारंपरिक मिजो और मैते कपड़े शामिल होते हैं। भोजन : इनका भोजन मुख्य रूप से मांसाहारी होता है, जिसमें मछली, मांस, और सब्जियां शामिल होती हैं। त्योहार : ये यहूदी त्योहारों को मनाते हैं, जैसे कि रोश हशनाह और योम किप्पुर, साथ ही स्थानीय त्योहार भी मनाते हैं। संगीत-नृत्य : इनका संगीत-नृत्य मिजो और मैते संस्कृति से प्रभावित है, जिसमें पारंपरिक वाद्ययंत्र और नृत्य शामिल हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

40 अरब डॉलर के हथियार लेगा ताइवान

ताइपे। ताइवान के रक्षा मंत्री वेलिंगटन कू ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार हथियारों की खरीद के लिए 40 अरब अमेरिकी डॉलर का विशेष बजट पेश करेगी। यह निर्णय ताइवान पर अपने रक्षा खर्च में बढ़ोतरी करने के अमेरिका के दबाव के बीच लिया जा रहा है। कू ने बताया कि यह बजट नई रक्षा प्रणालियों की खरीद पर खर्च किया जाएगा, जिनमें अमेरिका से खरीदे जाने वाले सैन्य उपकरण भी शामिल होंगे।

बोल्सोनारो की 27 साल की सजा शुरू

ब्रासीलिया। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो ने मंगलवार से 27 साल की जेल की सजा काटना शुरू कर दिया। बोल्सोनारो को 2022 का राष्ट्रपति चुनाव हारने के बाद सत्ता में बने रहने के लिए तख्तापलट की साजिश का दोषी पाया गया था। इस मामले पर सुनवाई कर रहे उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश एलेक्जांद्रे दे मोरेस ने आदेश दिया कि बोल्सोनारो को उसी संघीय पुलिस मुख्यालय में रखा जाएगा।

पाकिस्तान ने किया मिसाइल का परीक्षण

कराची। पाकिस्तानी नौसेना ने एक स्वदेश विकसित पोत रोधी बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। इस मिसाइल को समुद्र और धरती, दोनों स्थानों पर लक्ष्य भेदने में सक्षम है। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, यह परीक्षण मंगलवार को स्थानीय स्तर पर निर्मित नौसैन्य प्लेटफॉर्म से किया गया, जिससे देश की रक्षा क्षमताएं बढ़ी हैं। यह मिसाइल समुद्र और जमीन से हमले में सक्षम है।

इजराइल ने गाजा से भेजे शव पहचाने

यरूशलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को कहा कि उनके देश ने गाजा से हाल में लाए गए एक शव की पहचान बंधक द्रोर ओर के अवशेषों के रूप में की है। अब गाजा में दो बंधकों के शव बचे हैं। इजराइल-हमास संघर्ष विराम का पहला चरण पूरा होने वाला है।

सरकोजी की दोषसिद्धि को बरकरार रखा

पेरिस। फ्रांस की शीर्ष अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी को उनके पुनर्निर्वाचन अभियान के लिए अवैध वित्तपोषण के मामले में दोषी ठहराए जाने के फैसले को बरकरार रखा। सर्वोच्च अपीलीय न्यायालय (कोर्ट ऑफ कैसेशन) ने यह निर्णय सुनाया।

आतंकवाद किसी एक देश के लिए नहीं, मानव जाति के लिए अभिशाप

मुंबई हमले की बरसी : आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने पर गृहमंत्री शाह का जोर

- हमले की 17वीं बरसी पर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

मुंबई/नई दिल्ली, एजेंसी

आतंकवादी हमले में मारे गए शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए मुंबई में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान अपनों को याद कर रो पड़ी एक पीड़िता।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने 2008 में मुंबई आतंकवादी हमले के दौरान आतंकवादियों से लड़ते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों को बुधवार को पुष्पांजलि अर्पित की। हमले की 17वीं बरसी पर अपने संदेश में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सभी नागरिकों से आतंकवाद से लड़ने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने को कहा, जबकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आतंकवाद को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करने की नरेन्द्र मोदी सरकार की नीति को रेखांकित किया। कहा कि आतंकवाद किसी एक देश के लिए नहीं, बल्कि पूरी मानव जाति के लिए बहुत बड़ा अभिशाप है।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और मंत्री आशीष शेलार ने भी दक्षिण मुंबई में पुलिस आयुक्त कार्यालय परिसर में शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर महाराष्ट्र की पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला, मुंबई पुलिस आयुक्त देवेन भारती और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

आतंकवादी हमले में जान गंवाने वाले पुलिसकर्मियों के परिजनों ने भी शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

शाह ने एक्स पर अपने संदेश में कहा कि आतंकवाद किसी एक देश के लिए नहीं, बल्कि पूरी मानव जाति के लिए बहुत बड़ा अभिशाप है। उन्होंने कहा कि मुंबई आतंकी हमले का डटकर सामना करते हुए अपना बलिदान देने वाले वीर जवानों को नमन करता हूं और इस कायराना हमले में अपनी जान गंवाने वाले सभी लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। मोदी सरकार की आतंक के खिलाफ जीरो टॉलरेंस (बिल्कुल भी बर्दाश्त न करने) की नीति स्पष्ट है, जिसे पूरा विश्व सराह रहा है और भारत के आतंकवाद विरोधी अभियानों को व्यापक समर्थन दे रहा है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी एक्स पर शहीदों को याद करते हुए कहा कि 26/11 मुंबई आतंकवादी हमलों की बरसी पर, मैं उन वीर सैनिकों को नमन करती हूं जिन्होंने हमारे देश के लोगों की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्र उनके सर्वोच्च बलिदान को कृतज्ञतापूर्वक याद करता है। मुर्मू ने कहा कि आइए! हम हर तरह के आतंकवाद का मुकाबला करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करें। आइए! हम एक मजबूत और समृद्ध भारत के निर्माण के संकल्प के साथ प्रगति के पथ पर एक साथ आगे बढ़ें। 26 नवंबर 2008 को पाकिस्तान से आए 10 आतंकवादियों द्वारा मुंबई के कई हिस्सों में एक साथ किए गए हमलों में 166 लोगों की जान चली गई थी और 300 से अधिक घायल हो गए थे। पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन एलईटी के 10 सशस्त्र आतंकवादी समुद्र के रास्ते शहर में घुसे थे।

हमलों की वैश्विक स्तर पर की गई निंदा

इन हमलों की वैश्विक स्तर पर निंदा हुई और इसके बाद भारत के आतंकवाद-रोधी उपायों में महत्वपूर्ण बदलाव हुए। कई लोगों ने सीएसएमटी, कामा व आल्बलेस रुग्णालय तथा अन्य स्थानों पर भी श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्हें पाकिस्तानी आतंकवादियों ने निशाना बनाया था। कई लोगों ने सहायक उपनिरीक्षक तुकाराम ओम्बले की प्रतिमा प्रेरणा स्थल पर भी पुष्पांजलि अर्पित की, जो गिरगांव चौपाटी पर आतंकवादी कसाब को पकड़ते समय शहीद हो गए थे।

देश का पहला एंटी ड्रोन पेट्रोल वाहन लांच

हैदराबाद, एजेंसी

- सीमा पार से आने वाले ड्रोनों को पलक झपकते मार गिराएगा

काउंटर-ड्रोन एवं एयर डिफेंस प्रौद्योगिकी कंपनी इंद्रजाल ड्रोन डिफेंस ने बुधवार को देश का पहला एंटी ड्रोन पेट्रोल व्हीकल (एडीपीवी) लॉन्च किया जो सीमा पार से आने वाले ड्रोनों को मार गिराने में सक्षम होगा।

यह पूरी तरह से मोबाइल एआई से लैस काउंटर ड्रोन सिस्टम है जो ड्रोन हमलों से बचाव के देश के तौर-तरीकों को बदलने की क्षमता रखता है। आज दुनिया में युद्ध के दौरान बढ़ते ड्रोन के इस्तेमाल को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। सीमा पार से आतंकवादी संगठन भी ड्रोन का इस्तेमाल हथियारों और ड्रग्स की तस्करी के लिए करते हैं। कंपनी ने बताया कि मौजूदा समय में एंटी-ड्रोन उपकरण वाहनों पर अलग से लगाए जाते हैं जो तभी काम करते हैं जब वाहन अपनी जगह पर स्थिर हो। वहीं, इंद्रजाल का एडीपीवी चलते हुए भी ड्रोन का पता लगा सकता है, एआई की मदद से खतरे का आंकलन कर सकता है और तुरंत मारकर गिरा सकता है। इसका इस्तेमाल सीमा पर सड़कों, नहरों, खेतों, बुनियादी ढांचों और शहरी क्षेत्रों में किया जा सकता है।

इंडोनेशिया में बाढ़ से मृतकों की संख्या 17 हुई

मेदान। इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप पर मूसलाधार बारिश के कारण आई अचानक बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित दर्जनों लोगों के बचाव अभियान के दौरान, बचावकर्मियों ने कई और शव बरामद किए हैं। इसके साथ ही, इस आपदा में मरने वालों की संख्या बढ़कर 17 हो गई है, जबकि छह अन्य व्यक्ति अब भी लापता हैं। राष्ट्रीय पुलिस ने एक बयान में कहा कि पिछले सप्ताह हुई मानसूनी बारिश के कारण नदियां उफान पर आ गईं हैं और बाढ़ से इलाके में तबाही मच गई। इस घटना के बाद बचाव दल, उत्तरी सुमात्रा प्रांत के छह जिलों में प्रभावित इलाकों तक पहुंचने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बयान में कहा गया है कि बुधवार तक बचावकर्मियों ने सबसे अधिक प्रभावित शहर सिबोल्गा से कम से कम पांच शव और तीन घायल लोगों को निकाला है।

आईआईटी मद्रास ने विकसित की पोत प्रबंधन की प्रणाली

नई दिल्ली, एजेंसी

- देश की पहली स्वदेशी प्रणाली से कम होगा आयात

आईआईटी मद्रास के शोधकर्ताओं ने देश की पहली स्वदेशी पोत यातायात प्रबंधन प्रणाली विकसित की है और इसे बंदरगाहों में उपयोग में लाया जा रहा है। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय द्वारा उल्लेखित आवश्यकताओं के आधार पर आईआईटी मद्रास स्थित राष्ट्रीय बंदरगाह, जलमार्ग और तट प्रौद्योगिकी केंद्र (एनटीसीपीडब्ल्यूसी) ने इस प्रणाली को तैयार किया है।

एनटीसीपीडब्ल्यूसी के प्रमुख के. मुरली के अनुसार, यह प्रणाली भारतीय समुद्री क्षेत्र में प्रौद्योगिकी और विशेषज्ञता के स्वदेशीकरण को बढ़ावा देगी तथा आयात पर निर्भरता कम करेगी। उन्होंने कहा कि स्वदेशी प्रणाली से पोत की आवाजाही से संबंधित रणनीतिक डेटा के लीक होने का खतरा नहीं होता। मुरली ने कहा कि यह प्रणाली आसानी से उन्नत की जा सकती है ताकि संबंधित हितधारकों की लगातार बदलती आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके और इसमें वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को शामिल किया जा सके। यह प्रणाली पहले ही केरल में स्थित विझिंजम इंटरनेशनल सीपोर्ट लिमिटेड (वीआईएसएल) में लागू कर दी गई है, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मई में किया था। उन्होंने कहा कि पश्चिमी तट पर स्थित दो अन्य बंदरगाह भी इस प्रणाली को लागू करने के लिए आईआईटी मद्रास से बातचीत कर रहे हैं। स्वदेशी पोत यातायात प्रबंधन का एक प्रमुख लाभ यह है कि सरकार के पास इसके स्रोत कोड, डेटाबेस और समाधान के विभिन्न पहलुओं पर पूरा रणनीतिक नियंत्रण होता है।

गाजा संघर्ष विराम के दूसरे चरण पर त्रिपक्षीय बातचीत

काहिरा। तुर्की के खुफिया प्रमुख ने काहिरा में अपने मिस्र समकक्ष और कतर के प्रधानमंत्री-सह-विदेश मंत्री से गाजा संघर्ष विराम समझौते के दूसरे चरण पर चर्चा की। बातचीत का मुख्य ध्यान संघर्ष विराम को बनाए रखने तथा इसके आगे उल्लंघन को रोकने के लिए आने वाली बाधाओं को दूर करने पर रहा। मिस्र के मीडिया के अनुसार, अधिकारियों ने इजराइल के सिविल-मिलिट्री कोऑर्डिनेशन सेंटर के साथ समन्वय बढ़ाने पर सहमति जताई तथा उल्लंघनों को रोकने और अनुपालन को मजबूत करने के उपायों पर विचार किया।

चीन की हरकत संबंधों को सामान्य बनाने में बाधक

नई दिल्ली, एजेंसी

- भारतीय महिला को रोके जाने पर विदेश मंत्रालय सख्त

भारत ने अरूणाचल प्रदेश की रहने वाली एक भारतीय महिला के साथ शंघाई हवाई अड्डे पर वीजा और पासपोर्ट को लेकर की गई हरकत पर सख्त रूख अपनाते हुए कहा है कि इस तरह की हरकतें दोनों देशों के बीच परस्पर विश्वास और समझ बनाने तथा संबंधों को सामान्य बनाने में मददगार नहीं होगी।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बुधवार को यहां मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि अरूणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और इस तरह की हरकतों से हकीकत नहीं बदल सकती। उन्होंने कहा कि भारत पहले भी कई बार यह स्पष्ट कर चुका है कि भारत और चीन के बीच संबंधों को सामान्य बनाने के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बनाए रखाना जरूरी शर्त है। प्रवक्ता ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश की रहने वाली भारतीय नागरिक के साथ चीन की मनमानी हरकतें दोनों पक्षों द्वारा परस्पर विश्वास और समझ बनाने तथा संबंधों को सामान्य बनाने की कोशिशों में मददगार नहीं हैं।

हसीना के प्रत्यर्पण पर बांग्लादेश को जवाब की उम्मीद

ढाका/नई दिल्ली। बांग्लादेश ने बुधवार को कहा कि भारत ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण के उसके पूर्व के अनुरोध पर कोई जवाब नहीं दिया, लेकिन बांग्लादेश को भारत से जवाब की उम्मीद है क्योंकि न्यायिक प्रक्रिया पूरी होने और पूर्व प्रधानमंत्री को दोषी ठहराए जाने के बाद अब स्थिति अलग है। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने गत सप्ताह भारत को एक आधिकारिक पत्र भेजकर हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की थी। विशेष न्यायाधिकरण ने 17 नवंबर को मानवता के खिलाफ अपराध के लिए उन्हें मौत की सजा सुनाई थी।

यूक्रेन-रूस युद्ध खात्मे की योजना तैयार

वाशिंगटन, एजेंसी

- राष्ट्रपति ट्रंप ने पुतिन और यूक्रेनी अधिकारियों के पास भेजे दूत

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध समाप्त कराने की उनकी योजना तैयार है और वह अपने दूत स्टीव विटकॉफ को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से तथा सेना सचिव डैन ड्रिस्कॉल को यूक्रेनी अधिकारियों से बातचीत के लिए भेज रहे हैं।

ट्रंप ने संकेत दिया कि वह भी पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात कर सकते हैं, लेकिन वार्ता में पर्याप्त प्रगति होने पर। उन्होंने कहा कि वह उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस, विदेश मंत्री मार्को रुबियो, युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ और ट्रंप के आधिकारिक आवास व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ सूज़ी वाइल्स के साथ प्रगति की जानकारी लेंगे। ट्रंप की यह टिप्पणी तब आई जब सेना सचिव ड्रिस्कॉल ने सोमवार देर रात और मंगलवार को अबू धाबी में रूसी अधिकारियों से बातचीत की।

कीव पर रात भर बरसीं मिसाइलें

बातचीत जारी रहने के बीच रूस ने कीव पर रातभर मिसाइल हमले किए, जिनमें सात लोग मारे गए जबकि यूक्रेन के हमले में दक्षिणी रूस में तीन लोगों की मौत हुई। पिछले सप्ताह सामने आई ट्रंप की शांति योजना रूस के पक्ष वाली बताई गई है जिसके बाद जेलेंस्की तुरंत अमेरिकी वार्ताकारों से मिले। यूरोपीय देशों ने भी इस पर अपनी चिंताएं जतायी हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि शांति प्रयास महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं और गति पकड़ रहे हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 27 नवंबर, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, सप्तमी 28 नवंबर 00.29 तक तत्पश्चात अष्टमी।

आज का पंचांग

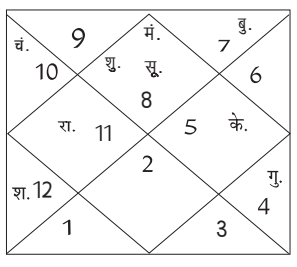

दिशाशूल- दक्षिण, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- धनिष्ठा 28 नवंबर 02.32 तक तत्पश्चात शतभिषा।

मेष — आज राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद मिल सकता है। युवाओं को नौकरी के प्रस्ताव प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार में बड़ा निवेश कर सकते हैं। आपको अपने आत्मसम्मान की चिंता रहेगी। अपने विरोधियों पर अधिक विश्वास न करें।

वृष — आज आप भविष्य को लेकर कुछ महत्वपूर्ण निर्णय करने का विचार बनाएंगे। बड़े भाई-बहनों से अपने मन की बातें शेयर कर सकते हैं। कारोबार में बड़े ऑर्डर मिलने के योग बन रहे हैं। प्रतिष्ठित लोगों से आपके संपर्क मजबूत होंगे।

मिथुन — आज जल का पर्याप्त मात्रा में सेवन करें। दिखावे की प्रवृत्ति से आपको बचना चाहिए। दूसरों के सामने अपनी छवि को लेकर अत्यंत चिंतित हो सकते हैं। आपकी दिनचर्या थोड़ी अव्यवस्थित हो सकती है। विरोधी आपको परेशान करने का प्रयास करेंगे।

कर्क — आज भाग्य आपके पक्ष में रहेगा। शाम के समय आपके कुछ काम अटक सकते हैं। आर्थिक मामलों को लेकर समस्या दूर होगी। पारिवारिक सुख का भरपूर आनंद लेंगे। विद्यार्थियों को पढ़ाई में अच्छे परिणाम मिलेंगे। जीवनसाथी के साथ घूमने जा सकते हैं।

सिंह — आज अचल संपत्ति के क्रय-विक्रय से लाभ होगा। व्यापारियों को धन उधार देने से बचना चाहिए। कार्यक्षेत्र में मनमानी भरे रवैये के कारण नुकसान हो सकता है। अपने काम के अलावा दूसरे कार्यों में अधिक फोकस कर सकते हैं।

कन्या — आज बेवजह दूसरे लोगों से सलाह न लें। प्रतियोगी परीक्षा में आप बेहतरीन प्रदर्शन कर सकते हैं। आप अत्यंत ऊर्जावान महसूस करेंगे। गृहस्थ जीवन में सावधानी रखें। प्रेमी जन के साथ तेज आवाज में बात न करें।

तुला — आज अनावश्यक खर्चों से आपको बचना चाहिए। क्रोधपूर्ण व्यवहार के बजाय शांतिपूर्ण तरीके से काम करें। कंसल्टेंसी से जुड़े कार्यों में लाभ होगा। पुराने मित्रों से चर्चा हो सकती है। साझेदारी वाले व्यवसाय में कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

वृश्चिक — आज पूरा दिन आपके लिए अत्यंत उत्तम रहने वाला है। आपकी अच्छी आदतों से लोग प्रेरणा लेंगे। आय के नए स्रोत विकसित होने के योग बन रहे हैं। अपने आत्मविश्वास के बलबूते उलझे मामलों को सुलझाने में सफलता मिलेगी।

धनु — आज प्राइवेट जॉब कर रहे लोगों की आय बढ़ सकती है। आपको पर्याप्त आराम अवश्य करना चाहिए। साझेदारी वाले व्यवसाय में पारदर्शिता रखें। इंटरनेट का सावधानी पूर्वक प्रयोग करें। दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप न करें।

मकर — आज दिन का प्रारंभिक भाग बहुत अच्छा रहेगा। छोटी दूरी की यात्रा हो सकती है। रुके हुए कार्य दोबारा शुरू होने के योग बन रहे हैं। जॉब को लेकर स्थान-परिवर्तन हो सकता है। आप घरेलू कार्यों में व्यस्त रहेंगे।

कुंभ — आज अपनी गलत आदतों को सुधारने का प्रयास करें। जिद्दी स्वभाव के कारण आपके नजदीकी लोग नाराज हो सकते हैं। अपशब्दों का प्रयोग कम से कम करें। कारोबार में कठिनाई होगी। ज्यादा मेहनत के कारण मांसपेशियों में खिंचाव की समस्या होगी।

मीन — आज व्यवसाय में बड़ा धन लाभ होने की संभावना है। विपरीत लिंग के लोगों के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। दैनिक दिनचर्या व्यवस्थित रहेगी। सहकर्मियों के प्रति अपना व्यवहार और सहयोग अच्छा रखें। घर का वातावरण सुखद रहेगा।

सुडोकू-173

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	2							
				5				
		5		1				
								4
					6			
	1							
	4				3			
							6	

सुडोकू - 172 का हल

1	8	5	2	6	9	3	7	4
4	9	7	5	8	3	6	1	2
2	3	6	7	4	1	8	5	9
3	6	4	1	9	5	7	2	8
9	7	1	6	2	8	5	4	3
8	5	2	4	3	7	1	9	6
7	2	9	3	1	6	4	8	5
6	1	8	9	5	4	2	3	7
5	4	3	8	7	2	9	6	1

भारत को राष्ट्रमंडल खेलों के शताब्दी वर्ष 2030 खेलों की मेजबानी मिलने पर हर्षित हूं। देशवासियों और खेल तंत्र को बधाई । यह हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता और खेलभावना है जिसने भारत को वैश्विक खेल मानचित्र पर मजबूती से रखा है।

-नरेंद्र मोदी

स्टेडियम

कानपुर, गुरुवार ,27 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

असलांका की छिन सकती है कप्तानी

कोलंबो : श्रीलंका के कप्तान चरित असलांका का पाकिस्तान का दौरा बीच में छोड़ना देश के क्रिकेट बोर्ड को नागवार गुजरा है जिससे अगले साल के शुरू में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले उनकी कप्तानी खतरे में पड़ गई है। उनकी जगह दासुन शनाका को कप्तान नियुक्त किया गया है। असलांका पाकिस्तान में द्विपक्षीय एकदिवसीय सीरीज में टीम की कप्तानी कर रहे थे। वह दौरा बीच में रद्द करने के पक्ष में थे और उन्होंने इस्लामाबाद में हुए आत्मघाती बम विस्फोट के बाद कथित तौर पर अपने कुछ साथियों को टूर्नामेंट से हटने और स्वदेश लौटने के लिए प्रोत्साहित किया था। यह बात श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) को रास नहीं आई और उसने कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

चेल्सी ने बार्सिलोना को 3-0 से रौंदा

लंदन : टीम में बदलाव, गलतियों और रक्षात्मक चूक के कारण मैनचेस्टर सिटी और बार्सिलोना को चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में हार का सामना करना पड़ा। मैनचेस्टर सिटी कोच के रूप में पेप गार्डियोला के चैम्पियंस लीग में 100वें मैच में उनकी टीम बायर लेवरकुसेन से 2-0 से हार गई, जबकि बार्सिलोना को चेल्सी के खिलाफ 3-0 की हार में आत्मघाती गोल और रेड कार्ड का सामना करना पड़ा। गार्डियोला ने शनिवार को प्रीमियर लीग में न्यूकैसल से मिली हार के बाद अपनी शुरुआती लाइनअप में 10 बदलाव किए, जिसमें एर्लिंग हालैंड को बेंच पर रखा गया, लेकिन इसका विपरीत प्रभाव पड़ा। एलेजांद्रो ग्रिमाल्डो ने 23वें मिनट में लेवरकुसेन की तरफ से पहला और पैट्रिक स्किच ने 54वें मिनट में दूसरा गोल किया।

उप्र ने गोवा को छह विकेट से दी मात

कोलकाता : गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद आर्यन जुयाल (नाबाद 93) की विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर उत्तर प्रदेश ने बुधवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी एलीट ग्रुप बी मुकाबले में गोवा को 10 गेंदे शेष रहते छह विकेट से हरा दिया। 173 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी उत्तर प्रदेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में कप्तान करण शर्मा (शून्य) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये बल्लेबाजी करने आये प्रियम गर्ग ने आर्यन जुयान के साथ पारी को संभाला और दूसरे विकेट के लिए 71 रन जोड़े। उत्तर प्रदेश ने 18.2 ओवर में चार विकेटपर 173 रन बनाकर मुकाबला छह विकेट से अपने नाम कर लिया।

जलन शाह कप : भारत ने मलेशिया को हराया

इपोह : भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने सुल्तान अजलन शाह कप में बुधवार को मेजबान मलेशिया को 4-3 से हराया। भारत के लिये सेल्वम कार्ति (सातवां मिनट), सुखजीत सिंह (21वां), अमित रोहिदास (39वां) और संजय (53वां) ने गोल किया। वहीं फैजल सारी (13वां), फितरी सारी (36वां) और मरहान जलील (45वां) ने मलेशिया के लिये गोल दागे। भारत ने आक्रामक शुरूआत की और मेजबान को दबाव में ला दिया। भारत के लिये पहला गोल सातवें मिनट में सुखजीत सिंह के पास पर कार्ति ने किया। भारतीयों ने दबाव बनाये रखा लेकिन बीच में यशदीप सिवाच को गलती पर ग्रीन कार्ड और मलेशिया को पेनल्टी कॉर्नर मिला।

भारत की सबसे बड़ी हार, दक्षिण अफ्रीका ने 25 साल बाद फिर किया क्लीन स्वीप

गुवाहाटी टेस्ट में भारत को रिकॉर्ड 408 रनों से मिली मात, अपनी धरती पर तीसरी बार सूपड़ा साफ हुआ

गुवाहाटी, एजेंसी

ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर ने कौशल और दृढ़ संकल्प की कमी वाले भारतीय बल्लेबाजों को फिर से दिन में तारे दिखाए जिससे दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच में 408 रन की रिकॉर्ड जीत दर्ज करके दो मैच की सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप किया। यह हार भारत के टेस्ट इतिहास में एक और शर्मनाक अध्याय है क्योंकि रन के लिहाज़ से यह उसकी सबसे बड़ी हार है। यह तीसरा अवसर है जबकि किसी टीम ने भारत का उसकी धरती पर सूपड़ा साफ किया। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने 2000 में 2-0 से जबकि पिछले साल न्यूजीलैंड ने 3-0 से सीरीज जीती थी।

इस पराजय से भारत की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को भी करारा झटका लगा है। भारत के सामने 549 रन का असंभव लक्ष्य था और उसकी पूरी टीम मैच के पांचवें और अंतिम दिन 140 रन पर आउट हो गई। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी पहली पारी में 489 रन बनाए थे जिसके जवाब में भारतीय टीम 201 रन पर आउट हो गई थी। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी दूसरी पारी पांच विकेट पर 260 रन बनाकर समाप्त घोषित की थी। मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में, भारत अब तक घरेलू मैदान पर न्यूज़ीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच टेस्ट हार चुका है।

पिछले 66 वर्षों में यह पहला अवसर है जबकि भारतीय टीम सात महीनों के अंतराल में पांच टेस्ट हार गई। भारत की तरफ से रविंद्र जडेजा ही कुछ संघर्ष कर पाए। उन्होंने 87 गेंदों में 54 रन बनाए। हार्मर ने पिच मुझे मिल रहे उछाल और टर्न का पूरा फायदा उठाकर अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 37 रन देकर छह विकेट तथा मैच में कुल नौ विकेट लिए।

एडेन मार्करम ने नौ कैच लेकर एक टेस्ट मैच में सर्वाधिक कैच का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने भारत के अजिंक्य रहाणे के 2015 में लिए गए आठ कैच के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। भारत ने सुबह दो विकेट पर 27 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई जिसके बाद हार्मर ने अपने टर्न और उछाल से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया। उन्होंने पहले सत्र में नाइटवॉचमैन कुलदीप यादव (05), ध्रुव जुरेल (02) और कप्तान ऋषभ पंत (13) को पवेलियन की राह दिखाई। बारसापारा की पिच हाल के समय में उपलब्ध कराई गई सर्वश्रेष्ठ भारतीय पिचों में से एक थी, जिसमें उचित तकनीक और अभ्यास से बल्लेबाज रन बनाने में सक्षम थे। इस पिच पर अपनी लेंथ को जानने वाले तेज गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया। हार्मर ने सुबह के सत्र में आधे घंटे की कड़ी मेहनत के बाद कुलदीप के डिफेंस में सेंध लगाई और फिर इसी ओवर में जुरेल को भी पवेलियन की राह दिखाई। जुरेल ने पहली स्लिप में खड़े मार्क्रम को कैच का अभ्यास कराया। पंत ने केशव महाराज पर छक्का लगाया लेकिन हार्मर की उछाल लेती एक गेंद उनके बल्ले को चूमती हुई स्लिप में मार्क्रम के सुरक्षित हाथों में चली गई। साई सुदर्शन ने 139 गेंदों में 14 रन बनाए लेकिन वह छह बार आउट होने से बचे थे और ऐसा लग रहा था कि वह हर गेंद पर आउट हो जाएंगे। भारत के अन्य बल्लेबाज नीतीश कुमार रेड्डी और वाशिंगटन सुंदर भी स्पिनरों के सामने बगलें झांकते हुए नजर आए। कोलकाता में पहला टेस्ट मैच 30 रन से गंवाने वाली भारतीय टीम की तैयारी में कमी स्पष्ट नजर आ रही थी।

ट्रॉफी के साथ जश्न मनाते दक्षिण अफ्रीकी टीम के खिलाड़ी। एजेंसी

स्कोर बोर्ड

दक्षिण अफ्रीका पहली पारी : 489 रन

भारत पहली पारी : 201 रन

दक्षिण अफ्रीका दूसरी पारी : 260/5

भारत

140/10 (दूसरी पारी) (63.5 ओवर)

यशस्वी का वेरेन्ने बो यानसेन	13
केएल राहुल बो हार्मर	06
साइ सुदर्शन नाबाद	14
कुलदीप यादव बो हार्मर	05
ध्रुव जुरेल का माक्रम बो हार्मर	02
ऋषभ पंत का माक्रम बो हार्मर	13
जडेजा स्ट वेरेन्ने बो महाराज	54
सुंदर का माक्रम बो हार्मर	16
नीतिश रेड्डी का वेरेन्ने बो हार्मर	00
जसप्रीत बुमराह नाबाद	01
सिराज का यानसेन बो महाराज	00

गेंदबाजी : यानसेन 15-7-23-1, मुल्डर 4-1-6-0, हार्मर 23-6-37-6, महाराज 12.5-1-37-2, मार्करम 2-0-2-0, मुथुसामी 7-1-21-1

रवींद्र जडेजा के स्टंप आउट होने के साथ ही भारत की उम्मीदें भी टूट गईं। एजेंसी

हमें बेहतर बनने की जरूरत है : ऋषभ पंत

- बोले-आप क्रिकेट को हल्के में नहीं ले सकते

गुवाहाटी, एजेंसी

कार्यवाहक कप्तान ऋषभ पंत ने बुधवार को स्वीकार किया कि भारत को टेस्ट टीम के रूप में बेहतर बनने की जरूरत है और कहा कि सिर्फ घरेलू हालात में खेलने से नतीजों को हल्के में नहीं लिया जा सकता। दक्षिण अफ्रीका ने यहां दूसरे टेस्ट मैच में भारत को 408 रन से हराकर शृंखला में 2-0 से क्लीन स्वीप किया।

पंत ने मैच के बाद कहा यह थोड़ा निराशाजनक है। एक टीम के तौर पर हमें बेहतर प्रदर्शन करना होगा। हमें विरोधी टीम को श्रेय देना होगा। उन्होंने पूरी शृंखला में दबदबा बनाया लेकिन घरेलू धरती पर खेलने से आप क्रिकेट को हल्के से नहीं ले सकते हैं। पंत ने कहा कि भारत को इस शृंखला से सीख लेनी होगी और भविष्य में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। उन्होंने कहा हमें इससे सीख लेकर एक टीम के रूप में आगे बढ़ना होगा। हमें अपनी मानसिकता स्पष्ट रखनी होगी। हमें इससे सीखना होगा और बेहतर बनना होगा। इस विकेटकीपर-बल्लेबाज ने स्वीकार किया कि दक्षिण अफ्रीका ने पूरी शृंखला में बेहतर क्रिकेट खेली।

यह बहुत बड़ी उपलब्धि है : तेम्बा बावुमा

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा शृंखला में जीत से खुश हैं। उन्होंने कहा यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। आप हर समय भारत में आकर शृंखला नहीं जीत सकते। एक टीम के रूप में हमने भी खराब दिन देखे हैं और ऐसे में पूरा श्रेय खिलाड़ियों को जाता है। हम जैसा करना चाहते हैं उसको लेकर हमारी सोच में बड़ा बदलाव आया है। हमारी तैयारी शानदार थी और हमारे खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए मैदान पर उतरते हैं। ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर को श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया और उन्होंने कहा कि वह यहां से सुखद यादें लेकर जाएंगे। उन्होंने कहा जैसा कि मैंने पिछले टेस्ट में कहा था, यह एक लंबा सफ़र रहा है। मैं 10 साल बाद भारत में खेल रहा था और यह बिल्कुल एक अलग तरह का एहसास है। मैं यहां से सुखद यादें लेकर जाऊंगा। भारतीय टीम वास्तव में बहुत अच्छी है और उसे हराना बड़ी उपलब्धि है।

मेरे भविष्य का फैसला बीसीसीआई के हाथ में : गंभीर

गुवाहाटी, एजेंसी

- बोले-लेकिन मेरी सफलताओं को मत भूलना

लोचनाओं से घिरे भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने बुधवार को कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट शृंखला में मिली करारी हार के बाद उनके भविष्य पर फैसला भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को करना है लेकिन इसके साथ ही उन्होंने याद दिलाया कि उनके कार्यकाल में टीम ने कितनी सफलता हासिल की है। गंभीर बुधवार को यहां दूसरे टेस्ट मैच में दक्षिण अफ्रीका के हाथों 408 रन से मिली शर्मनाक हार के बाद बोल रहे थे, जिससे मेहमान टीम ने शृंखला 2-0 से अपने नाम कर ली।

गंभीर ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा मेरे भविष्य का फैसला बीसीसीआई को करना है। मैने अपनी पहली प्रेस कांफ्रेंस में भी कहा था जब मैं मुख्य कोच बना था । भारतीय क्रिकेट अहम है, मैं नहीं । आज भी मैं वही बात कह रहा हूं । उन्होंने कहा लोग भूल

जाते हैं लेकिन मैं वही व्यक्ति हूं जिसने युवा टीम के साथ इंग्लैंड में आपको अनुकूल परिणाम दिलाए। मुझे यकीन है कि आप जल्दी ही भूल जाओगे क्योंकि अधिकांश लोग न्यूजीलैंड (पिछले महीने भारत में 0.3 से मिली हार) के बारे में बात करते रहते हैं । मैने चैम्पियंस ट्रॉफी और एशिया कप में भी जीत दिलाई है ।

गंभीर ने दक्षिण अफ्रीका से 0-2 से मिली हार के बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया में कहा दोष सभी का है और इसकी शुरुआत मुझसे होती है। हमें बेहतर खेल दिखाना होगा। पहली पारी में एक समय हमारा स्कोर एक विकेट पर 95 रन था जो सात विकेट पर 122 रन हो गया। यह स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा आप किसी एक व्यक्ति या किसी ख़ास शॉट को दोष नहीं दे सकते। दोष सबका है। मैंने कभी किसी एक व्यक्ति को दोष नहीं दिया और आगे भी ऐसा नहीं करूंगा। हमें बेहतर खेलना होगा । एक विकेट पर 95 रन से सात विकेट पर 122 रन स्वीकार्य नहीं है। गंभीर के कोच रहते भारत ने 18 टेस्ट मैचों में से 10 में हार का सामना किया है, जिसमें पिछले साल न्यूजीलैंड के खिलाफ और अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर मिली हार भी शामिल है। गुवाहाटी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की हार टेस्ट क्रिकेट में रनों के लिहाज से उसकी सबसे बड़ी हार है। उन्होंने कहा टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए आपको बेहद तेज़तर्रार और प्रतिभाशाली क्रिकेटरों की ज़रूरत नहीं है।

भारत ने जीता एक रजत और एक कांस्य पदक

नई दिल्ली : भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने रोमानिया में आयोजित आईटीटीएफ विश्व युवा चैम्पियनशिप में दमदार पदार्पण करते हुए अंडर -19 लड़कों और अंडर -15 लड़कियों की टीम स्पर्धाओं में क्रमशः एक रजत और एक कांस्य पदक अपने नाम किया।

अंडर -19 लड़कों की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चीनी ताइपे को 3-2 से हराकर फाइनल में जगह बनाई लेकिन उन्हें जापान से 0-3 से हार का सामना कर दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। अंकुर भट्टाचार्य ने रयूसेई कावाकामी को कड़ी चुनौती दी, लेकिन 17-15, 6-11, 12-10, 4-11, 11-13 से हार गए। जापान के कजाकी योशियामा ने अभिनंद को 11-7, 11-8, 11-6 से हराया। फिर तामितो ने प्रणुज भट्टाचार्य को 11-9, 11-7, 11-3 से मात देकर जापान को स्वर्ण पदक दिलाया। अंडर -15 लड़कियों की टीम ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल तक पहुंचकर कांस्य हासिल किया। टीम ने क्वार्टरफाइनल में जर्मनी को 3-1 से हराया।

डब्ल्यूटीसी तालिका में 5वें स्थान पर खिसका भारत

- दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद हुआ नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका से दोनों टेस्ट मैच में हार झेलने के बाद भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) तालिका में पांचवें स्थान पर खिसक गया है जिससे उसकी फाइनल में पहुंचने की संभावनाओं को करारा झटका लगा है।

बुधवार को गुवाहाटी में दूसरे टेस्ट में 408 रन से मिली हार, पारंपरिक पांच दिवसीय प्रारूप में रनों के लिहाज से भारत की सबसे बड़ी हार है। इस साल के शुरू में इंग्लैंड में शृंखला बराबर करने वाली भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका से मिली हार के बाद पाकिस्तान से नीचे पांचवें स्थान पर खिसक गई है और उसका पीसीटी (प्रतिशत) 48.15 पर आ गया है। भारत ने मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में नौ टेस्ट मैच खेले हैं, जिनमें से चार जीते, चार हारे और एक ड्रॉ रहा। भारतीय टीम अब अगले साल अगस्त में दो टेस्ट मैच की सीरीज के लिए श्रीलंका का दौरा करेगी और उसके बाद अक्टूबर-नवंबर में न्यूज़ीलैंड

के खिलाफ शृंखला खेलेगी। दूसरी तरफ भारत में 25 वर्ष में पहली टेस्ट श्रृंखला जीतने वाले दक्षिण अफ्रीका ने तालिका में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का मौजूदा चैंपियन दक्षिण अफ्रीका चार टेस्ट मैचों में 36 अंकों के साथ शीर्ष पर चल रहे ऑस्ट्रेलिया के ठीक पीछे दूसरे स्थान पर है। उसका पीसीटी 66.67 से बढ़कर 75 हो गया है।न्यूजीलैंड ने अभी तक मौजूदा चक्र में एक भी शृंखला नहीं खेली है, जबकि श्रीलंका और पाकिस्तान ने एक-एक सीरीज खेली है। शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें 2027 में होने वाले फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी।

सोचा नहीं था कि भारत वापस आऊंगा : हार्मर

गुवाहाटी : साइमन हार्मर ने 2017 में इंग्लिश काउंटी टीम एसेक्स की ओर से खेलने के लिए 'कोलपैक' करार पर हस्ताक्षर किया था तब उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के लिए टेस्ट मैच खेलने की उम्मीद छोड़ दी थी। इस ऑफ स्पिनर के लिए भारत में 2015 में औसत प्रदर्शन के बाद इस देश में एक और टेस्ट मैच खेलने की उनकी संभावना धूमिल हो गयी थी।

हार्मर ने भारत के मौजूदा दौरे पर अपने शानदार प्रदर्शन से टीम को दो मैचों की सीरीज में 2-0 की जीत दिलाने में अहम योगदान दिया। हार्मर ने दूसरे टेस्ट में 408 रन की बड़ी जीत दर्ज करने के बाद बुधवार को कहा लाखों सालों में भी नहीं (भारत में 2015 के बाद दोबारा खेलने के बारे में) और इसलिए यह अवास्तविक लगता है। कोलपैक समझौता यूरोपीय न्यायालय का एक फैसला था जिसने दक्षिण अफ्रीका जैसे यूरोपीय संघ समझौते वाले देशों के नागरिकों को यूरोपीय संघ के किसी भी देश में वहां के नागरिक के समान अधिकारों के साथ काम करने की अनुमति दी थी।

शीर्ष वरीयता प्राप्त उन्नति अगले दौर में

लखनऊ, एजेंसी

शीर्ष वरीयता प्राप्त उन्नति हुड्डा और सीनियर खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत और एच एस प्रणय बुधवार को आसान जीत दर्ज करते हुए भारत के कई अन्य खिलाड़ियों के साथ सैयद मोदी अंतर्राष्ट्रीय सुपर 300 टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंचने में सफल रहे।

हुड्डा ने हमवतन आकर्षि कश्यप को 21-13, 21-18 से हराया जबकि इस साल की शुरुआत में मलेशिया मास्टर्स के फाइनल में पहुंचने वाले श्रीकांत ने दमदार प्रदर्शन करते हुए बाबू बनारसी दास इंडोर स्टेडियम में कविन थंगम को 21-13, 21-10 से शिकस्त दी। वहीं 2023 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता प्रणय ने शाश्वत दलाल को पराजित किया। अब उनका सामना हमवतन मनराज सिंह से होगा। मिथुन

महिला सिंगल्स के दौरान शॉट लगातीं भारत की उन्नति हुड्डा। एजेंसी

मंजूनाथ को दिमित्रि पनारिन को 21-18 12-21 21-10 से हराने में मशक्कत करनी पड़ी जबकि छठे वरीय तरूण मानेपल्ली ने सतीश करूणाकरन को 21-7 21-9 से हराया। मंजूनाथ अब दूसरे दौर में मानेपल्ली के सामने होंगे। भारत के अन्य खिलाड़ियों में सातवीं वरीयता प्राप्त रक्षिता श्री संतोष रामराज ने महिला एकल में श्रेया लेले पर 21-12, 21-14 से जीत के साथ आगाज किया।

किरण जॉर्ज ने भी पुरुष एकल वर्ग में इजराइल के डेनियल डुबोवेंको को 21-17, 21-9 से हराकर आगे बढ़े और अब उनका सामना हांगकांग के जेसन गुनावान से होगा। घुटने की चोट से उबरने के बाद पांच महीने में अपना पहला मैच खेल रहे प्रियांशु राजावत ने मीराबा लुवांग मैसनाम को 21-18, 21-14 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई, जहां उनका सामना एक अन्य भारतीय बीएम राहुल भारद्वाज से होगा।

भारद्वाज ने हमवतन तरुण रेड्डी कटम को 18-21, 21-16, 23-21 से हराया। अलाप मिश्रा, सिद्धांत गुप्ता पुरुष एकल के दूसरे दौर में पहुंच गए, जबकि देविका सिहाग, मानसी सिंह, इशारानी बरुआ, तान्या हेमंत और अनुपमा भी आगे बढ़े। मिश्रित युगल वर्ग में विश्व जूनियर पदक विजेताओं के बीच हुए मुकाबले में सी लालरामसांगा और तारिणी सूरी की जोड़ी ने भव्या छाबड़ा और विशाखा टोप्पो को 25-23, 21-14 से हराया।

खेलमंत्री ने जताया हर्ष | अहमदाबाद में वर्ष 2030 में होगा आयोजन

राष्ट्रमंडल खेल की मेजबानी मिलना गर्व की बात

नई दिल्ली, एजेंसी

अहमदाबाद को राष्ट्रमंडल खेल 2030 का मेजबान चुने जाने को देश के लिये गर्व का पल बताते हुए खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को कहा कि भारत 2047 तक खेलों में दुनिया के शीर्ष पांच देशों में अपना नाम दर्ज कराना चाहता है ।

ग्लासगो में राष्ट्रमंडल खेलों की आम सभा के दौरान अहमदाबाद को 2030 खेलों की मेजबानी के अधिकार औपचारिक रूप से प्रदान किए गए जिससे दो दशकों के बाद इस आयोजन के भारत में वापसी का रास्ता साफ हो गया। राष्ट्रमंडल खेलों के सौ साल भी इस अवसर पर पूरे होंगे जो पहली बार 1930 में कनाडा में आयोजित

हुए थे। मांडविया ने मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम पर हरे पटाखों से आतिशबाजी और लेजर शो के बीच कहा राष्ट्रमंडल खेलों के सौवे साल में इन खेलों का आयोजन भारत में होना हमारे लिये गौरव की बात है। राष्ट्रमंडल खेल परिषद के लिये ये खेल बहुत महत्वपूर्ण है और इनके भारत में आयोजन की मुझे खुशी भी है और गर्व भी। उन्होंने कहा मोदी जी के नेतृत्व में देश बदल रहा है । पिछले एक दशक में खेलों में देश के अलग अलग 18 से अधिक शहरों में 22 से अधिक बड़े टूर्नामेंटों का आयोजन किया गया । कुछ दिन पहले ही मुक्केबाजी विश्व कप, पैरा एथलेटिक्स विश्व चैम्पियनशिप, हॉकी विश्व कप का आयोजन हुआ ।यह दर्शा रहा है कि यह देश बड़े टूर्नामेंटों के आयोजन के लिये तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को 2029 विश्व पुलिस खेलों की मेजबानी का अवसर मिलना भी गर्व की बात है । उन्होंने कहा भारत 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी का इच्छुक है । हम पदक तालिका में भी लगातार आगे बढते जा रहे हैं । खेलों भारत नीति और खेल प्रशासन अधिनियम उसमें मजबूती प्रदान कर रहा है ।

10 साल के लिए खेल नीति तैयार

मांडविया ने कहा कि सरकार का दीर्घकालिन लक्ष्य भारत को 2047 में आजादी के सौवें साल में खेलों में शीर्ष पांच देशों में लाना है। आने वाले दस साल के लिये हमने दीर्घकालिन नीति तैयार की है जिसके तहत काम चल रहा है । मुझे यकीन है कि भारत अगले दस साल में शीर्ष दस खेल देशों में स्थान हासिल करेगा और 2047 में जब देश आजादी का शताब्दी वर्ष मनायेगा ,तब हम दुनिया के शीर्ष पांच खेल देशों में होंगे। ऐसे बड़े खेलों के आयोजन से देश के युवा खिलाड़ियों को मौका मिलता है। देश का खेलों में प्रदर्शन दिखता है। भारत की उभरती हुई खेल ताकत को हम 2030 में देख पायेंगे।